अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 179 लखनऊ, बुधवार, 14 जनवरी 2026 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

देश को जल्द मिलेगी 9 नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सौगात

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को घोषणा की है कि भारतीय रेलवे जल्द ही 9 नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेगा। रेल मंत्री द्वारा घोषित रूटों के अनुसार, 9 में से 7 अमृत भारत एक्सप्रेस पश्चिम बंगाल से शुरू होंगी या पश्चिम बंगाल को जोड़ेंगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट साझा कर इन नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के प्रस्तावित रूटों की जानकारी दी है। असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र को दो नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें मिलेंगी। इनमें पहली ट्रेन कामाख्या (असम) से रोहतक (हरियाणा) के बीच चलेगी, जिससे पूर्वोत्तर का सीधा संपर्क हरियाणा और उत्तर भारत के औद्योगिक क्षेत्रों से स्थापित होगा। दूसरी ट्रेन डिब्रूगढ़ (असम) से लखनऊ (उत्तर प्रदेश) को जोड़ेगी, जिससे असम का संपर्क उत्तर प्रदेश जैसे बड़े आबादी वाले राज्य से मजबूत होगा।

वाहन स्क्रैपिंग में यूपी देश में नंबर वन, सर्वाधिक 94,094 वाहनों की स्क्रैपिंग

लखनऊ। प्रदूषण मुक्ति और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उत्तर प्रदेश ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। वाहन स्क्रैपिंग में उत्तर प्रदेश देश का नंबर एक राज्य है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के डैशबोर्ड के आंकड़ों के अनुसार राज्य में दिसंबर 2025 तक लगभग 94,094 वाहन स्क्रैप किए जा चुके हैं जो देश में स्क्रैप वाहनों की कुल संख्या का लगभग 42 प्रतिशत है। इस मामले में यूपी के बाद हरियाणा, गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र का नंबर आता है। पुराने वाहनों की स्क्रैपिंग की नीति न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक है, बल्कि आधुनिक, सुरक्षित और कम उत्सर्जन वाले वाहनों को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

उच्चतम न्यायालय ने अब्बास अंसारी की पूर्ण ज़मानत याचिका को दी मंज़ूरी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने गैंगस्टर तथा समाज-विरोधी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम 1986 के तहत दर्ज मामले में उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायक अब्बास अंसारी की पूर्ण जमानत याचिका को मंगलवार को मंजूरी दे दी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति एम पांचोली की पीठ ने अंसारी की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह आदेश दिया। पीठ ने कहा कि अंसारी अंतरिम ज़मानत पर लंबे वक्त से ज़मानत पर बाहर हैं और अब तक उन पर इस आज़ादी का दुरुपयोग करने का कोई आरोप नहीं लगा है।

पहले मध्यमार्गी शिव, अब समाजवादी राम

अभयानंद शुक्ल, कार्यकारी संपादक

- सपा में लगातार आ रहा सनातनी बदलाव
- अब सांसद बीरेंद्र सिंह लाए समाजवादी राम
- राहुल गांधी भी करेंगे श्रीराम लला के दर्शन

लखनऊ। अब राजनीतिक हलकों में इस बात की चर्चा होने लगी है कि क्या समाजवादी पार्टी सीएम योगी के हिंदुत्व वाले दांव से इतना परेशान हो गयी है कि वह मजबूरी में हिंदुत्व की तरफ बढ़ती जा रही है। क्योंकि पहले अखिलेश यादव का शिवभक्ति का दांव और अब सपा सांसद वीरेंद्र सिंह का समाजवादी राम वाला दांव। वीरेंद्र सिंह ने कहा है कि वे राम को मानते हैं, पर समाजवादी राम को, जो वनवासी हैं और जरूरत पड़ने पर किसी राजा से नहीं बल्कि वनवासियों से मदद लेते हैं। वे और क्लीयर कर कहते हैं कि उनको वनवास के बाद लौटे राजा राम पसंद नहीं हैं। वे राम में बंटवारा करने की कोशिश करते हैं। उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम में भी खोट दिखती है। ऐसे में सपा का शिव और राम का भक्ति राग धार्मिक कम सियासी अधिक लगता है। प्रदेश के मंत्री संजय निषाद का तो यही आरोप भी है। वे कहते हैं कि केदारेश्वर महादेव मंदिर राजनीतिक है। उधर खबर आई है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन करने वाले हैं।

समाजवादी पार्टी के सांसद वीरेंद्र सिंह ने कहा है कि हम भी राम को पसंद करते हैं, लेकिन उस राम को जो वनवास काल में बड़े-बड़े राजाओं से नहीं, बल्कि वनवासियों की मदद लेकर रावण का संहार करते हैं। उन्होंने साफ किया कि वे अयोध्या के राजा राम को पसंद नहीं करते, जिनसे इन सनातनियों ने गलतियां कराईं और माता सीता को जंगल भिजवाने का पाप किया। इसलिए हमारी श्रद्धा बनवासी राम में है, क्योंकि वे समाजवादी थे। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम को भी सियासत के लिए बांटा जा रहा है।

ऐसे में समाजवादी पार्टी में यह बदलाव किसी नयी रणनीति की तरफ इशारा लगता है, क्योंकि अयोध्या से सपा के सांसद और इंडी गठबंधन के पोस्टर ब्वॉय और अखिलेश यादव के अनुसार अयोध्या के नये राजा अवधेश प्रसाद पासी को भी सांसद बनने के बाद लगभग एक साल लग गए श्री राम का दर्शन करने में। हालांकि एक साल बाद जब उन्होंने राम लला का दर्शन किया तो फिर उसके बाद कई बार किया। वे तो अब राम मंदिर की तारीफ करते नहीं थकते हैं, और कहते हैं कि राम हमारे आराध्य हैं , राम मंदिर बहुत बढ़िया बना है और यहां की व्यवस्था बहुत अच्छी है।

हालांकि समाजवादी पार्टी पर कारसेवकों पर गोली चलवाने का जो आरोप लगा है, उसका दाग अभी तक समाजवादी पार्टी मिटा नहीं पाई है। जब भी हिंदुत्व और राम मंदिर की बात आती है, तो इसके नेता इस सवाल पर असहज हो जाते हैं। सपा के चरित्र पर यह ऐसा बड़ा दाग है जो समाजवादी पार्टी को हिंदू विरोधी करार देता है। नैरेटिव के लिहाज से अखिलेश यादव का एक और बयान भी काफी चर्चा में रहा, जब उन्होंने कन्नौज में जाकर कहा था कि इन्हें यानी संघ परिवार को बदबू पसंद है, इसलिए वे गौशाला का निर्माण करते हैं, और हमें खुशबू पसंद थी, इसलिए हमने इत्र पार्क का निर्माण कराया था। इस बयान के बाद अखिलेश सनातनियों के निशाने पर भी आ गए थे। सूत्रों का कहना है कि अब अपने उस बयान को डायलूट करने के लिए अखिलेश यादव का मंदिर राग शुरू हो गया है।

पर शायद अब सपा इस दाग को धोना चाहती है। इसीलिए अब उसे सनातन का आश्रय चाहिए। सपा प्रमुख के सनातन की ओर जाने का एक और तर्क है। हालांकि ये खबर लगभग दो हफ्ते पुरानी है, पर संदर्भ नया है, इसलिए जिक्र जरूरी है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने नये साल के पहले दिन कहा कि योगी सरकार प्रयागराज के माघ मेले में हमारे केदारेश्वर मंदिर की भी स्थापना करे। उन्होंने कहा कि सरकार ने माघ मेले में सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव की मूर्ति नहीं लगाने दी है, तो हम केदारेश्वर महादेव की मूर्ति लगाएंगे। अब मूर्ति लगी या नहीं पर ये मांग नैरेटिव के लिहाज से महत्वपूर्ण है। सपा सुप्रीमो ने ये बयान साल के पहले दिन पार्टी के नेताओं को बाटी-चोखा दावत के समय दिया था। राम मंदिर न जाने के आरोपों के जवाब में भी अखिलेश यादव कहते हैं कि जब उनका इटावा में निर्माणाधीन केदारेश्वर महादेव मंदिर बन जाएगा और वे उसका दर्शन कर लेंगे, उसके बाद ही देश के अन्य मंदिरों के भी दर्शन करने जाएंगे।

असल में अखिलेश यादव और उनके नेताओं में आए इस बदलाव का कारण यह बताया जाता है कि इधर भाजपा लगातार अखिलेश यादव के पीडीए के विरोध में हिंदुओं को एकजुट करने में लगी है। अब तो योगी आदित्यनाथ ने ऐलान किया है कि वह अयोध्या, मथुरा और काफी को भव्य स्वरूप देने के लिए कृत संकल्प हैं।

वे यह भी कहते हैं कि अगर कोर्ट की बंदिश न होती तो अब तक मथुरा और काशी भी भव्यता प्राप्त कर चुके होते, और भव्य मंदिर बन चुका होता।

यानी अंततः सबको सनातन की शरण में आना है। ऐसे में यदि बाराबंकी के सांसद तनुज पुनिया की बातों पर यकीन करें तो नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी शीघ्र ही रामलला के दर्शन करने जाएंगे। ये चर्चा इसलिए भी उठी है कि रक्षा मामलों की संसदीय समिति आगामी 23 जनवरी को अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन करने वाली है। और राहुल गांधी भी इस समिति के सदस्य हैं।

10 मिनट की डिलीवरी बंद करेगा ब्लिंकिट

एजेंसी

नई दिल्ली। क्विक कॉमर्स कंपनी ब्लिंकिट अब 10 मिनट की गारंटी वाली डिलीवरी की सेवा बंद करेगा। हालांकि कंपनी ग्राहकों को सामान पहुंचाने की सेवाएं बिना किसी समय सीमा के जारी रखेगी। ब्लिंकिट यह कदम केंद्र सरकार की पहल और कर्मचारियों की हड़ताल के बाद अपने सभी ब्रांड से यह फीचर हटाने जा रहा है। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

कंपनी के सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि केंद्र सरकार की ''गिग वर्कर्स के अधिकारों की रक्षा'' के लिए जो पहल की गई है, उसी के अंतर्गत कंपनी ने यह निर्णय लिया है। सूत्रों के अनुसार सरकार की पहल पर क्विक कॉमर्स कंपनी ब्लिंकिट अब देश में 10 मिनट के भीतर डिलीवरी वाला फीचर हटाने जा रहा है। सूत्रों ने यह स्पष्ट किया कि कंपनी लोगों को मांग पर उनके स्थान पर सामान पहुंचाने की सेवाएं जारी रखेगी, सिर्फ दस मिनट की गारंटी का वादा नहीं रहेगा।

कंपनी ने ये कदम केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया की पहल पर उठाया है। इसको लेकर क्विक-कॉमर्स कंपनियों की टिप्पणियों का इंतज़ार है। हालांकि ब्लिंकिट के अलावा अन्य किसी कंपनी ने फिलहाल ऐसी किसी योजना की बात नहीं कही है।

विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा उप्र: योगी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- गोरखपुर महोत्सव के औपचारिक समापन समारोह में बोले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम सिर्फ उत्तर प्रदेश में निहित संभावनाओं की ही बात नहीं करते, बल्कि दृढ़ इच्छाशक्ति से संभावनाओं के अनुरूप परिणाम भी देते हैं। सरकार के करने की इच्छाशक्ति का ही परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश माफियामुक्त, दंगामुक्त होकर विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

गोरखपुर स्थिति रामगढ़ताल के सामने चंपा देवी पार्क में आयोजित गोरखपुर महोत्सव के मुख्य मंच से मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की इच्छाशक्ति से प्रदेश में व्यापक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। सरकार के प्रयासों से नौजवानों को रोजगार मिल रहा है। अन्नदाता किसानों के जीवन में व्यापक परिवर्तन हो रहा है। उद्यमियों, व्यापारियों को भयमुक्त वातावरण में कारोबार को आगे बढ़ाने का अवसर मिल रहा है। बहन-बेटियों को मुस्कुराते हुए स्कूल-बाजार जाने का माहौल मिल रहा है। आज यदि किसी ने बहन-बेटियों की राह में बाधा डालने का दुस्साहस किया तो अगले चौराहे पर यमराज उसका टिकट काटने को तैयार मिलेगा। यह तभी संभव हो रहा है जब सरकार में करने की दृढ़ इच्छाशक्ति है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन में सबसे बड़ी ताकत धैर्य और अनुशासन है। हमने कभी धैर्य नहीं खोया। उपेक्षा हुई तो संघर्ष का रास्ता अपनाया। इंसेफेलाइटिस की समस्या पर तत्कालीन सरकारों द्वारा की जा रही उपेक्षा का जिक्र करते हुए योगी ने कहा कि तब सड़कों पर आंदोलन किया और जब सरकार में आए तो पूरी जिम्मेदारी की भावना के साथ दो वर्षों में इंसेफेलाइटिस का खात्मा कर दिखाया।

उन्होने कहा कि आज गोरखपुर और उत्तर प्रदेश विकास की नई बुलंदियों पर है। 2017 के पहले भी जब देश आगे बढ़ रहा था तो गोरखपुर पीछे छूट गया था। तुलना की जाए तो 2017 के पहले और इसके बाद के उत्तर प्रदेश और गोरखपुर में जमीन-आसमान का अंतर दिखेगा। 2017 तक प्रदेशभर की तरह गोरखपुर भी उपद्रव, गुंडागर्दी की चपेट में था। गुंडा टैक्स वसूला जाता था। सड़कें जर्जर थीं, बिजली नहीं मिलती थी। गंदगी, बीमारी और इंसेफेलाइटिस का कहर था।

आवारा कुत्ते ने काटा तो किसकी होगी जिम्मेदारी?

- सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के हमलों में जवाबदेही की कमी पर जताई चिंता

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को आवारा कुत्तों के हमलों के लिए जिम्मेदारी और जवाबदेही तय करने वाले स्पष्ट नियमों के अभाव पर गंभीर चिंता व्यक्त की और संकेत दिया कि वह इस मुद्दे को हल करने के लिए लाइसेंसिंग या जवाबदेही ढांचा लागू करने पर विचार कर सकता है।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता तथा न्यायमूर्ति एन.वी. अंजारिया की पीठ ने लगातार चौथे दिन आवारा कुत्तों के प्रबंधन पर स्वतः संज्ञान लेते हुए एक मामले की सुनवाई की और पाया कि मौजूदा कानून यह स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं करते हैं कि जब कोई आवारा कुत्ता किसी इंसान को काटता है या उस पर हमला करता है तो कौन जिम्मेदार है। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने बार-बार पूछा कि आवारा कुत्तों के काटने से होने वाली चोटों या मौतों के मामलों में, विशेषकर जब बच्चे और बुजुर्ग पीड़ित हों, तो किसे जवाबदेह ठहराया जाएगा। न्यायाधीश ने गौर किया कि वर्तमान कानूनी ढांचे के तहत, आवारा कुत्तों को किसी व्यक्ति या प्राधिकरण के ''कब्जे में'' नहीं माना जाता है, जिससे जिम्मेदारी का अभाव पैदा होता है। न्यायमूर्ति मेहता ने टिप्पणी की कि यदि लोग या संगठन आवारा कुत्तों को खाना खिलाने का अधिकार जताते हैं, तो उन्हें अपने कार्यों की जिम्मेदारी भी स्वीकार करनी पड़ सकती है। न्यायालय ने संकेत दिया कि ऐसे व्यक्तियों या समूहों को लाइसेंस लेने की आवश्यकता हो सकती है या कुत्ते के काटने की घटनाओं के लिए उन्हें कानूनी रूप से जवाबदेह ठहराया जा सकता है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने टिप्पणी की कि न्यायालय आवारा कुत्तों द्वारा होने वाली प्रत्येक चोट या मृत्यु के लिए नगर निगम अधिकारियों और कुत्ते पालने वालों दोनों को उत्तरदायी ठहराने के लिए इच्छुक है। उन्होंने कहा कि कुत्तों के कल्याण के प्रति चिंतित लोगों को उन्हें खुलेआम घूमने देने और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने के बजाय अपने घरों में रखना चाहिए। न्यायालय ने पूछा, ''कुत्ते इधर-उधर क्यों घूमते रहें, लोगों को काटते और डराते रहें?''

जी राम जी कानून से अब नहीं हो पाएगी धांधली: रिजिजू

- विकसित भारत– जी रामजी के भ्रम को दूर करने के लिए जनजागरण अभियान चलाएगी भाजपा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) कानून 2025 से जुड़े भ्रम को दूर करने के लिए भारतीय जनता पार्टी प्रदेशभर में जनजागरण अभियान चलायेगी।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में भाजपा कार्यकर्ताओं की कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। इसके बाद पत्रकार वार्ता में केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि पहले मनरेगा भ्रष्टाचार का केंद्र बना हुआ था। 'विकसित भारत के लिए जी राम जी कानून बना है' पूरी ऑनलाइन और मॉनिटरिंग की व्यवस्था। अब इसमें एक रुपये की धांधली नहीं हो पाएगी'। उन्होंने कहा कि मनरेगा के माध्यम से 11 लाख करोड़ खर्च होने के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में जो विकास होना चाहिए था, वह विकास नहीं हो पाया। विकसित भारत बनाना है तो भारत के गांवों को आगे ले जाना होगा। उन्होंने बताया कि वीवी–जीरामजी से मजदूरों को सम्मानजनक मजदूरी मिलेगी। अब मजदूरों को 100 के बजाय 125 दिन काम मिलेगा। अगर विलंब हुआ काम मिलने में तो पेनाल्टी भी लगेगी।

गुजरात की पहली बीएसएल-4 लैब बनेगी देश के लिए गेमचेंजर : अमित शाह

एजेंसी

- केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने गांधीनगर में देश की पहली अत्यधुनिक बीएसएल-4 लैब का किया शिलान्यास

गांधीनगर। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि गुजरात की पहली बीएसएल-4 लैब देश के लिए गेमचेंजर बनेगी। आज प्रदेश की धरती से भारत की स्वास्थ्य सुरक्षा और बायो-सेफ्टी क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत हुई है। केन्द्रीय गृह मंत्री शाह मंगलवार को गांधीनगर में राज्य सरकार से संचालित देश की पहली अत्यधुनिक 'बायो-सेफ्टी लेवल-4' (बीएसएल-4) लैब और एनिमल बायो-सेफ्टी लेवल सुविधा का शिलान्यास करने के अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अर्जुनभाई मोढवाडिया विशेष रूप से उपस्थित रहे।

अमित शाह ने कहा कि गुजरात में इस लैब के शुरू होने से भारत की स्वास्थ्य सुरक्षा और बायो-सेफ्टी क्षेत्र में एक नए युग की शुभारंभ हुआ है।उन्होंने कहा कि पुणे के बाद यह देश की दूसरी हाई-लेवल लैब है, लेकिन राज्य सरकार की पहल से यह देश की पहली बीएसएल-4 लैब बनेगी।

ऑपरेशन सिंदूर के बावजूद नहीं सुधरा पाकिस्तान

सीमा पार फिर चालू हुए आतंकी कैंप

एजेंसी

- सेना प्रमुख ने स्वीकारा– सीमा पार से संचालित आतंकी गतिविधियां काबू करने के लिए सेना अलर्ट

नई दिल्ली। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद शुरू किए गए ऑपरेशन 'सिंदूर' के बाद भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा के करीब नष्ट किए गए प्रशिक्षण शिविरों में से आठ फिर से चालू हो गए हैं, जिनमें 100 से 150 आतंकियों के मौजूद होने की आशंका है। इसके बावजूद सीमा पार से संचालित आतंकी गतिविधियों को काबू करने के लिए भारतीय सेना पूरी तरह से सतर्क और हाई अलर्ट पर है।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को यहां मानेकशॉ सेंटर में वार्षिक संवाददाता सम्मेलन में यह बातें स्वीकार कीं। उन्होंने मुखर होकर कहा कि एलओसी पर छह और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर दो आतंकी शिविर फिर से शुरू किये जाने की भारत को जानकारी है। इन पर सेना की पैनी नजर है। ऑपरेशन सिंदूर राजनीतिक निर्देश और कार्रवाई करने या जवाब देने की पूरी आजादी के तहत तीनों सेनाओं के तालमेल का सबसे अच्छा उदाहरण था। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद सबसे उच्च स्तर पर निर्णायक जवाब देने का साफ फैसला लिया गया था। इसके तहत 07 मई को 22 मिनट की शुरुआत और 10 मई तक 88 घंटे तक चले इस ऑपरेशन ने गहराई तक हमला करके आतंकी ढांचे को खत्म करने का काम किया। सेना ने 21 में से नौ आतंकी शिविरों को सफलतापूर्वक नष्ट किया और उसके बाद पाकिस्तान की हरकतों का सोच-समझकर जवाब देने में अहम भूमिका निभाई। पाकिस्तान के साथ संघर्ष के बाद 10 मई को ऑपरेशन सिंदूर स्थगित किए जाने के समय के बारे में सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने कहा कि जहां तक न्यूक्लियर बयानबाजी की बात है, तो मैं कहना चाहूंगा कि डीजीएमओ की बातचीत में न्यूक्लियर पर कोई चर्चा नहीं हुई और जो भी न्यूक्लियर बयानबाजी हुई, वह नेताओं या पाकिस्तान की ?स्थानीय जनता ने की। मुझे ऐसा कोई इशारा नहीं मिला कि सेना की तरफ से ऐसा कुछ आया। जब हम इसमें अपनी भूमिका के बारे में बात करते हैं तो हमने उनके (पाकिस्तान) लगभग 100 लोगों को खत्म किया। उन 88 घंटों में सेना का संचालन ऐसा था कि अगर पाकिस्तान कोई गलती करता, तो हम ग्राउंड ऑपरेशन शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार थे।

जनरल उपेंद्र द्विवेदी कहते हैं कि म्यांमार में अशांति के जवाब में असम राइफल्स, सेना और गृह मंत्रालय वाला बहु-एजेंसी सुरक्षा ग्रिड नॉर्थ ईस्ट को स्पिलओवर असर से बचाने के लिए काम कर रहा है। म्यांमार में दूसरे फ़ेज के चुनाव सफलतापूर्वक होने के साथ अब हम एक-दूसरे के साथ ज्यादा असरदार तरीके से जुड़ पाएंगे।

योगी सरकार की पहल से रफ्तार पकड़ रही मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में 94 नई इकाइयां स्थापित
- 648.63 लाख रुपये का पूंजी निवेश, 2,586 युवाओं को मिला रोजगार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार की प्राथमिकताओं में ग्रामीण रोजगार और ग्रामीण औद्योगिकीकरण सबसे ऊपर है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना वित्तीय वर्ष 2025526 में उल्लेखनीय गति से आगे बढ़ रही है। इस वित्तीय वर्ष में अब तक योजना के अंतर्गत 94 इकाइयां स्थापित की गई हैं, जिसके तहत 648.63 लाख रुपये का पूंजी निवेश संभव हुआ है। इसके माध्यम से 2,586 युवाओं को रोजगार दिलाने में सफलता मिली है। यह आंकड़े बताते हैं कि वित्तीय वर्ष में योजना ने मजबूत प्रगति दर्ज की है और शेष अवधि में लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। इस योजना ने गांवों में उद्योग स्थापित कराकर स्थानीय युवाओं को उनके ही घर के पास रोजगार उपलब्ध कराने का रास्ता खोला है। योजना के तहत

ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षित एवं तकनीकी योग्य बेरोजगार युवक-युवतियों को 10 लाख रुपये तक का बैंक ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। योगी सरकार ने उद्यमियों के लिए ब्याज सब्सिडी की बड़ी सुविधा दी है, जिसमें सामान्य वर्ग के उद्यमियों के लिए 4% से ऊपर का ब्याज सरकार देती है, जबकि आरक्षित वर्ग के उद्यमियों का पूरा ब्याज सरकार वहन करती है। योजना में 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग के पुरुष एवं महिला उद्यमी पात्र हैं। चयन प्रक्रिया जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स के माध्यम से की जाती है। सामान्य वर्ग को परियोजना लागत का 10 प्रतिशत, जबकि आरक्षित वर्ग को 5 प्रतिशत स्वयं का अंशदान देना होता है। सरकार का लक्ष्य आने वाले समय में और अधिक युवाओं को इस योजना से जोड़कर स्व-रोजगार आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। योगी सरकार ग्रामीण विकास को केवल सड़क और बिजली तक सीमित नहीं रख रही, बल्कि ग्रामीण उद्योगों का नेटवर्क विकसित कर रही है। पारंपरिक कारीगरों व हस्तशिल्पकारों को सशक्त बना रही है। महिला उद्यमिता को बढ़ावा दिया जा रहा है और साथ ही, स्थानीय स्तर पर स्थायी रोजगार सृजन हो रहा है। सरकार का मानना है कि ह्लगांव मजबूत होंगे तो प्रदेश मजबूत होगा।ङ्क इसी सोच के साथ मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना को बड़े पैमाने पर विस्तार दिया जा रहा है।

तकनीकी संसाधनों आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनेंगी छात्राएं : असीम अरुण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। छात्राओं के समावेशी विकास, डिजिटल साक्षरता और तकनीकी सशक्तिकरण को नई दिशा देने के उद्देश्य से समाज कल्याण विभाग ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। इसके तहत मंगलवार को गोमती नगर स्थित भागीदारी भवन में मदद फाउंडेशन के सहयोग से समन्वय बैठक और टैबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान समाज कल्याण विभाग और मदद फाउंडेशन के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। प्रदेश सरकार ने शिक्षा के डिजिटलीकरण पर विशेष बल दिया जा रहा है। इसके तहत कार्यक्रम में जयप्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय, गोरखपुर और महाराजगंज जनपदों के प्रधानाचार्यों को कुल 40 टैबलेट प्रदान किए गए। प्रत्येक विद्यालय को 20520 टैबलेट उपलब्ध कराए गए हैं। यह पहल पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू की गई है। इसकी सफलता के आधार पर अन्य विद्यालयों में टैबलेट वितरण का दायरा बढ़ाया जाएगा। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण और मदद फाउंडेशन के फाउंडर राजेश मणि उपस्थित रहे। मंत्री असीम अरुण ने कहा कि डिजिटल शिक्षा आज समय की अनिवार्य आवश्यकता है। तकनीकी संसाधनों के माध्यम से छात्राओं को न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी, बल्कि वे आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी भी बनेंगी। उन्होंने इस पहल को बालिकाओं के सशक्तिकरण और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ एवं डिजिटल इंडिया की भावना के अनुरूप बताया। कार्यक्रम में बताया गया कि स्मार्ट क्लास, ई-कंटेंट, टैबलेट व डिजिटल उपकरण कौशल व करियर उन्मुख प्रशिक्षण के माध्यम से छात्राओं को नई तकनीक से जोड़ने का अभियान चलाया जा रहा है। लक्ष्य यह है कि बालिकाएं केवल शिक्षित ही नहीं, बल्कि तकनीकी रूप से दक्ष और आत्मनिर्भर नागरिक बन सकें। मदद फाउंडेशन के फाउंडर राजेश मणि ने समाज कल्याण विभाग के साथ इस सहयोग को सामाजिक उत्थान और शिक्षा के क्षेत्र में एक सार्थक प्रयास बताया। कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग के निदेशक संजीव सिंह, उपनिदेशक आनंद कुमार सिंह, जे. राम सहित विभागीय अधिकारी एवं मदद फाउंडेशन की टीम उपस्थित रही।

संक्षिप्त समाचार

म्यूजिक टीचर को नान-टीचिंग स्टाफ मानते है निजी स्कूल

लखनऊ। राजधानी के प्रतिष्ठित विद्यालयों में शिक्षकों के शोषण के लिये निजी विद्यालय प्रबन्धन द्वारा नये-नये हथकंडे अपनाये जा रहे है। पी.जी.टी शिक्षक का निर्धारित वेतनमान न देना पड़े इस लिये संगीत अध्यापक को नान-टीचिंग स्टाफ बनाकर शिक्षक को नियुक्त करते है। ये खेला सीबीएसई बोर्ड के विद्यालयों में खुलेआम चल रहा है। जिसमें राजधानी के प्रतिष्ठित व नामचीन विद्यालय शामिल है। इसमें शिक्षक का शोषण होता है। शिक्षा विभाग जो बाकी मामलों में सक्रिय रहता है परंतु हस तरह की घटनाओं पर निष्क्रिय रहता है। कक्षा दस के बाद बच्चें अपना टोटल परसेंट बढ़ाने के लिय संगीत विषय को लेते है। संगीत में प्रैक्टिल के सत्तर तथा थ्योरी के तीस अंक होते है। निजी विद्याालयों में प्रैक्टिल के पूरे अंक मिल हीजाते है संगीत में सौ में सौ मिलना काफी आसान होता है। जिससे टोटल परसेंट काफी अच्छा हो जाता है। वही एक म्यूजिक शिक्षक की न्यूनतम योग्यता संगीत में विशारद् होती है तभी उसे सीनियर कक्षाओं में पढ़ाने के योग्य माना जाता है। संगीत पढ़ाने के लिये कोई पीरियड निर्धारित नहीं होता है। शिक्षक को जीरो पीरियड में पढ़ाना होता है। ताजा मामला राजधानी के प्रतिष्ठित लखनऊ पब्लिक कालेज का है जहां के विशारद् शिक्षक को इण्टर के विद्याार्थियों को निर्धारित पीरियड में नहीं बल्कि जीरो पीरियड में संगीत की शिक्षा दिलवायी जा रही है। साथ ही नान-टीचिंग स्टाफ का वेतनमान दिया जा रहा है। शिक्षक मजबूरी में अपना शोषण करवाने को मजबूर है। शिक्षा विभाग के अधिकारी और शिखा मंत्री आरटीई के प्रवेश के लिये निजी विद्यालयों पर निरन्तर दबाब बनाये रखते है परंतु विद्यालयों में पढ़ाने वाले शिक्षक कैसे है क्या योग्यता है क्या वेतन मिल रहा है आदि की कोई जानकारी उनकों नहीं है। प्रतिवर्ष यू-डायस पोर्टल पर स्कूल, शिक्षकों, बच्चों व स्टाफ की सूचनायें मांग कर और उसे ही सही मानकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर लेते है। संगीत विषय तो एक उदाहरण है। विभाग इमानदारी से देखें तो गली-गली में खुली स्कूली दुकानों में दस से बारह हजार में शिक्षक इण्टर के बच्चों को पढ़ा रहा है।

भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय कोषाध्यक्ष युगल किशोर का निधन

लखनऊ। भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय कोषाध्यक्ष युगल किशोर का मंगलवार प्रातः 11 बजे राम मनोहर लोहिया अस्पताल, लखनऊ में देहावसान हो गया। वह विगत माह से हृदय रोग के लिए उपचाराधीन थे। उनका अंतिम संस्कार कल 14 जनवरी को प्रातः 9 बजे उनके निज ग्राम भागलपुर, देवरिया उत्तर प्रदेश में सरयू घाट पर होगा। राज सिंह चौहान प्रदेश महामंत्री उत्तर प्रदेश, भारतीय किसान संघ, शिवकांत दीक्षित संगठन मंत्री, उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड समेत विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने दुःख व्यक्त किया है और परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना की है कि पुण्यात्मा को सद्गति एवं शोकाकुल परिवार को इस कष्ट सहने की शक्ति प्रदान करें।

ट्रेन की चपेट में आने से पार्लर संचालिका की मौत

लखनऊ। राजधानी के दुबग्गा थाना क्षेत्र में बीते सोमवार रात को ट्रेन की चपेट में आने से ब्यूटी पार्लर संचालिका की मौत हो गई। वह पार्लर बंद करके घर जा रही थी। भमरौली क्रॉसिंग के पास ट्रेन की चपेट में आ गई। मौके पर मौजूद लोगों ने इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मूल रूप से हलियापुर, अमेठी निवासी पूजा दुबे (30) पत्नी प्रदीप दुबे लखनऊ में शाहपुर भमरौली दुबग्गा में पति और 5 साल के बेटे प्रबल के साथ रहती थी। घर से 200 मीटर दूर किराए की दुकान लेकर पूजा ब्यूटी पार्लर और कॉस्मेटिक की दुकान चलती थी। सोमवार रात करीब 9 बजे दुकान बंद करके वापस लौट रही थी। तभी भमरौली क्रॉसिंग बंद होने की वजह से नीचे से निकाल कर पार करने लगीं। इस दौरान ट्रेन की चपेट में आ गईं। जिससे सिर में गंभीर चोटें आई। घटना के बाद आसपास भीड़ जमा हो गई। वहां मौजूद लोगों ने पति प्रदीप और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया है। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। परिजन शव लेकर अपने पैतृक आवास चले गए। मामले में पुलिस का कहना है ट्रेन की चपेट में आने के बाद महिला का मोबाइल झाड़ियों में चला गया। जहां उसकी बहन का कॉल आ रहा था।

सौर ऊर्ज़ा से हाई क्वॉलिटी चारा बनाकर आत्मनिर्भर बनी झांसी की प्रवेश कुमारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। बुंदेलखंड की धरती अब न केवल शौर्य के लिए, बल्कि महिला उद्यमिता के रूप में भी पहचानी जा रही है। झांसी की प्रवेश कुमारी ने चारा बनाने की यूनिट के जरिये वह मुकाम हासिल किया है, जो आज प्रदेश की लाखों महिलाओं के लिए उदाहरण है। इस उद्यम की सबसे बड़ी विशेषता इसका ईको-फ्रेंडली होना है। योगी सरकार और डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स के सहयोग से स्थापित यह यूनिट पूरी तरह 18 द्यड सौर ऊर्जा प्रणाली पर संचालित होती है। इससे बिजली का खर्च शून्य के बराबर है, जिससे चारे की उत्पादन लागत कम आती है। सस्ता और पोषक चारा मिलने से स्थानीय डेयरी किसानों के पशुओं का स्वास्थ्य सुधरा है और दूध उत्पादन क्षमता में भी इजाफा हुआ है। प्रवेश कुमारी आज करीब 25,000 रुपये प्रति माह कमा रही हैं। उनके इस स्टार्टअप ने गांव की सामाजिक संरचना को भी बदला है। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार भी बढ़ा है। गांव की अन्य महिलाओं को स्थायी आय और आर्थिक स्वतंत्रता मिली रही है। जिससे वे भी अपने परिवार की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। यहां आधुनिक मशीनरी और मानकीकृत तकनीकों से पौष्टिक चारा तैयार किया जाता है। साथ ही स्थानीय बाजार की मांग के अनुरूप आपूर्ति सुनिश्चित की जाती है। प्रवेश केवल उद्यमी नहीं, बल्कि एक कुशल मैनेजर भी हैं। वे कच्चे माल की खरीद से लेकर वित्तीय खातों, उत्पादन योजना और गुणवत्ता नियंत्रण तक की जिम्मेदारी खुद संभालती हैं। उनकी इस सक्रिय शैली और वित्तीय अनुशासन के कारण उनके 'गोमाता कैटल फीड' को पुरस्कृत और सम्मानित किया जा चुका है।

प्रयागराज के संगम तट पर बसाई गई आधुनिक टेंट कॉलोनी श्रद्धालुओं को मिलेगा आध्यात्मिक पर्यटन का नया अनुभव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- मुख्यमंत्री योगी की परिकल्पना के अनुसार तैयार की गई हैं टेंट सिटी: जयवीर सिंह

लखनऊ। मकर संक्रांति सहित अन्य प्रमुख स्नान पर्व पर आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए संगम तट पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त टेंट सिटी बसाई गई है। संगम की पुण्य धारा में डुबकी लगाने देश-दुनिया से श्रद्धालुओं का निरंतर आगमन हो रहा है। इसी क्रम में आगंतुकों को सुरक्षित और यादगार अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) ने संगम तट की रेत पर आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित टेंट कॉलोनी बसाई है, जो कल्पवासियों और पर्यटकों के लिए आस्था के साथ-साथ आकर्षण का नया केंद्र बनकर उभरी है।

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रयागराज के अरैल सेक्टर-7 में त्रिवेणी पुष्प से पहले विकसित टेंट कॉलोनी में कुल 50 अत्याधुनिक कॉटेज बनाए गए हैं, जिनकी ऑनलाइन बुकिंग यूपीएसटीडीसी की वेबसाइट के माध्यम से की जा सकती है। टेंट कॉलोनी को तीन श्रेणियों में बांटा गया है, जिसमें 15 हजार रुपये किराए वाला प्रीमियम, 11 हजार 500 रुपये का लग्जरी और 7 हजार 500 रुपये का डीलक्स कॉटेज शामिल है। यहां कुल 12 प्रीमियम, 8 लग्जरी और 30 डीलक्स टेंट बने हैं, जिनमें ठहरने वाले श्रद्धालुओं के लिए उसी शुल्क में सात्विक भोजन की समुचित व्यवस्था की गई है। टेंट कॉलोनी परिसर में यज्ञशालाएं बनाई गई हैं, जहां लगातार भजन-कीर्तन हो रहा है। सांस्कृतिक रंग देने के लिए कलाग्राम भी विकसित किया गया है, जहां स्थानीय शिल्प और लोककला को बढ़ावा दिया जा

रहा है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि माघ मेले में रोजगार और नवाचार को विशेष बढ़ावा मिला है, जहां संगम टेंट कॉलोनी में एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) प्रदर्शनी के जरिए प्रयागराज की पारंपरिक मूंज कला के भी स्टॉल लगे हैं। यहां के कारीगरों को रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। माघ मेला 2026 न केवल आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को मजबूत कर रहा है, बल्कि उद्यमियों और हस्तशिल्पियों के लिए व्यापार का बड़ा मंच भी बन गया है, जहां देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु मूंज से बने डलिया, पेन स्टैंड, रोटी रखने के बर्तन, गमले और सजावटी सामान जैसे उत्पाद पसंद कर रहे हैं। नैनी क्षेत्र के महेवा इलाके की यह पारंपरिक कला, जिसे चांद जैसी कारीगर वर्षों से आगे बढ़ा रही हैं, अब आधुनिक रूप में सामने आकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना पा रही है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप माघ मेला केवल आस्था का आयोजन नहीं, बल्कि पर्यटन, रोजगार और स्थानीय कला को बढ़ावा देने का एक सशक्त माध्यम बन रहा है। यूपीएसटीडीसी द्वारा विकसित संगम टेंट कॉलोनी इसका बेहतरीन उदाहरण है, जहां श्रद्धालुओं को आधुनिक सुविधाओं के साथ भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव मिल रहा है। उन्होंने कहा कि एक जिला एक उत्पाद के तहत मूंज कला जैसे पारंपरिक शिल्प को मंच देकर स्थानीय कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं।

कलर्स के 'महादेव एंड संस' का पारिवारिक माहौल लखनऊ लेकर आए शक्ति आनंद, स्नेहा वाघ और मानसी साल्वी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। नवाबों के शहर लखनऊ में शक्ति आनंद, स्नेहा वाघ और मानसी साल्वी का प्रोड्यूसर सौरभ तिवारी के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया गया। वे कलर्स के नए फैमिली ड्रामा 'महादेव एंड संस' के प्रमोशन के लिए लखनऊ आए थे, जिसकी कहानी उत्तर प्रदेश के हरदोई पर आधारित है। 'कुछ रिश्ते मिसाल बन जाते हैं... और कुछ मिसालों का बोझ बनकर रह जाते हैं'। प्रीमियर के बाद से ही दर्शकों का दिल जीत रही यह कहानी महादेव (शक्ति आनंद) के असाधारण उदय की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जो एक अनाथ था और बाजपेयी परिवार में नौकर के रूप में आया। इसके बाद वह संघर्ष के दम पर शहर के सबसे सम्मानित और अमीर आदमियों में से एक बन गया। अपने मालिक की बेटी विद्या (स्नेहा वाघ) के लिए उसके प्यार ने उससे सब कुछ छीन लिया - उसका घर, उसका नाम और उसकी विरासत। बेदखल और अपमानित होने के बाद इस जोड़े ने अनुशासन और परंपरा के साथ, कड़वाहट के बजाय गरिमा को चुनते हुए ईंट-ईंट जोड़कर अपनी जिंदगी फिर से खड़ी की। जो सफर बलिदान से शुरू हुआ, वह धीरे-धीरे एक घनिष्ठ, खुशहाल परिवार में बदल जाता है, जहाँ दिन एक साथ भोजन, मंदिर दर्शन, समारोहों और अनकही रस्मों के साथ शुरू और खत्म होते हैं, जो उन्हें एक साथ बांधते हैं। महादेव सिर्फ परिवार का मुखिया नहीं है, बल्कि एक प्यार करने वाला पति और परिवार के हर घटनाक्रम में सहभागी होने वाला गौरवान्वित पिता (तीन बेटों और दो बेटियों का) भी है, जो मानता है कि परिवार को एक साथ काम करना चाहिए, पूजा करनी चाहिए और जश्न मनाना चाहिए। महादेव एंड संस के सामने रहने वाली विद्या की बड़ी बहन भानु (मानसी साल्वी) विरोध में खड़ी है। उसकी अनसुलझी नाराजगी इस दिखने में परफ़ेक्ट दुनिया पर काले साये सा असर डालती है। अपनी प्रेम कहानी की कीमत से टूट चुके और इतिहास दोहराने के डर से महादेव अपने बच्चों के लिए एक लक्ष्मण रेखा खींचता हैरू इसमें प्रमुख यह है कि उनके लिए प्रेम विवाह वर्जित हैं। उसके नियम परिवार को एक साथ रखते हैं, लेकिन एक कीमत परय उसके बच्चे उसकी बात मानते हैं, फिर भी चुपचाप पसंद, आवाज और बिना डर के प्यार के लिए तरसते हैं। क्या वह प्यार जिसके लिए महादेव ने कभी समाज से लड़ाई लड़ी थी, वही ताकत बन जाएगी जो उसके परिवार की एकता की परीक्षा लेगी?'महादेव एंड संस' बनाने वाले प्रोड्यूसर सौरभ तिवारी की परिन मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड जिसका कलर्स के साथ लंबा रिश्ता रहा है लंबे समय से जुड़ाव रहा है। उनका कहना है, कलर्स पर महादेव एंड संस के साथ नए साल की शुरुआत करना हमारे लिए सम्मान की बात है। मेरे लिए, यह सिर्फ एक शो नहीं है - यह मेरी जिंदगी का एक हिस्सा है। मेरा जन्म और पालन-पोषण उत्तर प्रदेश में हुआ और मैंने हरदोई और लखनऊ के आस-पास काफी समय बिताया है। कहानी उन लोगों से प्रेरित है जिन्हें मैंने बड़े होते हुए देखा, उन भावनाओं से जिन्हें मैंने महसूस किया, और उन रिश्तों से जिन्होंने परिवार के बारे में मेरी समझ को आकार दिया। उत्तर प्रदेश की प्यार, वफादारी, प्राइड और टकराव की अपनी एक अलग भाषा है, और मैं उस दुनिया को उसकी असलियत खोए बिना एक नेशनल प्लेटफॉर्म पर लाना चाहता था। शो को वापस यूपी में लाना ऐसा लगता है जैसे कहानी को उसके सही घर - उस मिट्टी में लौटाना जहाँ इसकी नींव रखी गई थी। इस जमीन में अपनेपन का गहरा एहसास है जिसे मैं पूरी जिंदगी अपने साथ लेकर चला हूँ। यह शो परिवारों के लिए है कि वे एक साथ बैठें। इन किरदारों में खुद को देखें। अपनी यात्रा में इसका प्रतिबिंब और सुकून दोनों पाएं।ङ्क मुखिया महादेव का किरदार निभा रहे शक्ति आनंद कहते हैं, ह्ललोगों ने महादेव एंड संस के लिए जिस तरह का प्यार दिखाया है, वह दिल को छूने वाला है। मैं इसके लिए उनका आभारी हूँ।

शाइनिंग स्टार्स ने मनाया अपना पन्द्रहवां स्थापना दिवस

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय स्तर पर मानव संसाधन उपलब्ध कराने तथा फ्रशर युवाओं व अनुभवी लोगों को रोजगर के अवसर उपलब्ध वाली प्रसिद्ध शाइनिंग स्टार्स कंपनी ने अपना पन्द्रहवा स्थापना दिवस काफी धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम जिद्दी थीम पर मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विधायक बिल्हौर-कानपुर राहुल बच्चा सोनकर उपस्थित थे। साथ ही विशिष्ठ अतिथ के रूप में उत्तर प्रदेश सुन्नी वक्फ बोर्ड की सदस्य सबीहा अहमद, मुख्य मंत्री के मीडिया सलाहकार डा0 रहीस अहमद भी उपस्थित थे। शाइनिंग स्टार्स के वाईस प्रेजिडेंट देव चिन्मय ने बताया कि कोरोना काल में कंपनी ने बेरोजगारों के लिए उत्कृष्ट कार्य किया था। तथा उस दौर में आठ हतार से अधिक लोगों को राजगाा उपलब्ध कराया था। अपने पद्रहवें स्थापना दिवस तक शाइनिंग स्टार एक लाख से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करा चुकी है। ज्ञात हो कि शाइनिंग स्टार्स देश के विभिन्न कॉर्पोरेट कंपनियों को मानव संसाधन की सेवा प्रदान करती है। कंपनी द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर यह सेवा नौकरी ढूंढ रहे युवक-युवतियों को निःशुल्क प्रदान की जाती है। इस अवसर पर विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने कहा कि रोजगार सृजन व रोजगर उपलब्ध कराने की दिशा में शाइनिंग स्टार की भूमिका काफी सराहनीय है। उन्होने उ0प्र0 के मुख्यमंत्री के कौशल विकास व युवाओं को रोजगार प्रदान करने संबधी विभिन्न पहलुओं पर चर्चा भी की। सभीहा अहमद ने कहा कि शाइनिंग स्टार में अस्सी प्रतिशत कर्मचारी मातृ शक्ति है जो महिला सशक्तीकरण का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ इस अवसर पर उत्कृष्ट सेवा एवं प्रदर्शन के लिए टॉप परफार्मर को सम्मानित किया गया। जिसमें वंशिका जायसवाल को बेस्ट परफॉमसर ऑफ द ईयर, होमा फ़ैजारी को बेस्ट टीम लीडर, श्रद्धा देशपाण्डे को बेस्ट मैनेजर के पुरस्कार से मुख्य अतिथि ने सम्मानित किया।

ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स का भरोसेमंद ठिकाना बनता जा रहा है उत्तर प्रदेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- प्रदेश में 1000 से अधिक जीसीसी स्थापित करने, पांच लाख से अधिक युवाओं को रोजगार दिलाने का लक्ष्य
- योगी सरकार की नीतिगत स्पष्टता से उत्तर प्रदेश पर बढ़ा वैश्विक कंपनियों का भरोसा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश तेजी से विकसित होती अवसंरचना के कारण वैश्विक कंपनियों को दीर्घकालिक निवेश के लिए अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। यह प्रदेश ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) निवेश की दृष्टि से एक उभरता हुआ गंतव्य बन गया है। पिछले नौ वर्षों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश नॉलेज और सर्विस आधारित अर्थव्यवस्था की ओर भी मजबूती से अपने कदम बढ़ा रहा है। उद्योग जगत के विशेषज्ञों का कहना है की आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश वैश्विक कंपनियों का एक बहुत बड़ा केंद्र बनेगा। प्रदेश में 1000 से अधिक जीसीसी स्थापित करने का लक्ष्य है, जिसके माध्यम से प्रदेश के पांच लाख से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। उत्तर प्रदेश जीसीसी नीति 2024 के माध्यम से योगी सरकार ने जिस नीतिगत स्पष्टता और दीर्घकालिक दृष्टिकोण को अपनाया है उससे वैश्विक कंपनियों की सबसे बड़ी चिंता दूर हो गई है। इनमें नियमों की अनिश्चितता और प्रक्रियाओं में देरी सबसे प्रमुख थी। इसी चुनौती को ध्यान

में रखते हुए प्रदेश सरकार ने स्पष्ट ढांचा तैयार किया है, जिससे निवेशकों को शुरुआत से ही नियम शर्तें और दायित्व समझ में आ सकें। इससे भरोसे का वातावरण बना है, निर्णय लेने की गति तेज हुई है। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में इस समय लगभग 90 जीसीसी हैं। भूमि आधारित प्रोत्साहन, निवेश की शुरुआती लागत को घटाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। प्रदेश सरकार की सोच है कि जब निवेशक को शुरुआती चरण में संरचनात्मक सहयोग मिलेगा तो वह लंबे समय तक प्रदेश से जुड़ा रहेगा। यही कारण है कि अस्थायी ऑफिस या किराए की व्यवस्था के स्थान पर स्थायी औद्योगिक ढांचे को प्राथमिकता दी जा रही है। यह मॉडल प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य को मजबूत और स्थिर बनाने की दिशा में अहम माना जा रहा है। प्रदेश सरकार का जोर केवल निवेश आकर्षित करने तक सीमित नहीं है, इसके समयबद्ध क्रियान्वयन पर भी है। इसके लिए जवाबदेही तय की गई है, जिससे परियोजनाएं तय समय में पूरी हो सकें। निवेशकों की नजर में उत्तर प्रदेश अब परिणाम देने वाला राज्य है जहाँ पर निवेश करना फायदेमंद है। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स के जरिये प्रदेश में हाई वैल्यू रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। सूचना प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, डेटा और प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में स्थानीय युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव प्राप्त होने का रास्ता मिल रहा है। इससे न केवल प्रदेश की मानव संसाधन क्षमता सुदृढ़ होगी बल्कि प्रतिभा पलायन की प्रवृत्ति पर भी प्रभावी रूप से नियंत्रण संभव होगा। विशेष रूप से कम विकसित क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहित कर सरकार क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करने की दिशा में भी आगे बढ़ रही है। जब वैश्विक कंपनियां इन क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज करेंगी तो स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी।

लखनऊ मेट्रो की अपील : मेट्रो कॉरिडोर के पास न उड़ाएं पतंग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। यात्री सुरक्षा और मेट्रो सेवाओं के निर्बाध संचालन को ध्यान में रखते हुए लखनऊ मेट्रो ने मकर संक्रांति पर्व पर होने वाली पतंगबाजी को लेकर शुभकामनाएं देते हुए आमजन से मंगलवार को एक अपील की है। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड के जनसंपर्क विभाग की ओर से मंगलवार को जारी पत्र में कहा गया है कि वे मेट्रो कॉरिडोर के आसपास पतंग उड़ाने से परहेज करें। पूर्व में पतंगबाजी से मेट्रो परिचालन प्रभावित हुआ है, जिससे यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा था।

उल्लेखनीय है कि चीनी मांझा अथवा धातुयुक्त धागा विद्युत का सुचालक होता है। इसके उपयोग से शॉर्ट सर्किट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिससे जान-माल की हानि की आशंका के साथ-साथ मेट्रो की ओवरहेड इलेक्ट्रिफिकेशन (ओएचई) प्रणाली को भी गंभीर क्षति पहुंच सकती है। धातुयुक्त धागा ओएचई में फंसने पर ट्रिपिंग की स्थिति बनती है, जिसके परिणामस्वरूप मेट्रो सेवाएं बाधित हो सकती हैं। ऐसी घटनाओं में पतंग उड़ाने वाले व्यक्तियों के घायल होने के मामले भी सामने आए हैं। प्रचलित नियमों के अंतर्गत मेट्रो संपत्ति को क्षति पहुंचाने पर मेट्रो रेलवे अधिनियम, 2002 की धारा 78 के तहत बिना वारंट के 10 वर्ष तक के कारावास का प्रावधान है। इसी को ध्यान में रखते हुए लखनऊ मेट्रो नागरिकों से अपील करता है कि वे चीनी मांझा अथवा तांबे के तार का प्रयोग न करें और मेट्रो कॉरिडोर के निकट पतंग उड़ाने से बचते हुए सुरक्षित एवं निर्बाध मेट्रो संचालन में सहयोग प्रदान करें।

आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों एवं महिलाओं को वितरित पोषाहार वितरण में अनियमिता पाये जाने पर होगी कठोर कार्यवाही: जिलाधिकारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। स्वामी विवेकानन्द सभागार में आहूत जिला स्तरीय पोषण समिति की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में आहूत की गयी। बैठक में अति कुपोषित बच्चों को एनआरसी पर भर्ती कराने में शिथिलता बरतने एवं निर्धारित लक्ष्य न पूरा करने पर नारजगी व्यक्त की तथा समस्त सीडीपीओ को निर्देश दिये कि चिन्हित अति कुपोषित बच्चों को एनआरसी पर अवश्य भर्ती करायेंए ब्लाक सुरसा एवं कछौना की सीडीपीओ द्वारा चार.चार अति कुपोषित बच्चों को एनआरसी पर भर्ती कराये जाने की डीएम ने प्रशंसा की तथा सभी को निर्देश दिये कि प्रतिमाह गांव में पैदा होने वाले नवजात शिशुओं का आंगनबाड़ी कार्यकर्ती के माध्यम से करायें।

निर्माणाधीन एवं बन्द आंगनबाड़ी केन्द्रों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिये जिन आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण में निर्माण सामग्री का प्रयोग मानक एवं गुणवत्ता अनुसार किया जाये तथा बन्द निर्माण कार्यो के सम्बन्ध में बीडीओ से सम्पर्क कर कार्य प्रारम्भ कराये। पोषाहार वितरण की धीमी प्रगति पर डीएम ने नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिये कि पोषाहार निर्धारित समय पर आंगनबाड़ी केन्द्रों पंजीकृत बच्चों एवं महिलाओं को वितरित करायें और पोषाहार वितरण में अनियमिता पाये जाने पर सीडीपीओ, सुपरवाईजर, मुख्य सहायिका औरा आंगबाड़ी कार्यकर्ती पर कार्यवाही की जायेगी। नवजात बालिकाओं को प्रधानमंत्री मातृत्व वन्दना योजना के तहत लाभान्वित करायें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा, एनआरसी के प्रभारी एवं चिकित्सक, सभी सीडीपीओ व सुपर वाइजर आदि उपस्थित रहे।

मुख्य आरोपी को जब तक जेल नहीं तब तक जारी रहेगी हड़ताल, वकीलों ने किया प्रदर्शन उग्र

■ जेसीबी के पहुंचते ही किया आत्मसमर्पण

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। चर्चित रंजना होटल विवाद

अधिवक्ताओं से बात करते सीओ सिटी फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

ने सोमवार को नया मोड़ ले लिया, जब इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में होटल मालिक अनुराग शुक्ला की एफआईआर निरस्त कराने की याचिका पर सुनवाई टाल दी। कोर्ट द्वारा अगली तारीख दिए जाने से शुक्ला की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इसी बीच आज हरदोई में वकीलों का आक्रोश सड़कों पर दिखाई दिया, जहां 5 जनवरी से जारी हड़ताल के बीच बार एसोसिएशन की आम सभा में माहौल बेहद गर्म हो गया। आम सभा में पूर्व महामंत्री अरविंद सिंह करौंदी के जोशीले संबोधन ने अधिवक्ताओं में नई ऊर्जा भर दी। उन्होंने सुभाष चंद्र बोस के प्रसिद्ध नारे का हवाला देते हुए अनुराग शुक्ला की गिरफ्तारी की मांग को संघर्ष का केंद्र बताया। अध्यक्ष रामेंद्र सिंह तोमर ने स्पष्ट किया कि जब तक मुख्य आरोपी को जेल नहीं भेजा जाता, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। आक्रोशित अधिवक्ता नारेबाज़ी करते हुए एसपी कार्यालय की ओर कूच कर गए, जिससे प्रशासन में हलचल मच गई। सीओ और एसएचओ ने बीच रास्ते में वकीलों को रोककर वार्ता की और आश्वासन दिया कि चार घंटे के भीतर अनुराग शुक्ला की गिरफ्तारी होगी तथा दो घंटे में रंजना होटल के अवैध अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। महामंत्री अनिल मिश्रा बहोरवा ने कहा कि तय समय सीमा में कार्रवाई न होने पर अगली रणनीति तय की जाएगी। अभी कुछ देर पहले खबर मिली है की नगर पालिका की जै०सी०बी० लेकर पुलिस वाले पहुंचे रंजना होटल गिरने के लिए वैसे ही मुलजिमान ने आत्म समर्पण कर दिया नगर पालिका की टीम और तहसील से लेखपाल और कानूनगो गए थे।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर सफल प्रतिभागियों का सम्मान समारोह आयोजित

अतिथियों से पुरस्कार प्राप्त करते प्रतिभागी फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

पुरस्कार पाकर खिल उठे प्रतिभागियों के चेहरे फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अवध क्षेत्र की बालामऊ नगर इकाई द्वारा आयोजित हो रही प्रतियोगिताओं में सफल प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया! कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रतिण् ब्लॉक प्रमुख संचित अग्रवाल व अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन व मां सरस्वती तथा स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुआ! आयोजक मंडल द्वारा आए हुए अतिथियों का स्वागत किया गया!

राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित युवा संगम कार्यक्रम के तहत यू०जे० इंटरनेशनल स्कूल में मंगलवार को आयोजित हो रहे विभिन्न शैक्षिक सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों के सम्मान में भव्य समारोह का आयोजन किया गया! समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि संचित अग्रवाल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी के जीवन आदर्शो से हमें सीख लेनी चाहिए व उनकी शिक्षाओं को आत्मसात करना चाहिए! प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों व युवाओं में छिपी प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने का सशक्त माध्यम है, ऐसे आयोजनों से न केवल प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ता है बल्कि समाज में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना भी विकसित होती है! उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए निरंतर परिश्रम करने का संदेश दिया! कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया! सम्मान पाकर प्रतिभागियों व अभिभावकों के चेहरे खिल उठे! कार्यक्रम में उपस्थित सभी ने आयोजकों के प्रयास की सराहना की! आयोजक मंडल ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रमों का उद्देश्य प्रतिभाशाली बच्चों एवं युवाओं को प्रोत्साहित करना है ताकि वह आगे बढ़कर क्षेत्र का नाम रोशन कर सके! इसके साथ ही आए हुए सभी अतिथियों का आभार भी प्रकट किया! इस अवसर पर मुख्य रूप से यू०जे० इंटरनेशनल स्कूल के संस्थापक जगदीश गुप्ता कार्यक्रम अध्यक्ष अचल अग्रवाल, शिवम गुप्ता, आशुतोष श्रीवास्तव, योगेश सिंह, अर्पिता राठौर, विवेक राठौर, सत्य प्रकाश मिश्रा, अनूप दीक्षित, मृगेंद्र सिंह, शिवम सिंह, शिवम मिश्रा, बबलू सिंह, मदन मिश्रा, राजू यादव, प्रशांत मिश्रा, सलिल दीक्षित, मनोज गुप्ता, प्रतीक गुप्ता सहित कई अभिभावक, शिक्षक व अन्य गणमान्य जनों ने उपस्थित होकर छात्रों का उत्साहवर्धन किया!

गाँव के लाल ने लेफ्टिनेंट बनकर बढ़ाया क्षेत्र का मान

कछौना (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। विकास खण्ड के कामीपुर गांव निवासी 23 वर्षीय आशुतोष सिंह ने भारतीय नौसेना में लेफ्टिनेंट पद पर चयनित होकर अपने परिवार सहित पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है! युवक की इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी और गौरव का माहौल है! चयन की सूचना मिलते ही शुभचिंतको, रिश्तेदारों व ग्रामीणों द्वारा बधाई का दौर चालू हो गया! लेफ्टिनेंट पद पर चयनित युवक शुरू से ही मेहनती, अनुशासित और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहा है! कठिन परिश्रम, लगन और आत्मविश्वास के बल पर उसने यह लक्ष्य हासिल किया है! चयनित युवक आशुतोष के पिता राजकुमार सिंह फार्मासिस्ट व माता विमलेश सिंह शिक्षामित्र हैं! युवक दो भाइयों में छोटा है! युवक की उपलब्धि को क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत बताया जा रहा है! लोगों का कहना है कि इस सफलता से अन्य युवाओं को भी देश सेवा के लिए आगे आने की प्रेरणा मिलेगी! परिजनों ने बताया कि लेफ्टिनेंट बनकर देश की सेवा करना उसका बचपन का सपना था जो आज साकार हुआ!

लेफ्टिनेंट आशुतोष सिंह '

मुख्य चौराहे पर लगी भीषण जाम, ट्रैफिक पुलिस नदारत

मल्लावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। नगर के मुख्य चौराहे पर अक्सर कर जाम की स्थिति बन जाती है और यह स्थिति इतनी भीषण हो जाती है घंटो लोगों का अपने गंतव्य पर पहुंचना मुश्किल हो जाता है। बीते महीनो में प्रशिक्षु सीओ हरे कृष्णा शर्मा ने कोतवाली मल्लावां का चार्ज संभाला था तब उन्होंने ट्रैफिक व्यवस्था पर बहुत अच्छा काम किया था मजाल है जो चौराहे पर कहीं जाम की स्थिति बन जाती। उनके जाते ही आए दिन मल्लावां मुख्य चौराहा जाम की स्थिति से जूझता रहता है। ई-रिक्शा प्राइवेट बसें रोडवेज बसें आटो तिरछे खड़े अन्य प्राइवेट वाहन मोटरसाइकिलों ने तथा दुकानदारों द्वारा अपने सामान को फुटपाथ के किनारे तक रख देना आदि जाम के कारण बने हुए हैं। पिछले दिनों ट्रैफिक दरोगा दीवान और सिपाहियों को लाइन भेजने के कारण और भी भयावह स्थिति हो गई थी। कुछ दिनों बाद ट्रैफिक दरोगा और सिपाहियों की नियुक्ति भी हुई लेकिन जाम के झाम से वह भी छुटकारा नहीं दिला पाए। खानापूर्ति के लिए मोटरसाइकिल चालकों का चालान कर दिया जाता है लेकिन प्राइवेट तौर पर ओवरलोड सवारियां ढोने वाले ई रिक्शा तथा अन्य प्राइवेट वाहन सवारियां ढोते समय वाहनों को सड़क पर ही आड़ा तिरछा खड़ा कर सवारियों को बैठने का काम करते हैं। कभी-कभी लोगों की जल्दबाजी के चलते अक्सर दुर्घटनाएं भी हो जाती हैं जिनमें लोगों को अपनी जान से भी हाथ धोना पड़ता है। पिछली कई घटनाओं में जरा सी लापरवाही में लोगों ने अपने परिजनों को दुर्घटना का शिकार होते हुए देखा है कुछ भाग्यशाली रहे बच गए और कुछ दुर्भाग्यशाली रहे जो ईश्वर को प्यारे हो गए। शासन स्तर पर भी और खासकर मुख्यमंत्री की वाहन दुर्घटनाओं को लेकर बड़ी चिंता देखी गई है और समय-समय पर उन्होंने प्रशासन को निर्देश भी जारी किए हैं बावजूद इसके ट्रैफिक की कमान संभाल रहे ट्रैफिक दरोगा व सिपाही अपने कर्तव्यों के प्रति संवेदनशील नजर नहीं आते हैं। उनकी लापरवाही के चलते मल्लावां मुख्य चौराहा अक्सर जाम की स्थिति से ग्रस्त होता रहता है। वही डग्गा मार वाहनों का लखनऊ मल्लावां आवागमन बराबर जारी है। 13 से 15 सवारियों को लेकर डग्गा मार चालकों की बल्ले बल्ले हो रही है।

इण्टर के छात्र ने फाँसी लगाई

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। टड़ियावां ब्लॉक अंतर्गत खेरिया गांव में इंटरमीडिएट के एक छात्र ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से छात्र के परिवार में कोहराम मच गया है और पूरे गाँव में शोक की लहर है। मृतक छात्र की पहचान खेरिया निवासी दिरयोद्धन के पुत्र ओमकार के रूप में हुई है। उसके बड़े भाई रवी ने बताया कि सोमवार को ओमकार सामान्य दिनों की तरह कोचिंग गया था। कोचिंग से लौटने के बाद वह शाम को दोस्तों के साथ क्रिकेट खेलने भी गया था। तब तक उसके व्यवहार में कोई असामान्य बात नहीं दिखी थी। परिजनों के अनुसार, रात में खाना खाने के बाद सभी सोने चले गए थे। इसी दौरान ओमकार ने घर के बरामदे में अपने मफ्लर का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। परिवार के सदस्यों ने जब उसे फंदे पर झूलता देखा, तो चीख-पुकार मच गई, लेकिन तब तक छात्र की मृत्यु हो चुकी थी। फांसी लगाने के ठोस कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कानूनी औपचारिकताएं पूरी कीं। पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

आग लगने से पिता-पुत्र झुलसे

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। रामपुर मजरा गोपार गांव में सोमवार रात एक मढैया में आग लगने से हड़कंप मच गया। इस घटना में मढैया में बंधी गाय और बछिया गंभीर रूप से झुलस गईं। उन्हें बचाने के प्रयास में पिता और पुत्र भी आग की चपेट में आकर घायल हो गए। यह घटना रात करीब 9 बजे की है। गांव निवासी हरिप्रकाश पुत्र हीरालाल की मढैया में उनकी गाय और बछिया बंधी हुई थीं। आरोप है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने मढैया के पास आग लगा दी, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। आग की लपटें उठती देख हरिप्रकाश और उनके पुत्र अदम अपनी जान की परवाह किए बिना पशुओं को बचाने के लिए मढैया की ओर दौड़े। आग बुझाने के प्रयास में दोनों पिता-पुत्र भी बुरी तरह झुलस गए। आग लगने की सूचना पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक गाय और बछिया काफी हद तक झुलस चुकी थीं। पीड़ित परिवार ने तुरंत श्112श् नंबर पर पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति का जायजा लिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि यह आगजनी की घटना किसी रंजिश या साजिश का परिणाम हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

नायब तहसीलदार से किसान नाराज़, एसडीएम को ज्ञापन दिया

एसडीएम से मिलने पहुंचे सुहागपुर झोथूपुर के ग्रामीण

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। रेत की जमीन पर फसल बोने वाले किसान तहसील प्रशासन की नाप कार्रवाई से नाराज होकर एसडीएम से मिले और नायब तहसीलदार की कार्यशैली पर नाराजगी जाहिर करते हुए फसल काटने का समय देने और नायब तहसीलदार को स्थानांतरित करने की मांग की। शाहाबाद ब्लॉक के ग्राम पंचायत झोथूपुर तथा सुहागपुर के ग्रामीण बड़ी संख्या में आशुतोष सिंह के नेतृत्व में तहसील मुख्यालय पहुंचे। ग्रामीणों का कहना था नदी के रेत पर तहसील प्रशासन की अनुमति से ही उन्होंने फसल बोई थी। अब गांव का एक रविंद्र नामक व्यक्ति शिकायत करके उस फसल को तहस-नहस करवा रहा है। नाप की आड़ में नायब तहसीलदार पर फसल चौपट करने का आरोप ग्रामीणों द्वारा लगाया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि नायब तहसीलदार विपक्षी से मिलकर ग्रामीणों को परेशान करना चाहते हैं इसीलिए बेवजह नाप की जा रही है। ग्रामीणों की मांग है कि नाप का कार्य फसल कट जाने के बाद किया जाए। क्योंकि किसानों ने पैसा लगाकर अपनी फसल तैयार की है अब उस फसल को चौपट करने का प्रयास किया जा रहा है। इस मौके पर रमेश चंद्र, रामवीर, सत्यवीर, अमित कुमार, राजेंद्र प्रसाद, लालाराम सहित दर्जनों की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

व्यापारी नेताओं ने बार एसोसिएशन के अध्यक्ष का स्वागत किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

बार एसोसिएशन के अध्यक्ष का स्वागत करते व्यापारी नेता फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। हरदोई बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष जेपी त्रिवेदी का शाहाबाद आगमन पर व्यापारी नेताओं ने भव्य स्वागत किया। इस मौके पर उन्होंने व्यापारियों को अपना सहयोग देने का पूर्ण आश्वासन दिया।

मंगलवार को शाम 4 बजे नवनिर्वाचित बार एसोसिएशन के हरदोई के अध्यक्ष जेपी त्रिवेदी, महामंत्री पंकज सिंह के साथ शाहबाद पहुंचे। बस स्टैंड पर व्यापारी नेता सुनील कुमार गुप्ता के नेतृत्व में उनका भव्य स्वागत किया गया। व्यापारी नेताओं ने उन्हें फूल मालाओं से लाद दिया। इस मौके पर उन्होंने व्यापारी नेताओं को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा किसी भी व्यापारी नेता के सुख-दुःख में वह हर समय खड़े रहेंगे। व्यापारियों को कोई भी परेशानी होगी तो वह उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर साथ देंगे। इस मौके पर महेंद्र राना, राजेंद्र मिश्रा,संदीप गुप्ता, विमलेश लोधी आदि मौजूद रहे।

क्षेत्र पंचायत समिति की बैठक संपन्न, स्वीकृत के लिए कार्य योजनाएं दी गई

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। ब्लॉक मुख्यालय पर मंगलवार को क्षेत्र पंचायत समिति की एक बैठक संपन्न हुई जिसकी अध्यक्षता क्षेत्र पंचायत प्रमुख त्रिपुरेश मिश्र ने की।

इस मौके पर वर्ष 2024-25 की स्वीकृति कार्य योजनाओं के बारे में जानकारी दी और 2026-27 की कार्य योजनाओं को समिति के सामने रखा गया। इस अवसर पर खण्ड विकास अधिकारी दिनेश चंद्र शर्मा ने बताया आगामी वर्ष के लिए कार्य योजनाएं तैयार की गई है। प्रत्येक ग्राम सभा में सड़क, पानी, बिजली, साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखा गया है। जिन क्षेत्र पंचायतों में कार्य अधूरे पड़े हैं उन सभी अधूरे कार्यों को अतिशीघ्र पूर्ण कर लिया जाएगा तथा 2026-27 के लिए कार्य योजनाओं को अमली जामा पहनाने का पूरा प्रयास किया जाएगा। इस मौके पर क्षेत्र पंचायत प्रमुख ने सभी का आभार व्यक्त किया। जिला पंचायत सदस्य लालाराम राजपूत, एडीओ पंचायत जितेंद्र तोमर सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र पंचायत सदस्य मौजूद रहे।

सण्डीला को जिला बनाने की उठी फिर मांग, पूर्व अध्यक्ष नपाप ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

सण्डीला (हरदोई)। सण्डीला जिला बनाओ संघर्ष मोर्चा ने नेमिषारण्य धाम को नया मंडल बनाए जाने के प्रस्ताव के साथ ही सण्डीला तहसील को अलग जिला घोषित करने की मांग को और तेज कर दिया है। इस संबंध में मोर्चा की ओर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक विस्तृत पत्र भेजकर जनहित में शीघ्र निर्णय लेने की अपील की गई है। मोर्चा का कहना है कि यह मांग केवल प्रशासनिक सुविधा तक सीमित नहीं हैए बल्कि इससे क्षेत्र के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

सण्डीला जिला बनाओ संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष शैलेश अग्निहोत्री ने पत्र में उल्लेख किया है कि शासन स्तर पर हरदोईए सीतापुर और लखीमपुर खीरी जनपदों को सम्मिलित कर नेमिषारण्य धाम को मंडल बनाए जाने का प्रस्ताव विचाराधीन है। इस प्रस्ताव का क्षेत्र की जनता स्वागत कर रही है। मोर्चा का तर्क है कि यदि नेमिषारण्य धाम को मंडल का दर्जा दिया जाता है, तो उसके अंतर्गत तीनों जनपदों के बीच स्थित सण्डीला तहसील को जिला घोषित किया जाना पूर्णत: न्यायसंगत और व्यवहारिक होगा। इससे वर्षों से चली आ रही सण्डीला को जिला बनाए जाने की मांग भी पूरी हो सकेगी। पत्र में यह भी रेखांकित किया गया है कि सण्डीला उत्तर प्रदेश की सबसे पुरानी तहसीलों में से एक है तथा यहां की नगर पालिका का इतिहास भी अत्यंत पुराना और गौरवशाली रहा है। भौगोलिक, ऐतिहासिक और प्रशासनिक दृष्टि से सण्डीला का महत्व हमेशा से रहा है। वर्तमान समय में यह क्षेत्र एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में उभर चुका है, जहां अनेक छोटी-बड़ी औद्योगिक इकाइयां संचालित हैं, जिससे हजारों लोगों को रोजगार प्राप्त हो रहा है। इसके बावजूद सण्डीला आज भी प्रशासनिक रूप से अपेक्षित महत्व नहीं पा सका है। संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष ने यह भी तर्क दिया कि हाईकोर्ट के दिशा.निर्देशों के अनुसार किसी भी तहसील से जिला मुख्यालय की दूरी 35 किलोमीटर से अधिक नहीं होनी चाहिए। जबकि हरदोई जिला मुख्यालय से सण्डीला की दूरी लगभग 54 किलोमीटर है और तहसील के अंतिम गांवों से यह दूरी 85 से 90 किलोमीटर तक पहुंच जाती है। अधिक दूरी के कारण आम नागरिकों को प्रशासनिक, न्यायिक एवं विकास संबंधी कार्यों के लिए गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। मोर्चा ने विश्वास जताया है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नेमिषारण्य धाम को मंडल बनाए जाने के साथ ही सण्डीला को जिला घोषित करने की घोषणा करेंगे। इससे क्षेत्र का समग्र विकास होगा, प्रशासनिक व्यवस्था सुदृढ़ होगी और आम जनता को शासन स्तर की सुविधाएं सरलता से उपलब्ध हो सकेंगी।

चेयरमैन मो0 रईस अंसारी ने वार्ड 24 में सीसी सड़क का किया उद्घाटन

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। संडीला नगर पालिका परिषद के चेयरमैन मो0 रईस अंसारी ने नगर के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए मंगलवार को मोहल्ला मलकाना वार्ड संख्या 24 में सीसी सड़क निर्माण कार्य का फीता काटकर उद्घाटन किया। यह सड़क मंगू अर्कवंशी के मकान से अब्दुल हमीद के घर तक बनाई जा रही है, जिससे मोहल्ले के लोगों को जलभराव से निजात मिलेगी और आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी। उद्घाटन समारोह के दौरान वार्डवासियों में खासा उत्साह देखने को मिला। स्थानीय नागरिकों ने चेयरमैन मो0 रईस अंसारी का माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया और नगर में कराए जा रहे विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चेयरमैन ने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड में समान रूप से विकास कार्य कराना उनकी प्राथमिकता है। अच्छी सड़कों से न केवल यातायात सुगम होता है बल्कि लोगों के जीवन स्तर में भी सुधार आता है। चेयरमैन मो0 रईस अंसारी ने मौके पर मौजूद ठेकेदार एवं संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सीसी सड़क का निर्माण कार्य मानक एवं गुणवत्ता के अनुरूप निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही कदापि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गुणवत्ता से समझौता करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता इरफान हमीद ताज मियाँ, जेई निर्माण गौरव शुक्ला, पूर्व सभासद गुलाम हुसैन, ठेकेदार बिलाल, अकील कुरैशी, अनूप यादव, साकिब मेहंदी, संजीव सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी मौजूद रहे। सभी ने सड़क निर्माण कार्य को क्षेत्र के लिए अत्यंत लाभकारी बताते हुए चेयरमैन का आभार जताया।

रंजना होटल विवाद में होटल मालिक गिरफ्तार, कोतवाली शहर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। चर्चित रंजना होटल विवाद से जुड़े मामले में कोतवाली शहर पुलिस ने मुख्य आरोपी अनुराग शुक्ला उर्फहिमांशु शुक्ला को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई मुकदमा संख्या 07/26, धारा 352, 351(3), 109(1) और 110/3(5) बीएनएस के तहत की गई है। यह मुकदमा रोहित सिंह, निवासी नयागांव मुबारकपुर, की तहरीर पर 4 जनवरी 2026 को दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि अनुराग शुक्ला और उनके साथियों ने गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी दी थी। कोतवाली शहर पुलिस के अनुसार अनुराग शुक्ला को चंदीपुरवा इलाके से गिरफ्तार किया गया है और उनके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही जारी है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए कार्रवाई तेज़ की गई और आरोपी को हिरासत में लिया गया। इससे पहले इसी मुकदमे में शामिल अन्य आरोपी उमाकांत, निवासी शेरामऊ दक्षिणी, जिला शाहजहांपुर, छोटू उर्फ रामकृपाल, निवासी रामपुर कोड़ा, पोस्ट चंदेली, थाना मझिला, और जतिन उर्फ शशांक त्रिवेदी, निवासी औलादगंज, कस्बा व थाना सांडीए को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा चुका है। पुलिस मामले की आगे की विवेचना कर रही है। ज्ञात हो कि हरदोई में 5 जनवरी से चल रही वकीलों की हड़ताल के बीच आज बार एसोसिएशन की आम सभा में माहौल उग्र रहा। अध्यक्ष रामेंद्र सिंह तोमर ने साफ कहा था कि गिरफ्तारी तक हड़ताल जारी रहेगी। सभा के उपरांत वकील एसपी कार्यालय की ओर बढ़े थे, जहां पुलिस ने चार घंटे में गिरफ्तारी और अतिक्रमण हटाने का आश्वासन दिया था।

मोदी के हाथ में त्रिशूल और डमरू

गले में भगवा गमछा, माथे पर त्रिपुंड और हाथों में भगवान शिव की तरह त्रिशूल और डमरू पकड़े हुए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नया अवतार सामने आया है। अलग-अलग विचारधारा और कार्यशैली के प्रधानमंत्री देश ने देखे हैं, लेकिन पहली बार एक ऐसे प्रधानमंत्री को देश देख रहा है, जिनकी वक्त-वक्त पर बदलती वेशभूषा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता की याद दिलाती है। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी कोई भी काम अकारण नहीं करते। इस बार हिंदुत्व का जयघोष करने वाली मुद्रा उन्होंने सोमनाथ में 8 से 11 जनवरी तक आयोजित श्सोमनाथ स्वाभिमान पर्वश के लिए धारण की। इस उत्सव को श्भव्यश बनाने में गुजरात की भाजपा सरकार ने कोई कसर नहीं छोड़ी क्योंकि इसके गहरे राजनैतिक निहितार्थ भी हैं।एक हजार साल पहले1026 में सोमनाथ मंदिर पर पहला हमला हुआ था। उसी याद में यह उत्सव मनाया जा रहा है। गौरतलब है कि भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों में सर्वप्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ का ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व है। मान्यता है कि इसका निर्माण स्वयं चन्द्रदेव ने किया था, जिसका उल्लेख ऋग्वेद में भी है। लोककथाओं के अनुसार यहीं श्रीकृष्ण ने देहत्याग किया था। यह ऐतिहासिक मंदिर अब भाजपा के लिए राजनैतिक महत्व का भी बन गया है।प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) के अनुसार, श्यह उत्सव विनाश को याद करते हुए नहीं बल्कि आस्था, सांस्कृतिक आत्मसम्मान और पुनर्जन्म की भावना के सम्मान के रूप में मनाया जा रहा है।श दरअसल प्राचीन सोमनाथ मंदिर में कई गांवों का चढ़ावा आता था, जिससे यहां सोने, चांदी, बड़ी संख्या में मोतियों और अनमोल रत्नों समेत बड़ी धनसंपदा सदियों से जमा थी और इस वजह से विदेशी हमलावर इसे लूटना चाहते थे। महमूद गजनी ने 1026 में जब भारत पर एक और आक्रमण किया तो उस समय गुजरात में चालुक्य वंश के राजा भीम प्रथम का शासन था, महमूद गजनी ने तभी सोमनाथ पर पहला आक्रमण किया था। इसके बाद कई और शासकों और आक्रांताओं ने सोमनाथ मंदिर पर हमले किए और इसकी धन संपदा को लूटा। मध्ययुग का वह दौर ऐसा ही था, जिसमें राज्य और शक्ति बढ़ाने के लिए शासक खुलेआम लूटपाट करते थे। अभी अमेरिका इसी तरह के काम कर रहा है, बस इसमें लोकतंत्र का आवरण ओढ़ लिया है और सीधे-सीधे गैर धार्मिक स्थल को निशाना नहीं बनाया जा रहा है।खैर, सोमनाथ पर कम से कम 16 बार आक्रमण और देश के दूसरे हिंदू धर्मस्थानों पर हुए आक्रमण के बावजूद देश से न हिंदू धर्म खत्म हुआ, न हिंदुओं के अस्तित्व पर कोई खतरा आया। लेकिन मोदीराज में आस्था के पुनर्जन्म के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च करके सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मनाया गया। सोमनाथ पर भाजपा पहले भी सफल दांव खेल चुकी है। दिसंबर 1989 के लोकसभा चुनावों में भाजपा ने पहली बार अपने चुनावी घोषणापत्र में राम मंदिर (अयोध्या) निर्माण के मुद्दे को शामिल किया था। तब उसकी लोकसभा सीटें बढ़ीं, फिर 1991 में लाल कृष्ण आडवाणी ने सोमनाथ से अयोध्या तक अपनी रथ यात्रा शुरू की, जिसके बाद भारत में वही धार्मिक विभेद की खाई गहरी होनी शुरु हुई, जो भाजपा की सत्ता के लिए जरूरी थी। 1992 में बाबरी मस्जिद तोड़ी गई। फिर 1996 में भाजपा को केंद्र की सत्ता में आने का मौका पहली बार मिला। और अब नरेन्द्र मोदी के आने के बाद तो 12 सालों से भाजपा के पास सत्ता है। ध्यान रहे कि आडवाणी की रथयात्रा में गुजरात में नरेन्द्र मोदी को बड़ी जिम्मेदारी दी गई थी, जिसे मोदी ने सफलतापूर्वक निभाया।सवाल भाजपा को सत्ता में लाने का था, तो नरेन्द्र मोदी ने पूरी तैयारी से अपनी जिम्मेदारी निभाई। लेकिन अभी प्रधानमंत्री के तौर पर तीसरा कार्यकाल संभालने के बाद मोदी लगातार अपने पद की गरिमा निभाने में नाकाम दिख रहे हैं। इंदौर में कई लोग दूषित पेयजल से मर गए, मोदी ने उफ तक नहीं की। दिल्ली से लेकर कई शहरों में हवा जानलेवा बनी हुई है। उन्नाव की पीड़िता इंसाफ के लिए लड़ती रही, मोदी चुपचाप देखते रहे।

अलग-अलग विचारधारा और कार्यशैली के प्रधानमंत्री देश ने देखे हैं, लेकिन पहली बार एक ऐसे प्रधानमंत्री को देश देख रहा है, जिनकी वक्त-वक्त पर बदलती वेशभूषा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता की याद दिलाती है। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी कोई भी काम अकारण नहीं करते। इस बार हिंदुत्व का जयघोष करने वाली मुद्रा उन्होंने सोमनाथ में 8 से 11 जनवरी तक आयोजित श्सोमनाथ स्वाभिमान पर्वश के लिए धारण की। इस उत्सव को श्भव्यश बनाने में गुजरात की भाजपा सरकार ने कोई कसर नहीं छोड़ी क्योंकि इसके गहरे राजनैतिक निहितार्थ भी हैं। एक हजार साल पहले 1026 में सोमनाथ मंदिर पर पहला हमला हुआ था। उसी याद में यह उत्सव मनाया जा रहा है।

शरिया या उम्मा की निष्ठा भारतीय संविधान से पहले

कैलाश चन्द्र

समाधान दंड की कठोरता में नहीं, बल्कि कानून के निर्णायक और निर्भीक प्रयोग में है। जिस नागरिक ने संविधान-विरोधी विचार को सार्वजनिक रूप से घोषित किया है, उसके लिए कानून पहले से मौजूद है- यूएपीए, राजद्रोह से संबंधित धाराएँ, 153ए और 295ए जैसी सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़ी धाराएँ तथा संगठित अपराधों पर राज्यस्तरीय कठोर कानून। समस्या यह है कि इन कानूनों का प्रयोग निरंतर, निष्पक्ष और त्वरित गति से नहीं होता। जब कानून लचीला हो जाता है, तब अपराधी समूहों को यह भ्रम हो जाता है कि वे अपनी कौमी एकता या धार्मिक पहचान की आड़ लेकर किसी भी अपराध को दबा या पलट सकते हैं। यही भ्रम भविष्य में अराजकता का मूल कारण बनता है। इसलिए राष्ट्रहित में पहला और अनिवार्य कदम यह होना चाहिए कि संविधान को अस्वीकार करने की सार्वजनिक घोषणा को गंभीर अपराध माना जाए। वस्तुतः यह अपराध उतना ही गंभीर है जितना कि किसी सशस्त्र विद्रोह की घोषणा, क्योंकि दोनों ही राष्ट्र की संप्रभुता पर सीधा प्रहार करते हैं। ऐसे व्यक्तियों को तुरंत कानून की गिरफ्त में लाया जाना चाहिए, और न्यायिक प्रक्रिया के अंतर्गत कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

भारत एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां संविधान की सर्वोच्चता और कुछ समूहों की विचारधारात्मक आक्रामकता के बीच संघर्ष अब स्पष्ट रूप में दिखने लगा है। यह समस्या किसी धर्म-विशेष के अनुयायियों की नहीं, एक तरह से देखें तो उन लोगों की है जो अपने धार्मिक या वैचारिक ग्रंथों को देश, समाज, राष्ट्र और संविधान से ऊपर रखने की घोषणा करते हैं। संविधान भारतीय नागरिकता का आधार है, और नागरिकता स्वयं तभी सार्थक होती है जब नागरिक राष्ट्रहित को सर्वोच्च मानता है। दुर्भाग्य यह है कि अब कुछ संगठित समूह खुले तौर पर घोषणा करने लगे हैं कि उनके लिए शरिया या उम्मा की निष्ठा भारतीय संविधान से पहले है। यह घोषणा सिर्फ धार्मिक भावना नहीं है, यह राष्ट्रीय ढांचे के विरुद्ध वैचारिक विद्रोह है। इस प्रकार की विचारधारा धीरे-धीरे अपराधों को वैधता देने का खतरनाक माध्यम बन जाती है। जब किसी कट्टर नेटवर्क के भीतर अपराधी मानसिकता को कौमी कर्तव्य कहकर समर्थन दिया जाता है, तब वह अपराध सामान्य आपराधिक हरकत नहीं रह जाता; वह संगठित सामाजिक हिंसा बन जाता है। भीड़ हिंसा, दंगे, पत्थरबाजी, आतंकवादियों के लिए खुला समर्थन, और कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाले आंदोलन इसी मानसिकता की उपज हैं। यदि यह वातावरण बढ़ता रहा तो अराजकता केवल सामाजिक नहीं, बल्कि राजनीतिक और भौगोलिक स्तर पर भी देश को कमजोर कर देगी। इतिहास इस बात का प्रमाण है कि किसी भी राष्ट्र में जब कानून से ऊपर किसी वैचारिक पहचान को बढ़ावा मिलता है, तो राष्ट्र अंततः विघटन के मार्ग पर चल पड़ता है। यहाँ पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि ऐसे नागरिकों के लिए समाधान क्या होना चाहिए? क्या देश से निष्कासन या फाँसी जैसे कठोर दंड की आवश्यकता है? या कोई ऐसा उपाय है जो राष्ट्र को भी सुरक्षित रखे और लोकतंत्र की मर्यादा भी बनाए रखे? यह समझना आवश्यक है कि भारत जैसे लोकतांत्रिक राष्ट्र में मृत्यु-दंड या नागरिकता-निष्कासन अंतिम औज़ार हैं। इन्हें केवल तभी उपयोग किया जा सकता है जब नागरिक ने स्वयं हिंसक राष्ट्र-विरोधी अपराध किया हो- जैसे आतंकवाद, राजद्रोह की सशस्त्र गतिविधि या बड़े पैमाने पर हिंसा का नेतृत्व। केवल विचारधारात्मक बयान के आधार पर इन दंडों का इस्तेमाल करना संविधान की दृष्टि से संभव नहीं है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि संवैधानिक व्यवस्था ऐसे घोषणाओं को सहन करने के लिए बाध्य है। समाधान दंड की कठोरता में नहीं, बल्कि कानून के निर्णायक और निर्भीक प्रयोग में है। जिस नागरिक ने संविधान-विरोधी विचार को सार्वजनिक रूप से घोषित किया है, उसके लिए कानून पहले से मौजूद है- यूएपीए, राजद्रोह से संबंधित धाराएँ, 153ए और 295ए जैसी सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़ी धाराएँ तथा संगठित अपराधों पर राज्यस्तरीय कठोर कानून। समस्या यह है कि इन कानूनों का प्रयोग निरंतर, निष्पक्ष और त्वरित गति से नहीं होता। जब कानून लचीला हो जाता है, तब अपराधी समूहों को यह भ्रम हो जाता है कि वे अपनी कौमी एकता या धार्मिक पहचान की आड़ लेकर किसी भी अपराध को दबा या पलट सकते हैं। यही भ्रम भविष्य में अराजकता का मूल कारण बनता है। इसलिए राष्ट्रहित में पहला और अनिवार्य कदम यह होना चाहिए कि संविधान को अस्वीकार करने की सार्वजनिक घोषणा को गंभीर अपराध माना जाए। वस्तुतः यह अपराध उतना ही गंभीर है जितना कि किसी सशस्त्र विद्रोह की घोषणा, क्योंकि दोनों ही राष्ट्र की संप्रभुता पर सीधा प्रहार करते हैं। ऐसे व्यक्तियों को तुरंत कानून की गिरफ्त में लाया जाना चाहिए, और न्यायिक प्रक्रिया के अंतर्गत कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। यदि उन्होंने हिंसा, दंगा, देश-विभाजन का उकसावा या आतंकवादी गतिविधियों का समर्थन किया है तो उनके लिए कठोरतम दंड पहले से ही उपलब्ध हैं जोकि आवश्यक होने पर मृत्यु-दंड तक जा सकते हैं। लेकिन यह दंड प्रक्रिया कानून के अनुसार होनी चाहिए, किसी मजहबी (रिलीजियस) पहचान के आधार पर नहीं। यह भी ध्यान देने योग्य है कि गरीबी, अशिक्षा और सामाजिक पिछड़ेपन का लाभ उठाकर कई कट्टर समूह भीड़ को भड़काते हैं, गरीब महिलाओं को पैसे देकर आंदोलनों में बैठाते हैं, और राजनीतिक उद्देश्यों के लिए पीड़ित अल्पसंख्यक का नैरेटिव तैयार करते हैं। ऐसे तंत्र को तोड़ना शिक्षित समाज, स्वतंत्र न्यायपालिका और कठोर शासन तीनों की सामूहिक जिम्मेदारी है। जब तक यह तंत्र मजबूत रहेगा, अपराधियों को कौमी समर्थन मिलता रहेगा और वे राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को अपनी पहचान का हिस्सा मानकर आगे बढ़ेंगे। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण राष्ट्र में नागरिक अनुशासन केवल कानून पालन का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता और शक्ति का आधार है। प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह संविधान की मर्यादाओं का सम्मान करे, सार्वजनिक जीवन में सत्य, सहिष्णुता और जिम्मेदारी का पालन करे, तथा राष्ट्रहित को हर व्यक्तिगत या समूहगत पहचान से ऊपर रखे। देशभक्ति का अर्थ केवल भावनात्मक निष्ठा नहीं, बल्कि दैनिक जीवन में ईमानदार आचरण, कानून का सम्मान, करों का सही भुगतान, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा और समाज में सद्भाव बनाए रखने की सक्रिय भागीदारी है। हमारा देश सर्वोपरि है और नागरिक का सर्वोच्च कर्तव्य है कि वह अपने आचरण से भारत को अधिक सुरक्षित, सशक्त और सम्मानित बनाए। भारत को अब यह स्पष्ट संदेश देना होगा कि धर्म व्यक्ति का निजी अधिकार है, लेकिन राष्ट्र और संविधान किसी भी नागरिक से ऊपर है। जो नागरिक संविधान की सर्वोच्चता को अस्वीकार करता है, वह स्वयं को उस सामाजिक अनुबंध से बाहर कर लेता है जो नागरिक होने की मूल शर्त है। कानून को ऐसे व्यक्तियों के साथ सख्ती से पेश आना चाहिए क्योंकि राष्ट्र को न तो अनियंत्रित भीड़तंत्र चाहिए और न ही वैचारिक अराजकता का वातावरण। अंत में निष्?कर्ष रूप में कहें कि राष्ट्र तभी मजबूत रहेगा जब नागरिकता का आधार केवल एक होगा, परस्पर सुख-दुख की अनुभूति के साथ हममें अपने देश और भारतीय संविधान के प्रति अटूट सर्वोच्चता होगी।

मकर संक्रांति त्योहार के पीछे के वैज्ञानिक सिद्धांत

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

मकर संक्रांति का त्योहार एक खगोलीय घटना पर आधारित है: सूर्य का दक्षिणी से उत्तरी गोलार्ध में स्पष्ट ग्रहण संबंधी बदलाव। विज्ञान के अनुसार, यह सूर्य के खगोलीय भूमध्य रेखा को पार करने का संकेत देता है, जो शीतकालीन संक्रांति के बाद सूर्य के उत्तर की ओर बढ़ने की खगोलीय घटना है। सनातनी सूर्य की पूजा करते हैं और उसके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं, उसे एक खगोलीय पिंड और एक सचेत देवता दोनों के रूप में देखते हैं। मकर संक्रांति पर सुबह से शाम तक, चैतन्य चारों ओर व्याप्त रहता है।

हर साल 14 जनवरी को हम मकर संक्रांति मनाते हैं। यह एकमात्र भारतीय त्योहार है जो सौर कैलेंडर के दिन मनाया जाता है। बाकी सभी भारतीय त्योहार चंद्र कैलेंडर के अनुसार मनाए जाते हैं इसलिए सौर कैलेंडर के अनुसार उनके मनाने के दिन हर साल बदलते रहते हैं। खगोल विज्ञान, गणित और ज्यामिति सहित प्राचीन भारतीय विषयों में संस्कृत तकनीकी शब्द ''संक्रांति'' का इस्तेमाल किया जाता था। महत्वपूर्ण हिंदू त्योहारों में से एक, मकर संक्रांति भारत के कई क्षेत्रों में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन आधिकारिक तौर पर नई फसल का मौसम शुरू होता है। हालांकि, मकर संक्रांति का सांस्कृतिक महत्व इस बात पर निर्भर करता है कि आप कहाँ रहते हैं; अलग-अलग राज्य इसे अलग-अलग नामों से मनाते हैं लेकिन उसी स्नेह के साथ। मकर संक्रांति का त्योहार एक खगोलीय घटना पर आधारित है: सूर्य का दक्षिणी से उत्तरी गोलार्ध में स्पष्ट ग्रहण संबंधी बदलाव। विज्ञान के अनुसार, यह सूर्य के खगोलीय भूमध्य रेखा को पार करने का संकेत देता है, जो शीतकालीन संक्रांति के बाद सूर्य के उत्तर की ओर बढ़ने की खगोलीय घटना है। सनातनी सूर्य की पूजा करते हैं और उसके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं, उसे एक खगोलीय पिंड और एक सचेत देवता दोनों के रूप में देखते हैं। मकर संक्रांति पर सुबह से शाम तक, चैतन्य चारों ओर व्याप्त रहता है। इसलिए, साधना (आध्यात्मिक अभ्यास) में लगे साधक को अधिक चैतन्य का सबसे बड़ा लाभ मिल सकता है। चैतन्य के परिणामस्वरूप साधकों में परम अग्नि सिद्धांत, या तेजतत्व भी बढ़ता है। मकर संक्रांति साधना के लिए एक उत्कृष्ट दिन है। सूर्य का उत्तर की ओर गमन सर्दियों के अंत और उत्तरी गोलार्ध में अधिक दिन की रोशनी का संकेत देता है। अतीत में, यह कृषि चक्रों के साथ-साथ होता था: फसलें कट जाती थीं, फसलें भंडारित की जाती थीं और नई खेती की तैयारी शुरू हो जाती थी। अलाव जलाना, पतंग उड़ाना और नदी में नहाना व्यावहारिक मूल के सांस्कृतिक रीति-रिवाजों के उदाहरण हैं, जैसे गर्मी देना, लंबे दिनों का स्मरण करना और मौसमी नदी प्रवाह और फसल कटाई के बाद खाली समय से जुड़े औपचारिक शुद्धिकरण। मकर संक्रांति उत्सव का एक अनिवार्य घटक छत पर इकट्ठा होना और सूरज के नीचे पतंग उड़ाना है। इस प्राचीन प्रथा का वैज्ञानिक महत्व है क्योंकि, लंबी सर्दियों के बाद, सूर्य अंततः हमारी ऊर्जा को फिर से भरता है और हमारे शरीर को बैक्टीरिया और बीमारियों से शुद्ध करता है, हम खुशी-खुशी पतंग उड़ाते हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों में इस दिन के उत्सवों को अलग-अलग नामों से जाना जाता है: मध्य भारत में सुकरात, असमिया हिंदुओं में भोगली बिहू, तमिल और अन्य दक्षिण भारतीय हिंदुओं में पोंगल और उत्तर भारतीय हिंदुओं और सिखों में लोहड़ी। जिस तरह भारत के कई हिस्सों में मकर संक्रांति का त्योहार मनाया जाता है, उसी तरह एशिया के अन्य हिस्सों में भी इसे दूसरे नामों से और इसी तरह के कारणों से मनाया जाता है। उदाहरण के लिए, मकर संक्रांति उत्सव को थाईलैंड में सोंगक्रान और कंबोडिया में मोहा संगक्रांता के नाम से जाना जाता है। इसके अलावा, दुनिया भर के लोग, खासकर भारतीय मूल के लोग, अपनी विरासत से जुड़ाव के कारण मकर संक्रांति मनाते हैं। अनोखे लड्डू बनाने के लिए जो सच में इस मौके को खास बना दें, तिल और गुड़ का एक खास मिश्रण तैयार किया जाता है। इन लड्डुओं को खाने का कारण यह है कि तिल के हर दाने में तेल से मिलने वाले तत्व होते हैं। सर्दियों में त्वचा रूखी और बेजान हो जाती है और उसे सुरक्षा और मुलायम बनाए रखने के लिए नमी की ज़रूरत होती है। इसलिए, तिल के लड्डू खाना, जो इस उत्सव का एक ज़रूरी हिस्सा है, यह त्वचा को नमी देता है। अक्सर तिल-गुड़ कहे जाने वाली ये मिठाइयाँ मकर संक्रांति उत्सव की परंपराओं को दिखाती हैं और माना जाता है कि ये समुदाय में सद्भाव बढ़ाती हैं। रा स्व संघ जाति, धन और सामाजिक अन्याय के कारण समाज में आई कमियों को दूर करने की कोशिश कर रहा है। छह उत्सवों में से मकर संक्रांति ऐसा उत्सव है जो समाज में सद्भाव और आत्म-सम्मान को बढ़ावा देने के लिए छुआछूत और पुरानी गलत परंपराओं को खत्म करने का प्रयास करता है। इस उत्सव का लक्ष्य आंतरिक जागरूकता जगाना और भारत को उसकी पूर्व गरिमा और शान वापस दिलाने के लिए करना है। हिंदू सभ्यता बनाने वाली अलग-अलग जातियों को एक साथ आना होगा। डॉ. हेडगेवार जी के अनुसार, जब तक हिंदू समाज बंटा हुआ है, भारत माता का अस्तित्व खतरे में रहेगा। ये उत्सव डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार जी ने सामाजिक समता, ममता, समरसता और हिंदू एकता की विशेषताओं के अनुसार मनाना शुरु किया था, जिन्हें वे समाज के लिए ज़रूरी मानते थे। हर उत्सव किसी न किसी गुण का सम्मान करता है। मकर संक्रांति स्वामी विवेकानंद के जन्मदिन का भी प्रतीक है। संघ कभी भी सतही स्तर पर काम नहीं करता। नेतृत्व और स्वयंसेवकों द्वारा लिया गया हर फैसला समुदाय के हर सदस्य के प्रति करुणा और प्रेम के साथ किया जाता है। सामाजिक सद्भाव के लिए एक सदी की प्रतिबद्धता और काम के बाद, हिंदू एकता के फायदे अब साफ दिख रहे हैं। दबे-कुचले और हाशिए पर पड़े समाजों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को ऊपर उठाने के प्रयासों से संघ में लोगों का भरोसा बढ़ा है। पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना प्रकृति का सम्मान करने के अलावा मकर संक्रांति मनाना उनके लिए भारतीय परंपरा के प्रति वफादार रहने और मकर संक्रांति के सार को बनाए रखने का एक तरीका है। बायोडिग्रेडेबल पतंग उड़ाना कुछ अनोखी पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं में से एक है जो अब मकर संक्रांति उत्सव का एक अभिन्न अंग बन गई हैं। संघ के लिए, पारंपरिक मूल्यों और मकर संक्रांति के सार का त्याग किए बिना जीवन स्थितियों और सामुदायिक लाभों को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न सामाजिक अभियानों में भाग लेना उत्सव का एक और पहलू है। समाज में सद्भाव और प्राकृतिक दुनिया के प्रति श्रद्धा को प्रोत्साहित करने के लिए, हम अपनी ऊर्जा को फिर से भर सकते हैं, अपने मन और आत्मा को खुशी से भर सकते हैं और इस भावना को दूसरों तक फैला सकते हैं। यह मकर संक्रांति के वास्तविक महत्व और उद्देश्य का सम्मान करने में योगदान देता है।

ऐतिहासिकता को भी प्रमाण चाहने वाला मनोविज्ञान

मनोज श्रीवास्तव

विवेक या सुदीप्तो या आदित्य से उनसे हर छोटी-छोटी बात के लिए ऐतिहासिक प्रमाण, दस्तावेज, और साक्ष्य मांगे गये। इन फिल्मों की हर घटना, हर संवाद, और हर दृश्य को सूक्ष्मदर्शी यंत्र से परखा गया। विवादों का तूफान खड़ा किया गया, तथ्य-जांचकर्ताओं की पूरी फौज लग गई, और मीडिया में बहसें चलती रहीं। अग्निहोत्री ने जब 'द कश्मीर फाइल्स' (2022) बनाई, तो उन्होंने लगभग चार वर्षों तक शोध किया। उन्होंने 700 से अधिक कश्मीरी पंडित परिवारों से साक्षात्कार किए, उनके दर्द को समझा, दस्तावेजों का अध्ययन किया, और पुरानी रिपोर्ट्स, समाचार पत्रों और सरकारी अभिलेखों को खंगाला।

कभी आपने देखा कि विवेक अग्निहोत्री या सुदीप्तो सेन या आदित्य धर आदि निर्देशकों को जब फिल्में बनाना होता है तो उसके पूर्व उन्हें इतिहास का बहुत अध्ययन करना पड़ा है, बहुत सी बारीकियों में उतरना पड़ा है पर किसी मुगल-ए-आजम या किसी जोधा अकबर को बनाने के लिए कभी इन परिशुद्धताओं की आवश्यकता नहीं पड़ी। विवेक या सुदीप्तो या आदित्य से उनसे हर छोटी-छोटी बात के लिए ऐतिहासिक प्रमाण, दस्तावेज, और साक्ष्य मांगे गये। इन फिल्मों की हर घटना, हर संवाद, और हर दृश्य को सूक्ष्मदर्शी यंत्र से परखा गया। विवादों का तूफान खड़ा किया गया, तथ्य-जांचकर्ताओं की पूरी फौज लग गई, और मीडिया में बहसें चलती रहीं। अग्निहोत्री ने जब 'द कश्मीर फाइल्स' (2022) बनाई, तो उन्होंने लगभग चार वर्षों तक शोध किया। उन्होंने 700 से अधिक कश्मीरी पंडित परिवारों से साक्षात्कार किए, उनके दर्द को समझा, दस्तावेजों का अध्ययन किया, और पुरानी रिपोर्ट्स, समाचार पत्रों और सरकारी अभिलेखों को खंगाला। फिल्म में दिखाए गए अधिकांश दृश्य वास्तविक घटनाओं पर आधारित हैं - जैसे बीके गंजू की हत्या, गिरजा टिक्कू की हत्या, और अन्य भीषण अत्याचार। इसके बावजूद, फिल्म रिलीज होते ही विवादों में घिर गई। तथाकथित बुद्धिजीवियों, इतिहासकारों, और मीडिया के एक वर्ग ने फिल्म को ''प्रोपेगेंडा'' करार दिया। हर घटना को चुनौती दी गई, हर आंकड़े पर सवाल उठाए गए। यहां तक कि कश्मीरी पंडितों की पीड़ा को भी ''अतिरंजित'' बताया गया। विवेक अग्निहोत्री को बार-बार अपनी फिल्म के हर दावे को सिद्ध करना पड़ा, साक्ष्य प्रस्तुत करने पड़े, और जनसुनवाई में खड़ा होना पड़ा। द बंगाल फाइल्स बंगाल विभाजन (1947) के दौरान हुए नोआखाली नरसंहार और हिंदुओं पर हुए अत्याचारों को दिखाती है। जैसे ही फिल्म की घोषणा हुई या इसके निर्माण की बात आई, तुरंत विवाद शुरू हो गए। फिल्म निर्माताओं से हर घटना के लिए दस्तावेजी सबूत मांगे गए। फिल्म को ''सांप्रदायिक एजेंडा'' बताया गया। कहा गया कि यह इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही है। विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक समूहों ने इसका विरोध किया। निर्माण टीम द्वारा 7000 से अधिक शोध पृष्ठों और 1000 से अधिक अभिलेखों का अध्ययन किया गया। 20,000 से अधिक पृष्ठों के दस्तावेजों और बचे हुए लोगों और उनके परिवारों के साक्षात्कार लिये। 1946 के भारतीय, अंतरराष्ट्रीय, अमेरिकी और ब्रिटिश समाचार पत्रों की गहन जांच की। महीनों विभिन्न शहरों और गांवों का दौरा किया गया। लोगों से साक्षात्कार लिये, स्थानीय संस्कृति और इतिहास का अध्ययन किया, और बंगाल के हिंसक इतिहास के मूल कारण को समझने की कोशिश की। अग्निहोत्री ने बताया कि जब वे उस समय के समाचार पत्रों की जांच कर रहे थे, तो कुछ छवियों ने उन्हें बहुत बुरी तरह प्रभावित किया। उन्हें यह जानकर भी सदमा लगा कि डायरेक्ट एक्शन डे में लगभग 40,000 लोग केवल दो रातों में मारे गए, और कोलकाता की सड़कों पर एक महीने से अधिक समय तक मानव शव पड़े रहे क्योंकि उन्हें साफ करने के लिए कोई नहीं बचा था, अधिकांश सफाई कर्मचारी मारे जा चुके थे। उनकी टीम को बहुत सारी बाधाओं का सामना करना पड़ा, जिसमें कोलकाता में एक होटल में हिरासत में लिया जाना भी शामिल था। सुदीप्तो सेन की 'द केरल स्टोरी' जो केरल में लव जिहाद और आईएसआईएस में भर्ती की कहानी बताती है, को तुरंत ''झूठी'' और ''भ्रामक'' करार दिया गया। आंकड़ों पर विवाद हुआ, और फिल्म निर्माताओं को संख्याओं में संशोधन करना पड़ा। आलोचनाओं से निपटने से कहीं अधिक कठिन था फिल्म बनाने में हुआ विरोध। सुदीप्तो ने शोध के लिए केरल में लगभग 10 वर्षों तक काम किया। यह एक असाधारण लंबी अवधि है जो उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। 2018 में सुदीप्तो ने एक विवादास्पद डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'इन द नेम ऑफ लव - मेलानकॉली ऑफ गॉड्स ओन कंट्री' बनाई थी जो धार्मिक रूपांतरण और लव जिहाद पर थी, जिसे लंदन इंडिपेंडेंट फिल्म फ़ेस्टिवल में सर्वश्रेष्ठ फिल्म पुरस्कार मिला। उन्होंने केरल के हर जिले की यात्रा की, और एक बार उन्हें एक बचकर रहना पड़ा जब उन्हें पता चला कि उनके होटल पर हमला हो सकता है। वास्तविक युवा महिलाओं से मुलाकात की जो धार्मिक रूपांतरण से बच निकली थीं और आर्ष विद्या समाजम आश्रम द्वारा उनकी देखभाल की जा रही थी। सेन ने एक विशेष रूप से मार्मिक घटना साझा की जब उन्होंने पहली बार श्रुति से एक छोटे से गांव में मुलाकात की, तो उसके घर में बिजली नहीं थी क्योंकि कनेक्शन काट दिया गया था। जब भी वह सब्जियां खरीदने बाहर जाती, लोग उसका बैग छीन लेते। सेन को उनसे उनके घर की एक छोटे खिड़की के माध्यम से साक्षात्कार करना पड़ा क्योंकि वे बाहर आने से डरती थीं। 17 मई को मुंबई के रंग शारदा ऑडिटोरियम में 26 साहसी लड़कियों को केरल से विशेष रूप से इस अवसर के लिए बुलाया गया। अभिनेत्री अदा शर्मा ने निर्देशक द्वारा दिखाए गए वीडियो की भयावहता का खुलासा किया जिसमें लड़कियों और उनके बच्चों को टैंकरों में 16 घंटे तक बिना खाने, पीने या खुद को राहत देने के तरीके के बिना कपड़ों के ढेर की तरह जमा किया जा रहा था। जब तक वे अपने गंतव्य पर पहुंचते, कुछ मर चुके होते थे और अधिकांश आधे-मरे हुए होते थे। उधर, मुगल-ए- आजम को ले लें। इतिहासकारों में आम सहमति है कि अनारकली नाम की कोई दरबारी नर्तकी का कोई विश्वसनीय ऐतिहासिक साक्ष्य नहीं है। यह कहानी लोककथाओं और बाद के साहित्य से उत्पन्न हुई प्रतीत होती है। अकबर के समकालीन इतिहासकार अबुल फजल ने 'आइन-ए-अकबरी' में ऐसी किसी घटना का उल्लेख नहीं किया। अकबर के शासनकाल में हुए बनी मुंडों की मीनारें, चित्तौड़ का नरसंहार, और अन्य क्रूर घटनाओं को मुगले आजम में सरासर नजरअंदाज किया गया और दरबारी संस्कृति का रूमानीकरण किया गया। मुगल दरबार को अत्यंत भव्य और सभ्य दिखाया गया, जबकि उस समय की हकीकत कहीं अधिक जटिल और कठोर थी। क्या 'मुगल-ए-आजम' के निर्माताओं से कभी यह पूछा गया कि अनारकली के अस्तित्व का प्रमाण क्या है? क्या उन्हें यह सिद्ध करना पड़ा कि दीवार में चुनवाने की घटना सत्य है? नहीं। फिल्म को ''कलात्मक स्वतंत्रता'' के नाम पर स्वीकार किया गया और इसे एक क्लासिक बना दिया गया। जोधा अकबर तो ऐतिहासिक विरूपण का और भी बड़ा उदाहरण है। अकबर की पत्नी का नाम 'जोधा' था या नहीं, यह अत्यंत विवादास्पद है। अधिकांश इतिहासकारों का मानना है कि अकबर की राजपूत पत्नी का नाम 'हरका बाई' या 'हीर कुंवरी' था, जो बाद में 'मरियम-उज-जमानी' कहलाईं। 'जोधा' नाम का कोई ऐतिहासिक साक्ष्य नहीं है। अकबर को एक अत्यंत उदार, धर्मनिरपेक्ष और प्रगतिशील शासक के रूप में दिखाया गया, जबकि उसके द्वारा किए गए नरसंहारों और क्रूरताओं को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया। फिल्म रिलीज हुई, तो राजस्थान और अन्य राज्यों में राजपूत समुदाय ने इसका विरोध किया। उन्होंने फिल्म को ऐतिहासिक रूप से गलत बताया। लेकिन मीडिया और बुद्धिजीवियों ने इस विरोध को ''असहिष्णुता'' करार दिया। फिल्म निर्माताओं को अपने दावों को सिद्ध करने की जरूरत नहीं पड़ी। गोलकीपर नेगी को कबीर खान बना देना कलात्मक स्वतंत्रता है तो वह स्वतंत्रता सेलेक्टिव क्यों है? कभी गौर कीजिए कि इन दिनों गैर-वाम बहुत अध्ययन के साथ काम कर रहा है और वाम अपने चालू जुमलों में अटका पड़ा है।बुद्धिजीविता की तराजू का संतुलन बदल रहा है। आपको शायद यह व्यंग्य लगे कि मैं कहूँ कि आज के युग में शंकराचार्य के 'ब्रह्म सत्य जगन्मिथ्या' को सच मानने वाला सिर्फ वाम बुद्धिजीवी है इस फर्क के साथ कि अपने ब्रह्म को वह मार्क्स कहता है। पर जगत का कार्य व्यापार, उसकी हक़ीक़तें, उसकी सच्चाई इस बुद्धिजीवी के लिए सब मिथ्या हैं। अब सोचिए, वह कौन-सा मनोविज्ञान है, कौन सी बुद्धिजीविता जिसमें कुछ चीजें अनैतिहासिक होने पर भी स्वतःसिद्ध हैं और वह कौन-सा मनोविज्ञान है जिसमें कुछ चीजें ऐतिहासिक होने पर भी प्रोपेगंडा हैं?

पुलिस टीम ने 4 अभियुक्त को किया गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बबेरू/बांदा। बांदा पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के कुशल निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाए जाने तथा वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु की जा कार्यवाही के क्रम में कमासिन थाना पुलिस के द्वारा घर का ताला तोड़कर चोरी की घटना का खुलासा करते हुए 4 अभियुक्तों को चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार किया गया है। बता दे कि कमासिन थाना क्षेत्र के महेड गांव में राधेश्याम पुत्र ननकू के घर में अज्ञात चोरों ने पिछले 24 व 25 दिसंबर की मध्य रात्रि ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। जिसके संबंध में तहरीर के आधार पर कमासिन थाने में अभियोग पंजीकृत करते हुए अभियुक्त की पहचान व गिरफ्तारी हेतु टीमों का गठन किया गया था। इसी क्रम में कमासिन थाना पुलिस के द्वारा चोरी की घटना को अंजाम देने वाले अभिलेखों को पहचान करते हुए मुखबिर की सूचना पर चार अभियुक्त धर्मेंद्र कुमार पुत्र जवाहरलाल, सत्येंद्र कुमार पुत्र छेदीलाल,आशीष पुत्र मोहन, व आशीष पुत्र हरछठिया निवासी चारों गौरा लखनपुर थाना कमासिन को कमासिन राजापुर मार्ग से गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में अभियुक्त के द्वारा चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया गया, गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से चोरी किए गए करीब 4 लाख रुपए के कीमत के सोने चांदी के जेवरात व 14000 रुपए नगद बरामद किए गए हैं। जिसमें कार्यवाही करते हुए चारों अभियुक्तों के खिलाफ कमासिन थाने पर मुकदमा पंजीकृत करते हुए चारों को सोमवार की देर शाम जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना प्रभारी निरीक्षक भास्कर मिश्रा, उप निरीक्षक राम आधार सिंह,उप निरीक्षक दीपक कुमार, सैनी, अनुराग सिंह हेड कांस्टेबल रामायण प्रसाद, कांस्टेबल अंकित यादव मौजूद रहे।

गैंगस्टर एक्ट में दो शातिर माफिया दोषी, भेजे गए जेल

बांदा।। उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम, 1986 (गैंगस्टर एक्ट) के अंतर्गत कुख्यात अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर कोर्ट ने दो शातिर माफियाओं को दोषी करार दिया है। न्यायालय ने दोनों अभियुक्तों को 07-07 वर्ष के कठोर कारावास तथा ?5000-?5000 के अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड अदा न करने की स्थिति में दोनों को तीन माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। सजा सुनाए जाने के बाद दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध सजायबी वारंट जारी कर उन्हें कारागार भेज दिया गया। विशेष लोक अभियोजक (गैंगस्टर एक्ट) सौरभ सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना कोतवाली नगर, जनपद बांदा के प्रभारी निरीक्षक विवेकानंद तिवारी द्वारा दिनांक 10 अक्टूबर 2011 को प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। अभियुक्त जावेद उर्फ बुद्धू पुत्र जाकिर अली, निवासी लोहार तलैया तथा असलम पुत्र बाबू हनीफ, निवासी खाई पार, थाना कोतवाली नगर, बांदा के विरुद्ध धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया था। अभियोजन के अनुसार अभियुक्तों का एक संगठित आपराधिक गिरोह है, जिसका सरगना जावेद उर्फ बुद्धू है जबकि असलम उसका सक्रिय सदस्य है। यह गिरोह अवैध असलहों के बल पर हत्या, हत्या का प्रयास, लूट, डकैती, चोरी एवं राहजनी जैसे संगीन अपराधों को अंजाम देकर अवैध धन अर्जित करता रहा है। जावेद उर्फ बुद्धू के विरुद्ध 05 से अधिक गंभीर आपराधिक मुकदमे, जबकि असलम के विरुद्ध 04 संगीन मुकदमे पहले से दर्ज हैं। गैंगस्टर एक्ट के इस मुकदमे की विवेचना निरीक्षक हवलदार सिंह द्वारा की गई। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 04 गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

शत्रुघ्न पहलवान बछेउरा ने छोटू पहलवान आगरा को चारों खाने किया चित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। पैलानी तहसील अंतर्गत बंबिया के मजरा भड़ौली गांव में आयोजित एकदिवसीय विशाल दंगल में पहुंचे सब इंस्पेक्टर चिल्ला केशव सिंह व प्रेस ट्रस्ट के विस्तारक महेश द्विवेदी व सब इंस्पेक्टर चिल्ला मनोज शर्मा ने बजरंगबली हनुमान की पूजा अर्चना कर फीता काट कर दंगल का शुभारंभ कराया। दंगल में पहुंचे महंत कुरसेजा धाम परमेश्वर दास जी महाराज,सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी के बेटे अनंत यश दुवेदी, थाना प्रभारी चिल्ला अनूप दुबे,जिला पंचायत सदस्य भरत सिंह,भा ज पा नेता मंदीप तिवारी, प्रबंधक संजय सिंह पटेल,कमल भाई, अंकुश दीक्षित, प्रधान अरुण सिंह पटेल सैमरी, पूर्व प्रधान बंबिया बुद्धविलास यादव, प्रधान प्रतिनिधि बरेठीकला सुरेंद्र सिंह,सिंघौली प्रधान अरुण शुक्ला का माल्यार्पण कर स्वागत किया। महंत परमेश्वर दास जी महाराज ने युवाओं से कहा कि नशा मुक्त होकर समाज का नव निर्माण करें आगे कहा कि बुंदेलखंड की धरा बांदा कुश्ती कला की खान है,इसे जीवंत रखने की सतत आवश्यकता है। अयोध्या के हनुमान गढ़ी के पहलवान लक्ष्मणदास ने ग्वालियर मध्यप्रदेश के टाइगर पहलवान को चारों खाने चित कर दिया।महिला कुश्ती में अन्नू कानपुर ने नैना लखनऊ को कला जंग दांव लगाकर चारों खाने चित कर दिया।पिंटू मथुरा ने सुरेश फिरोजाबाद को निकाल दांव लगाकर चारों खाने चित कर दिया। शत्रुघ्न पहलवान बछेउरा ने छोटू पहलवान आगरा को चारों खाने चित किया। हरिद्वार के पहलवान स्टील बांडी ने कुलदीप हरियाणा को चित किया।अभिलाश पलरा ने भगवती सिंघौली को चारों खाने चित कर दिया। वही जनसेवक जनसेवक सोम शुक्ला ने आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी के सहयोग से विशाल दंगल का शुभारंभ किया जा सका है, अतिथियों ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया है।रैफरी ननकाई पहलवान, कमेंटेटर रामू दीक्षित व शिवविलास पलरा रहे।

मंडल की पहली नगरपालिका होगी जहां होगा एबीसी सेंटर

- पुराने निष्प्रयोज्य स्लाटर हाउस को राज्यवित्त से 10 लाख रुपए की लागत से एबीसी सेंटर बनाने जा रहे हैं : मालती बासू

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। आवारा कुत्तों की संख्या में नियंत्रण लगाने को लेकर योगी सरकार गंभीर है। और बांदा में अगले 1 महीने में आवारा कुत्तों को पड़कर नसबंदी की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। बांदा नगर पालिका द्वारा एबीसी सेंटर को बनाने का काम किया जा रहा है। और नगर पालिका के आंकड़ों के मुताबिक शहर में 1610 आवारा कुत्ते सड़कों पर घूम रहा है। वहीं कुत्तों को पकड़ने के लिए 20 डॉग कैनल नगर पालिका मंगवाने जा रही है। वही बांदा नगर पालिका मंडल की पहली ऐसी नगर पालिका होगी जहां पर एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर बनाया जा रहा है।

शहर की कहीं पर इलाके में जर्जर पड़े निष्प्रयोग स्लॉटर हाउस के भवन को नगर पालिका के द्वारा एबीसी सेंटर बनवाया जा रहा है। जिसे एक महीने में बनवाकर चालू कर दिया जाएगा और यहां पर सड़कों पर घूमने वाले आवारा कुत्तों को पकड़ कर लाया जाएगा। जहां पर कुत्तों की नसबंदी की जाएगी वहीं इनके टेस्टीज निकाल दिए जाएंगे। वहीं कुत्तों का स्वभाव सामान्य होने के बाद उन्हें पुनः उन्हीं के इलाकों में छोड़ दिया जाएगा जहां से पड़कर उनको लाया गया था। नगर पालिका की टीम 20 डॉग कैनल के जरिए कुत्तों को पकड़ेगी और फिर उन सभी कैंनलों को एबीसी सेंटर में लाया जाएगा और उन कैनल के अंदर कुत्ते रखे जाएंगे। नगर पालिका बांदा की अध्यक्ष मालती गुप्ता बासू ने बताया कि आवारा कुत्तों के द्वारा लोगों पर हमला करने की घटनाएं आए दिन संज्ञान में आती है। जिसको लेकर हम शहर के खाईपार इलाके में स्थित पुराने निष्प्रयोज्य स्लाटर हाउस को राज्यवित्त से 10 लाख रुपए की लागत से एबीसी सेंटर बनाने जा रहे हैं। जिसकी प्रक्रिया शुरू हो गई है और इसका टेंडर भी हो गया है। और जल्द ही वर्क आर्डर जारी कर दिया जाएगा और अगले एक महीने में एबीसी सेंटर को बनवा दिया जाएगा। वहीं 6 लाख रुपये के 20 डॉग कैनल मंगवाये जा रहे हैं। जिसके बाद आवारा कुत्तों को पड़कर यहां लाया जाएगा और उनकी नसबंदी की जाएगी। जिससे आवारा कुत्तों की बढ़ रही संख्या में लगाम लगेगी।

केन्द्र सरकार द्वारा जी राम जी बिल को लेकर किसान यूनियन ने जताया आभार

बांदा। बुंदेलखंड एवं मध्य प्रदेश के भारतीय किसान यूनियन के महाशक्ति गुट के राष्ट्रीय महामंत्री बबलू सिंह तोमर ने केंद्र सरकार द्वारा जी राम जी बिल मजदूरों के हित में लागू करने से खुशी जाहिर करते हुए कहा कि केंद्र का 60ः रुपया और राज्य सरकार का 40ः रुपया आने से विकास में धार मिलेगी तथा जैसे ही मजदूरों के खातों मे 7 दिन के भीतर रुपए आने से मजदूरों मजदूरी का बिल भुगतान करने में किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ेगा उन्होंने बताया कि इसके पूर्व भी कांग्रेस की सरकार द्वारा मनरेगा के तहत काम करने वाले मजदूरों को 6-6 महीने बाद भुगतान मजदूरी का किया जाता था लेकिन इस बिल के आ जाने से अब मजदूर की मजदूरी उनके खातों पर तत्काल पहुंचेगी वहीं इस बिल को लेकर जब किसान यूनियन के राष्ट्रीय महामंत्री से बात की गई तो उन्होंने बताया कि इस बिल से बुंदेलखंड के साथ-साथ पूरे हिंदुस्तान का समग्र विकास होगा जिससे गरीब मजदूरों की आय में वृद्धि होने के साथ-साथ परिवार को समुचित लाभ मिलेगा।

इलेवन स्टार बबेरू ने बनारस को सेमीफाइनल में किया प्रवेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बबेरू/बांदा। बबेरू कस्बे के जेपी शर्मा इंटर कॉलेज ग्राउंड में मंगलवार की दोपहर ज्वाला कप क्रिकेट टूर्नामेंट के अंतिम लीग मैच में इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब बबेरू की टीम ने बनारस की टीम को 104 रनों से हराकर सेमी फाइनल में प्रवेश कर लिया है।

बता दे की बबेरू कस्बे के जेपी शर्मा इंटर कॉलेज ग्राउंड में ज्वाला का क्रिकेट टूर्नामेंट के मंगलवार की दोपहर अंतिम लीग मैच इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब बबेरू बनाम बनारस की टीम के बीच खेला गया। जिसमें इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब बबेरू के कप्तान धनंजय करवरिया ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। जिसमें 20 ओवर के मैच में इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब बबेरू ने 19 ओवर में 152 रन बनाकर पूरी टीम ऑल आउट हो गई। जिसमें विक्रांत 61रन, निशांत 28 रन, शांतनु 17 रन बनाया। वही बनारस टीम के गेंदबाज तन्मय मालवी, तीन विकेट, सागर यादव ,शिवम दो-दो विकेट ,आकाश, अनुराग एक-एक विकेट हासिल किया। वहीं बनारस की टीम के बल्लेबाजों ने लक्ष्य का पीछा करने उतरे सिर्फ 13 ओवर में 48 रन बनाकर पूरी टीम ऑल आउट हो गई। जिसमें तन्मय मालवी 16 रन आकाश 13 रन ही बना सके, वही बनारस टीम का कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा तक पार नहीं कर पाया। जिसमें इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब बबेरू के गेंदबाज मनीष 4, विकेट धनंजय करवरिया 3 विकेट, अजीत विशाल एक-एक विकेट हासिल किया। वहीं इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब बबेरू ने बनारस की टीम को 104 रनों के अंतराल से मैच हराकर दूसरे सेमीफाइनल में प्रवेश किया है।

विधायक ओम मणि वर्मा के सतत प्रयास से प्रदेश सरकार मार्ग निर्माण की मिली स्वीकृति

नरैनी/बांदा। क्षेत्रीय विधायक के प्रयासों से विधानसभा क्षेत्र के जरूरी मार्गों को बनवाने की वित्तीय स्वीकृति मिली । ग्रामीण क्षेत्र में रंज नदी पर बने दो महत्वपूर्ण पुलों के मरम्मत कार्य के लिए भी धन आवंटित हुआ है।विधायक ओम मणि वर्मा के सतत प्रयास से प्रदेश सरकार ने पांच संपर्क मार्ग और रेहुचि संपर्क मार्ग में स्थित रंज नदी में बने दीर्घ सेतु के मरम्मत का कार्य 77 लाख रुपए की लागत से होगा।

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन आमंत्रित किया जाता है।

Admin Unit/Zone	Lucknow-NR-Division-Commercial/Northern Railway
Auction catalogue No./Lot no.	CATERING2613
Description of Work: Allotment of catering Stall at various stations of Lucknow Division, Northern Railway for the period of 05 years.	
Catalogue Published on	02.01.2026
Auction Start (All Lots)	19.01.2026 at 11:00 hrs.
Auction close Date/Time	19.01.2026 at 11:50 hrs.
Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders : E-Auction Module of www.ireps.gov.in	

Details of catering stalls to be auctioned are as under :-

SN	Station	Lot No.	Stall ID	Close Date/ Time	Quota	Sub Quota
1	KUNDA HARNAMGANJ	Catg-LKO-KHNM-GMU-74-24-1	KHNM/PF-1/31/ADDL	19-01-2026 at 11:30 hrs	GMU	
2	PHAPHAMAU	Catg-LKO-PFM-GMU-196-25-1	PFM/PF-1/44/ADDL	19-01-2026 at 11:40 hrs	GMU	
3	PHULPUR	Catg-LKO-PLP-SMU-66-24-1	PLP/PF-2&3/222/ ADDL	19-01-2026 at 11:50 hrs	SMU	OBC

121/2026 कृते वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, लखनऊ

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

शेखपुर में जरूरतमंदों को बांटे गए कंबल विधायक पंकज गुप्ता ने किया वितरण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव जनपद के शेखपुर क्षेत्र में जरूरतमंदों की सहायता के उद्देश्य से कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन समाजसेवी मोहम्मद आरिफ़ द्वारा किया गया, जिसमें क्षेत्र के बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोग एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सदर विधायक पंकज गुप्ता रहे। उन्होंने मंच से उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि ठंड के मौसम में गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोगों की सहायता करना हम सभी का सामाजिक दायित्व है। ऐसे सेवा कार्य समाज में आपसी सहयोग और संवेदनशीलता को मजबूत करते हैं। इसके उपरांत विधायक ने स्वयं जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए। इस अवसर पर समाजसेवी मोहम्मद आरिफ़ ने कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों, सहयोगियों एवं स्थानीय नागरिकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर वर्ग की सेवा ही उनका मुख्य उद्देश्य है और भविष्य में भी इसी तरह के समाजसेवा के कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाते रहेंगे। कंबल वितरण कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा एवं व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा गया, जिससे किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न नहीं हुई। क्षेत्रवासियों ने इस पहल की सराहना करते हुए आयोजकों का धन्यवाद किया।

मकर संक्रांति को लेकर नगर पालिका प्रशासन पूरी तरह अलर्ट

शुक्लागंज। आस्था के महापर्व मकर संक्रांति को लेकर नगर पालिका प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। दूर-दराज से आने वाले हजारों श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए पालिका ने गंगा घाटों का कायाकल्प कर दिया है। मंगलवार को विशेष अभियान चलाकर नमामि गंगे घाट, आनंद घाट और बालूघाट की साफ-सफाई कराई गई, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सुरक्षा व्यवस्था और समतलीकरण मकर संक्रांति के अवसर पर लखनऊ, कानपुर, उन्नाव, रायबरेली, हरदोई, बालामऊ और नवाबगंज जैसे क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए उमड़ते हैं। इसे देखते हुए पालिका प्रशासन ने घाटों पर समतलीकरण का कार्य कराया है और गहरे पानी में जाने से रोकने के लिए बैरिकेडिंग की गई है। सुरक्षा की दृष्टि से जल पुलिस के साथ-साथ निजी गोताखोरों और नावों की तैनाती की गई है, जो स्नान के दौरान गहरे पानी की ओर जाने वाले लोगों पर पैनी नजर रखेंगे।

कानपुर-लखनऊ राजमार्ग पर डंपर पलटा गिट्टी फैलने से यातायात प्रभावित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नवाबगंज। अजगैन कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत विकासखंड मुख्यालय के सामने शुक्रवार तड़के एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। कानपुर-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज रफ्तार से जा रहा एक डंपर चालक को झपकी आने के कारण अनियंत्रित होकर दूसरी लेन में चला गया और हाइवे पे लगी ग्रिल को तोड़ते हुए दूसरी छोर पर पलट गया। डंपर में लदी गिट्टी पूरी सड़क पर फैल गई, जिससे कानपुर की ओर जाने वाला मार्ग पूरी तरह से प्रभावित हो गया।

घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गनीमत यह रही कि जिस समय डंपर पलटा, उस समय राजमार्ग की दूसरी लेन पर कोई वाहन नहीं था, वरना एक बड़ा हादसा हो सकता था। सूचना मिलते ही चौकी इंचार्ज मुकुल दुबे व सिपाही अनूप द्विवेदी तत्काल मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। पुलिस ने तुरंत क्रेन और ट्रैक्टर मंगवाकर सड़क पर फैली गिट्टी को हटवाने का कार्य शुरू कराया।

करीब दो घंटे तक चले रेस्क्यू अभियान के दौरान राजमार्ग पर लंबा जाम लग गया। सर्विस लेन से वाहन रेंगते हुए निकलते रहे। खासतौर पर कानपुर की ओर जाने वाले राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिसकर्मियों की सक्रियता से धीरे-धीरे सड़क को साफ कराया गया और यातायात को सुचारु किया गया। डंपर चालक की पहचान जीत कुमार पुत्र शिवशंकर निवासी घाटमपुर के रूप में हुई है। चालक ने पुलिस को बताया कि वह कब्ररई से मोहनलालगंज की ओर जा रहा था। लगातार वाहन चलाने के कारण उसे नींद आ गई और इसी वजह से यह हादसा हो गया। हालांकि हादसे में चालक को कोई गंभीर चोट नहीं आई है।

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन आमंत्रित किया जाता है।

एडमिन यूनिट/ज़ोन: Lucknow-NR-Division-Commercial/Northern Railway	
नीलामी सूची सं0	Catering0512
कार्य का विवरण: Allotment of catering Stall at various stations of Lucknow Division, Northern Railway for the period of 05 years.	
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	06.01.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	21.01.2026 at 10:00 hrs.
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	21.01.2026 at 10:50 hrs.
वेबसाइट विवरण जहां पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है। E-Auction Module of www.ireps.gov.in	

Details of catering stalls to be auctioned are as under :-

SN	Station	Lot No.	Stall ID	Close Date/ Time	Quota	Sub Quota
1	GAURIGANJ	Catg-LKO-GNG-GMU-71-24-1	GNG/PF-1/18/ADDL	21-01-2026 at 10:30 hrs	GMU	WOMEN
2	DARIYABAD	Catg-LKO-DYD-SMU-5-24-2	DYD/PF-1/13	21-01-2026 at 10:40 hrs	SMU	ST
3	BHADOHI	Catg-LKO-BOY-SMU-111-25-1	BOY/PF-1/70/	21-01-2026 at 10:50 hrs	SMU	FF/WW /WRE/ LD

120/2026 कृते वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, लखनऊ

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कीटनाशी दुकानों का औचक निरीक्षण, दो लाइसेंस निलंबित

- अनियमितता पर दो विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस, नियमों के पालन के दिए निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। उप कृषि निदेशक एवं जिला कृषि रक्षा अधिकारी द्वारा जनपद में कीटनाशी विक्रेताओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। जिला कृषि रक्षा अधिकारी शशांक द्वारा मंगलवार, 13 जनवरी 2026 को बीघापुर, सुमेरपुर व पाटन क्षेत्र में कीटनाशी दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान स्टॉक बोर्ड, रेट बोर्ड, वितरण रजिस्टर, स्टॉक रजिस्टर एवं कैश मेमो आदि की जांच की गई।

जांच में अनियमितता पाए जाने पर मेसर्स शिव बीज भंडार, मनिकापुर (सुमेरपुर) एवं किसान सेवा केंद्र, पीठई खेड़ा (सुमेरपुर) को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। वहीं, किसान सेवा केंद्र पिठाई खेड़ा तथा दीप ट्रेडर्स, भद्योरा द्वारा प्राधिकार पत्र के इतर कीटनाशी रसायनों का विक्रय किए जाने के कारण दोनों प्रतिष्ठानों के कीटनाशी लाइसेंस निलंबित कर दिए गए। इसी क्रम में उप कृषि निदेशक रवि चंद्र प्रकाश द्वारा सफीपुर क्षेत्र में भी कीटनाशी विक्रेताओं की दुकानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विक्रेताओं को निर्देशित किया गया कि कीटनाशकों का विक्रय केवल नियमानुसार ही करें। दुकानों पर रेट बोर्ड, स्टॉक बोर्ड, कैश मेमो, वितरण रजिस्टर एवं स्टॉक रजिस्टर अनिवार्य रूप से रखें। साथ ही संस्तुत मात्रा का बैनर एवं ग्रो सेफ पोस्टर जिला कृषि रक्षा अधिकारी कार्यालय से प्राप्त कर अपने प्रतिष्ठान पर अवश्य लगवाएं।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि दुकानों को अनावश्यक रूप से बंद न रखा जाए तथा कीटनाशकों का विक्रय निर्धारित मूल्य पर ही किसानों को किया जाए। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित विक्रेता के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मां भगवती का विशाल जागरण का आयोजन आज

फतेहपुर चौरासी। नगर पंचायत फतेहपुर चौरासी के मोहल्ला गांधी नगर के शिव कृपा धाम में बने राम दरबार हनुमान गढ़ी मंदिर परिसर में 14 जनवरी को मां भगवती का विशाल जागरण का आयोजन किया जाएगा।वहीं भंडारे का आयोजन बृहस्पतिवार 15 जनवरी को किया जायेगा। जिसके तहत 14 जनवरी को सायंकाल हवन पूजन के पश्चात जागरण का आयोजन होगा। वहीं 15 जनवरी को दोपहर से रात्रि तक भण्डारे का कार्यक्रम चलेगा। बुधवार 14 जनवरी को 8.30 बजे से मां भगवती का सुदंर सुदंर भजनो के साथ जागरण का होगा। इस संबंध में फतेहपुर चौरासी नगर पंचायत के मोहल्ला गांधी नगर निवासी पवन कुमार पाण्डेय नें बताया कि जागरण के दौरान कानपुर के प्रसिद्ध धार्मिक गायक मां की महिमा का गुणगान कर भक्तों को मंत्र मुग्ध करेंगे। मां की महिमा का गुणगान करने सभी भक्त जन अपने अपने कार्यों से निवृत्त होकर जागरण कार्यक्रम के पाण्डाल में अवश्य पहुंच कर भजनों का आनंद लें।

ग्राम विकास को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। जिला पंचायत संसाधन केंद्र रायबरेली द्वारा पंचायत सहायकों के क्षमता संवर्धन के उद्देश्य से चार दिवसीय तकनीकी एवं ओएसआर विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम रोस्टर के अनुरूप आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण सनराइज इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, उन्नाव में दिनांक 05 जनवरी 2026 से संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत विकास खंड हिलौली एवं औरास के पंचायत सहायकों का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण कराया जा चुका है।

इसी क्रम में आज दिनांक 13 जनवरी 2026 से विकास खंड पुरवा एवं फतेहपुर-84 के पंचायत सहायकों का प्रशिक्षण प्रारम्भ किया गया है। उक्त प्रशिक्षण में पंचायत सहायकों को ई-ग्राम स्वराज, तकनीकी कार्यप्रणाली, वित्तीय प्रबंधन, ओएसआर के माध्यम से ग्राम पंचायत की आय वृद्धि तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित व्यवहारिक एवं तकनीकी जानकारियाँ प्रदान की जा रही हैं, जिससे ग्राम पंचायतों के कार्यों में पारदर्शिता, दक्षता एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिल सके।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (ईएनएचएम एण्ड डीएम) लखनऊ के द्वारा ई–टेंडर संख्या 37/EnHM/AMC/CUMMINS/SPARMV/SPTV के अंतर्गत एकल निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसके बंद होने की तिथि व समय 02.02.2026, 15:00 बजे तक है और उसी दिन 15:30 बजे वेबसाइट पर खोला जाएगा। बोली लगाने वाले अपनी मूल या संशोधित बोलियां सिर्फ समाप्ति दिनांक एवं समय तक ही जमा कर पाएंगे। इस टेंडर के अन्तर्गत मैनुअल ऑफर स्वीकार्य नहीं होंगे तथा मैनुअल ऑफर मिलने पर उसे नजरअंदाज कर दिया जाएगा। इस टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। टेंडरर ध्यान दें कि निविदा मूल्य या ईएमडी का भुगतान IREPS पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन माध्यम जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड/क्रेडिट कार्ड इत्यादि तरीकों से करना होगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, फिक्स डिपॉजिट रसीद वगैरह के जरिए मैनुअल/ऑफलाइन पेमेंट की अनुमति नहीं है।

कार्य का नाम	कम्प्रेहेंसिव एनुअल मेंटेनेंस कान्ट्रेक्ट फॉर इन्स्टालेशन एण्ड मेन्टेनेंस ऑफ 02 नं. कमिंस इंजन एण्ड 02 नं. कमिंस डीजी सेट एट SPARMV LKO एण्ड 01 नं. कमिंस इंजन एट SPTV MBDP प्रतापगढ़ शेड ऑफ लखनऊ डिवीजन, एनबार फॉर ए पीरियड ऑफ थ्री ईयर्स थ्रू OEM		
टेण्डर का प्रकार	एकल निविदा	निविदा पद्धति	एकल बिड सिस्टम
टेण्डर समाप्ति दिनांक एवं समय	02.02.2026 15:00 hrs	अपलोडिंग दिनांक	13.01.2026
प्री बिड (Yes/No)	नहीं	प्री बिड क्वेरी डेट एवं टाइम	नाट एप्लीकेबल
प्राक्कलित मूल्य (रु.)	1,46,37,699.75 रु. जीएसटी सहित	टेण्डरिंग सेक्शन	टेण्डर ओएम (ईएनएचएम एण्ड डीएम)
निविदा का तरीका	सिंगल रेट क्वा ईच शेड्यूल आइटम	बिडिंग यूनिट	% ऊपर/नीचे/एट पार
धरोहर राशि (रु. में)	2,24,200.00	ऑफर वैधता (दिनों में)	45 दिन
निविदा मूल्य (रु.)	3,000.00	कार्य की अवधि	36 माह
निविदा प्रारम्भ तिथि	19.01.2026		

सं.: 37/EnHM/AMC/CUMMINS/SPARMV/SPTV दिनांक: 12.01.2026 125/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

नगर पालिका आपके द्वार अभियान के छठवें दिन 337 पंजीकरण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। मंगलवार 13 जनवरी को खुटार रोड स्थित फूलबाबा आश्रम के पास नगर पालिका परिषद गोला के तत्वावधान में आयोजित नगर पालिका आपके द्वार अभियान के कैम्प के छठवें दिवस कुल 337 रजिस्ट्रेशन किए गए। कैम्प में विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर लोगों ने पंजीकरण कराया। वृद्धावस्था पेंशन के कुल 43 पंजीकरण हुए, जिनमें 37 लोगों की पेंशन रुकी हुई थी तथा 06 नए पंजीकरण किए गए। राशन कार्ड से संबंधित 200 लोगों ने कैम्प में पंजीकरण कराया, जिनमें 168 कार्डधारकों ने यूनिट बढ़वाने हेतु आवेदन किया, जबकि 32 लोगों ने नए राशन कार्ड के लिए पंजीकरण कराया। विद्युत विभाग से संबंधित 08 पंजीकरण हुए, जिनमें 03 स्मार्ट मीटर रीडिंग तथा 05 बिल बढ़ोतरी से संबंधित थे। इसके अतिरिक्त दिव्यांग पेंशन के 04, विधवा पेंशन के 14 तथा नगर पालिका परिषद से संबंधित जन्म प्रमाण पत्र के 32 पंजीकरण किए गए। साथ ही नए मतदाता बनने हेतु 30 फार्म भी वितरित किए गए। कैम्प में उपस्थित आमजन को संबोधित करते हुए पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने कहा कि पंजीकृत पात्र आवेदकों के शीघ्र राशन कार्ड बनाए जाएंगे तथा यूनिट बढ़ाने का कार्य भी समयबद्ध तरीके से किया जाएगा। वहीं बसपा नेता व सभासद इजरान ने कहा कि चेयरमैन द्वारा किया जा रहा यह कार्य अत्यंत सराहनीय है और आमजन के लिए काफी लाभकारी सिद्ध हो रहा है। जानकारी देते हुए बताया गया कि 15 जनवरी को त्रिलोक गिरि में प्रस्तावित कैम्प अब 16 जनवरी को नगर पालिका परिषद कार्यालय में प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर सभासद इजरान, राजेश वर्मा, नगर पालिका से लेखाकार मोहित अवस्थी, जेई अनिल कुमार यादव, आदर्श मिश्रा, श्रवण कुमार मिश्रा, अंकित गुप्ता, अशोक मिश्रा, विजय कुमार, प्रदीप कुमार, अनुज अवस्थी, विमलेश वर्मा, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग से विकास वर्मा, जिला समाज कल्याण विभाग से अंकित सिंह, खाद्य एवं रसद विभाग से अजय कुमार, आनंद कुमार, प्रोबेशन कार्यालय लखीमपुर से रामकुमार वर्मा, भाजपा से कैलाश गुप्ता, मनोज गुप्ता, राकेश शर्मा, हर्ष कटियार, राजेश राठौर, शत्रोहन मिश्रा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

ग्राम जड़ौरा में आयुष आपके द्वार के तहत निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

गोला गोकर्णनाथ खीरी। ग्राम जड़ौरा में आयुष आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार 13 जनवरी को निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में तैनात आयुर्वेद चिकित्सक हरि शंकर वर्मा एवं फार्मासिस्ट अनंग पाल सिंह ने बताया कि शिविर के दौरान कुल 56 मरीजों का उपचार एवं संपूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पूर्व आग की घटना से प्रभावित रोहन लाल वर्मा के परिवार को शिविर के माध्यम से निःशुल्क औषधियां भी उपलब्ध कराई गईं। चिकित्सा शिविर में बुखार, खांसी, दमा, अस्थमा एवं जोड़ रोग से पीड़ित मरीजों का उपचार किया गया। साथ ही बदलते मौसम को देखते हुए ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने एवं आवश्यक सावधानियां बरतने की जानकारी भी दी गई।

नीमगांव पुलिस चौकी भवन जर्जर कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। थाना नीमगांव क्षेत्र अंतर्गत स्थित पुलिस चौकी भवन अत्यधिक जीर्ण-शीर्ण व जर्जर अवस्था में पहुंच चुका है। भवन की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि उसके कभी भी भरभराकर गिरने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता, जिससे किसी बड़ी दुर्घटना की संभावना बनी हुई है। जानकारी के अनुसार वर्ष 1991 में तत्कालीन पुलिस अधीक्षक हरिश्चंद्र, पुलिस क्षेत्राधिकारी रामकृष्ण चतुर्वेदी तथा तत्कालीन थानाध्यक्ष धर पाठक द्वारा इस पुलिस चौकी भवन का उद्घाटन किया गया था। लगभग 35 वर्ष पुराने इस भवन की नियमित देखरेख न होने तथा बरसात के मौसम में परिसर के भीतर पानी भरने के कारण यह दिन-प्रतिदिन जर्जर होता चला गया।

पुलिस चौकी परिसर में एक चौकी इंचार्ज का आवास, एक मुख्य आरक्षी का निवास तथा आरक्षियों की बैरक बनी हुई है, जो सभी अत्यंत जर्जर स्थिति में हैं। बरसात के दिनों में भवन से पानी टपकने के कारण पुलिसकर्मियों को इधर-उधर बैठकर फरियादियों की शिकायतें सुननी पड़ती हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि देश की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी यदि अस्तबल या घुड़साल का रूप ले चुकी इमारत में रहने को मजबूर हैं, तो यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। इस संबंध में थानाध्यक्ष नीमगांव प्रवीर गौतम ने बताया कि उन्हें पुलिस चौकी की जर्जर स्थिति की जानकारी है। चौकी के लिए अन्य स्थान पर भूमि का आवंटन भी किया जा चुका है। बजट उपलब्ध होने पर चौकी भवन का निरीक्षण कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं सिकंदाबाद के पूर्व प्रधान राजेंद्र त्रिवेदी ने बताया कि लगभग दस वर्ष पूर्व उनके कार्यकाल में पुलिस चौकी के लिए दूसरे स्थान पर भूमि की पैमाइश कराई गई थी, लेकिन अब तक नए भवन का निर्माण नहीं हो सका है।

लखनऊ ट्रॉमा सेंटर में ज़िंदगी मौत से जूझ रहा मतीन

- दो दिन बाद भी नही पकड़े गये आरोपी, पुलिस पर लग रहे हैं सवालिया निशान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुकरा खीरी। मैलानी थाना क्षेत्र के कुकरा से सनसनीखेज खबर, जानलेवा हमले के बाद मैलानी पुलिस की भूमिका पर लग रहे है सवालिया निशान,11 जनवरी 2026 को मतीन अंसारी पर हुए जानलेवा हमले के मामले में परिजन व स्थानीय लोगों का आरोप है कि हमलावर शूटरों को बचाने के लिए मैलानी पुलिस बुन रही है ताना-बाना। गंभीर रूप से घायल मतीन अंसारी इस समय लखनऊ स्थित ट्रॉमा सेंटर (मेडिकल कॉलेज) में भर्ती है, जहां उसकी हालत नाज़ुक बताई जा रही है। परिजनों के अनुसार मतीन मौत और ज़िंदगी के बीच संघर्ष कर रहा है और हर सांस उसके लिए एक चुनौती बनी हुई है।

सूत्रों के मुताबिक हमले को अंजाम देने वाले शूटर खुलेआम घूम रहे हैं और उन्हें मैलानी पुलिस का संरक्षण प्राप्त है। यही नहीं, सूत्र यह भी दावा कर रहे हैं कि उक्त शूटर लखनऊ मेडिकल कॉलेज में भी मतीन की रेकी कर रहे हैं, जिससे उसकी जान को एक बार फिर गंभीर खतरा बताया जा रहा है। आशंका जताई जा रही है कि हमलावर किसी भी वक्त मतीन की हत्या की कोशिश कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार 11 जनवरी 2026 को मौलाना मो0 इरफान पुत्र मो0जान क़स्बा कुकरा थाना मैलानी द्वारा मतीन अंसारी को जान से मारने की नीयत से संगठित गैंग का मास्टर माईन्ड मुशीर पायलेट का भी नाम सुर्खियों में आया है, कि उसने अस्त्रों व शस्त्रों से लैस शूटरों के गैंग को बुलाया था व घटना स्थल की रेकी की थी। आरोप है कि शूटरों के एक संगठित गैंग ने मतीन अंसारी के घर में घुसकर धारदार हथियारों से उसके सिर पर ताबड़तोड़ वार किए। हमलावर मतीन को मरणासन्नअवस्था में छोड़कर मौके से फरार हो गए घटना के बाद परिजन घायल मतीन को तत्काल मौके से उठाकर सीएचसी ले गये। चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल लखीमपुर खीरी रेफर किया।ओयल ट्रॉमा सेंटर के चिकित्सकों ने भी प्राथमिक उपचार के बाद जख्मी कि नाजुक हालत देखते हुए मेडिकल कॉलेज लखनऊ रेफर कर दिया वहां भी उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। अवाम के मुताबिक वारदात में शामिल शूटरों के गैंग की गिरफ्तारी न होना मैलानी पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है।

जय हनुमन्त सँत हितकारी सुनलीजो प्रभु अरज हमारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला तहसील के अंतर्गत मैलानी में मकर पावन पर्व मकरसक्रन्ति व लोहडी के अवसर दिन मंगलवार को बालाजी के नाम मैलानी के खुटार रोड पर बाँके बिहारी आटो मोबाल्स टी एस एजेंसी पर पूजा अर्चना करके सुबह से शाम तक चाय व बिस्कुट पिलाने खिलाने का आयोजन किया गया जिसमे काफी लोगो ने पहुंच कर प्रसाद गृहण किया इस आयोजन मे भीम सेन शर्मा अंकित शर्मा सत्यवीर सिह संजीव सिह सिह संदीप सिह सेलिब्रेशन लान मैनेजर सोनू दलजीत सिह उर्फ लाडी नवजीत सिह डाक्टर बल्देव सिह डाक्टर वीरेंद्र कुमार लक्ष्मी कान्त गुप्ता पत्रकार केतन गुप्ता नितिन अवस्थी निखिल शुक्ला आनन्द कुमार अमन कुमार मनोज गोयल सहित आन्य काफी लोगो ने सहयोग करते हुए भाग लिया।

समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष मनोनीत हुए रियाजुल्ला खान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष रामपाल सिंह यादव ने नगर इकाई, लखीमपुर की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी रियाजुल्ला खान को सौंपते हुए उन्हें नगर अध्यक्ष मनोनीत किया है। मनोयन के बाद रियाजुल्ला खान ने पार्टी नेतृत्व द्वारा जताए गए विश्वास एवं दायित्व के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वह इस जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ करेंगे तथा नगर स्तर पर समाजवादी पार्टी को मजबूत करने, संगठन का विस्तार करने और जनसमस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने 28 खीरी लोकसभा क्षेत्र के सांसद उत्कर्ष वर्मा के सहयोग, मार्गदर्शन एवं समर्थन के लिए भी कोटि-कोटि आभार व्यक्त किया और संकल्प लिया कि उनके नेतृत्व में समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य और अधिक मजबूती से किया जाएगा। रियाजुल्ला खान ने कहा कि समाजवादी पार्टी जनहित, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए निरंतर संघर्षरत है और इसी संकल्प के साथ संगठन को आगे बढ़ाया जाएगा।

उन्नाव में गुरु गोबिंद सिंह का प्रकाश पर्व श्रद्धा से मनाया

उन्नाव। दसवें पातशाह श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के पावन प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में मंगलवार को गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा, उन्नाव में भव्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शबद कीर्तन, गुरुकथा एवं विशाल गुरु का लंगर संपन्न हुआ। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारा साहिब पहुंचकर मत्था टेका और गुरु साहिब का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में उन्नाव एवं कानपुर के कीर्तनी जत्थों के साथ-साथ गुरुद्वारा बंगला साहिब, नई दिल्ली से आए प्रसिद्ध कीर्तनी भाई गुरमेल सिंह जी अपने जत्थे सहित, कानपुर से भाई मनोहर सिंह जी तथा उन्नाव से भाई शुभम सिंह जी अपने-अपने जत्थों के साथ उपस्थित रहे। मधुर शबद-कीर्तन से पूरा वातावरण गुरु महिमा से सराबोर हो गया। गुरुकथा का वाचन करते हुए कथावाचक भाई अमर सिंह जी ने श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के महान जीवन, उनके अद्वितीय बलिदान तथा खालसा पंथ की स्थापना पर विस्तार से प्रकाश डाला। संगत ने कथा का श्रद्धा भाव से श्रवण किया।

राष्ट्रीय युवा सप्ताह के अंतर्गत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत लखीमपुर खीरी व जिला युवा अधिकारी श्री संकल्प शुक्ला के मार्गदर्शन में स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय युवा दिवस के तहत मैथमैटिकल स्टडी प्वाइंट कोचिंग सेंटर में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता व संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राजेश कुमार कोचिंग संचालक रहे।प्रतियोगिता में 50 से अधिक संख्या में विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के परिणाम घोषित करते हुए प्रथम स्थान जितिन वर्मा, द्वितीय स्थान योगेन्द्र सिंह तथा तृतीय स्थान समर मौर्य ने प्राप्त किया। विजेताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि राजेश कुमार ने विजेता छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के साथ आत्मविश्वास भी बढ़ाती हैं। कार्यक्रम का संचालन रितेश वर्मा युवा मण्डल अध्यक्ष द्वारा किया गया तथा समापन प्रेरक संदेश के साथ किया गया।

मिशन शक्ति केन्द्रों की प्रगति की मासिक समीक्षा, महिला सुरक्षा पर दिया गया विशेष जोर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। आज पुलिस लाइन सभागार, उन्नाव में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह की अध्यक्षता एवं क्षेत्राधिकारी सफीपुर सोनम सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में जनपद के समस्त थानों के मिशन शक्ति केन्द्रों के प्रभारी अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ मासिक समीक्षा गोष्ठी का आयोजन किया गया। बैठक में मिशन शक्ति केन्द्रों के माध्यम से संचालित महिला सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण एवं जागरूकता कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। गोष्ठी के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ने महिला अपराधों से जुड़े संवेदनशील मामलों में त्वरित, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही मिशन शक्ति से संबंधित पंजीकृत अभियोगों की विवेचनात्मक कार्यवाही की स्थिति की समीक्षा करते हुए लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण पर विशेष बल दिया गया।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर एबीवीपी गोला नगर इकाई ने किए विविध कार्यक्रम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद गोला नगर इकाई द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर नगर में विभिन्न सामाजिक व वैचारिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों की शुरुआत प्रातः अशोक चौराहे पर आमजन को चाय व छाछ वितरण से की गई। इसके उपरांत नीलकंठ मैदान में गरीबों को निशुल्क वस्त्र वितरण किया गया। इसके बाद पैरामाउंट प्रशिक्षण क्लासेज में युवा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में प्रांत प्रवासी के रूप में उपस्थित प्रांत सेवार्थ विद्यार्थी संयोजक अलख कान्त श्रीवास्तव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद केवल संत ही नहीं, बल्कि भारत की युवा शक्ति के शिल्पकार थे। वहीं प्रशिक्षण क्लासेज के प्रशिक्षण निर्देशक पटेल सुशील वर्मा ने कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा करना केवल सैनिकों का कार्य नहीं है, बल्कि युवाओं का भी कर्तव्य और दायित्व है। इस अवसर पर जिला सह-संयोजक अक्षत पांडे, तहसील संयोजक प्रशांत गुप्ता, तहसील सह-संयोजक हर्ष भारद्वाज, नगर मंत्री कृष्णा शुक्ला, नगर एसएफएस सह-संयोजक दीपक मिश्रा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

महर्षि महेश योगी का 109 वां जन्मोत्सव समारोह धूमधाम से मनाया गया

पैलानी/बांदा। भावातीत ध्यान के प्रणेता महर्षि महेश योगी जी का 109 वां जन्मोत्सव समारोह श्ज्ञान योग दिवसश् के रूप में बांदा जनपद के अंतर्गत ग्राम भवानी पदारथपुर में महर्षि संस्था के संचालक ब्रह्मचारी गिरीश के मार्गदर्शन में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि चिल्ला थाना प्रभारी अनूप दुबे द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया तत्पश्चात आश्रम के बटुको द्वारा गुरु परंपरा पूजन, भवति ध्यान का सामूहिक अभ्यास, वेद पाठ, पुरुष सूक्त का पाठ, हनुमान चालीसा वा रुद्राभिषेक पूजन किया गया आश्रम प्रभारी राज नारायण निगम व अनिल खरे ने बताया कि महर्षि महेश योगी जी ने भवातीत ध्यान के माध्यम से पूरे विश्व में सुख शांति एवं समृद्धि स्थापित करने का संदेश दिया है पूरे भारत में सनातन धर्म के उत्थान हेतु गुरुकुल स्थापित कर ब्राह्मणों को निशुल्क वेद पुराण आदि की शिक्षा का कार्य महर्षि जी ने किया है क्योंकि स्वस्थ मस्तिष्क से कार्य करने की क्षमता कई गुना बढ़ जाती है महर्षि जी ने पूरे यूरोप में राम मुद्रा चलाई है। महर्षि जी के परम शिष्यों में श्री श्री रविशंकर जी, विटल्स ग्रुप, दीपक चोपड़ा, डॉक्टर टोनी निडर जैसे व्यक्ति शामिल हैं। कार्यक्रम में बटुक छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न किया गया कार्यक्रम के उपरांत प्रसाद वितरण किया गया कार्यक्रम में आचार्य पंडित कमलेश तिवारी पंडित प्यारेलाल, पंडित वंशवर्धन ,कीर्ति ब्रह्म पांडे, हरवीर सिंह, सत्येंद्र अशोक अवस्थी व चिल्ला थाना का समस्त थाना स्टाफ आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

दबंगो ने महिला के साथ की छेडछाड़

बांदा। अतर्रा थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले की रहने वाली पीड़िता काजल ने अतर्रा थाना सहित उच्च अधिकारियों को शिकायती पत्र देते हुए बताया था कि वह थाना क्षेत्र की एक मोहल्ले की रहने वाली है शाम को 6रू30 बजे घर में अकेली थी तभी पड़ोसी सुमित पुत्र श्यामलाल राणा पीड़िता के घर आकर कहां की काजल तुम मुझे बहुत अच्छी लगती हो और तुम मेरा ख्याल नहीं रखती हो और पीड़िता को अश्लील कमेंट करने लगा पीड़िता ने मना किया तो सुमित और उसका भाई शनि भी आ गया और दोनों पीड़िता को मां बहन की गंदी-गंदी गालियां देते हुए मारने दौड़े कई बार सुमित गलत कमेंट व बुरी नियत से पकड़ने का भी प्रयास किया है उक्त सुमित कई बार नंगा होकर दरवाजे पर प्रदर्शन भी करता है।जिसका वीडियो भी है। पीड़िता बहुत परेशान करता है उक्त लोग दबंग किस्म के व्यक्ति हैं कभी भी पीड़िता के साथ कोई भी बड़ी घटना जबरदस्ती कर सकते हैं। पीड़िता ने स्थानीय पुलिस पर भी कार्यवाही न करने का आरोप लगाया है बताया कि थाने में कई बार शिकायती पत्र दिया लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की पीड़िता की मांग है कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई हो जिससे न्याय मिले। जब वही पूरे मामले की जानकारी थाना प्रभारी निरीक्षक अतर्रा से की गई तो उनके द्वारा बताया गया की गाली गलौज की घटना सामने आई है और जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

बाइक सवार अनियंत्रित को होकर गिरकर घायल

बबेरू/बांदा। बबेरू कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत आहार गांव के पास मंगलवार की दोपहर बाइक सवार दो लोग अनियंत्रित होकर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। बबेरू कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत मुरवल गांव निवासी संपूर्णन पुत्र बदुवा उम्र 22 वर्ष, व तिंदवारी थाना क्षेत्र के परसौडा गांव निवासी नरेंद्र सिंह पुत्र प्रेमचंद उम्र 28 वर्ष, यह दोनों एक ही बाइक में सवार होकर आज मंगलवार की दोपहर मुरवल गांव जा रहे थे, तभी आहार गांव के पास तेज रफ्तार बाइक होने की वजह से अनियंत्रित होकर फिसल कर गिर गई, जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए, सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे समाजसेवी पीसी पटेल ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बबेरू में भर्ती कराया।

टीजीटी परीक्षा : कलेक्ट्रेट में डीएम-एसपी ने परीक्षा तैयारियों की कड़ी समीक्षा, दिए निर्देश

पूर्वाभ्यास और गाइडलाइन का पालन जरूरी : डीएम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- 17 जनवरी को 25 केंद्रों पर होगी टीजीटी परीक्षा, 10,080 अभ्यर्थी होंगे शामिल

लखीमपुर खीरी। उप्र लोक सेवा आयोग, प्रयागराज की सहायक अध्यापक प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी (पुरुष/महिला) प्रारंभिक परीक्षा-2025 को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। 17 जनवरी को प्रस्तावित परीक्षा को नकलविहीन, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। इसी क्रम में मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने एसपी संकल्प शर्मा के साथ परीक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त और स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि परीक्षा से जुड़ी जिम्मेदारी एक अत्यंत संवेदनशील कार्य है, जिसमें किसी भी स्तर पर की गई छोटी से छोटी चूक भी अक्षम्य मानी जाएगी। डीएम ने स्टैटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापकों, सह केंद्रव्यवस्थापकों को निर्देशित किया कि परीक्षा से पहले सभी व्यवस्थाओं की भलीभांति जांच कर लें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परीक्षा कक्ष में सीसीटीवी कैमरा, अभ्यर्थियों की सघन तलाशी, तथा सीटिंग प्लान के अनुरूप बैठाने जैसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

डीएम ने अधिकारियों से कहा कि परीक्षा की गाइडलाइन को अच्छी तरह पढ़ें ताकि किसी भी प्रकार की त्रुटि की संभावना शून्य रहे। हर अभ्यर्थी की आईडी जांचना अनिवार्य होगा, और परीक्षा नियमों का एक भी उल्लंघन पूरी प्रक्रिया को संदेह के घेरे में ला सकता है। सभी अधिकारी पूर्वाभ्यास के तौर पर केंद्रों का निरीक्षण करें और किसी भी प्रकार की कमी को तुरंत दूर करें। परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

एसपी संकल्प शर्मा ने कहा कि परीक्षा के दौरान पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रहेगी। स्पेशल सेल को एक्टिव किया गया है। हर परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा। उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

दो पालियों में परीक्षा, हर अभ्यर्थी पर रहेगी नजर

टीजीटी प्रारंभिक परीक्षा 17 जनवरी को दो पालियों में होगी। पहली पाली सुबह 9 से 11 बजे और दूसरी पाली दोपहर 3 से 5 बजे तक चलेगी। जिले में कुल 25 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। पहली पाली में 14 और दूसरी पाली में 11 केंद्रों पर परीक्षा होगी। पहली पाली में 5472 और दूसरी पाली में 4608 अभ्यर्थी शामिल होंगे। कुल 10,080 अभ्यर्थियों की परीक्षा होगी, जिन पर प्रशासन की चौकस निगाह रहेगी।

अधिकारियों को पढ़ाया 'परीक्षा का पाठ

बैठक की शुरुआत में एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह और अनिल कुमार रस्तोगी ने परीक्षा की रूपरेखा, समय-सारणी और आयोग के निर्देशों की जानकारी दी। उन्होंने अफसरों को परीक्षा में उनके उत्तरदायित्व बताते हुए आयोग के निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने को कहा। वहीं आयोग द्वारा नामित समन्वयी पर्यवेक्षक अजित कटियार ने परीक्षा से जुड़ी तकनीकी बारीकियां और प्रक्रिया संबंधी दिशा-निर्देश समझाए। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों के प्रश्नों का सटीक और सारगर्भित उत्तर देकर उनकी शंकाओं का समाधान किया।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला जीतने के लिए उतरेगी आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम

एजेंसी

राजकोट। विराट कोहली की शानदार फॉर्म ने भारत की कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों को लेकर बढ़ती चिंताओं को कुछ हद तक कम कर दिया है और वह न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत हासिल करके तीन मैच की श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगा। भारत ने वडोदरा में खेले गए पहले मैच में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया था। वाशिंगटन सुंदर उस मैच में चोटिल हो गए थे और वह वनडे श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। चयनकर्ताओं ने दिल्ली के आयुष बडोनी को टीम में शामिल किया है, लेकिन भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर की ऑलराउंडर को प्राथमिकता देने की रणनीति को देखते हुए नीतीश कुमार रेड्डी के रूप में एक और ऑलराउंडर को अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है। ऋषभ पंत पहले वनडे से पूर्व चोटिल होने के कारण श्रृंखला से बाहर हो गए थे। चयनकर्ताओं ने उनकी जगह ध्रुव जुरेल को टीम में शामिल करने का फैसला किया, जो टीम प्रबंधन के लिए विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में एक और विकल्प हो सकते हैं। भारतीय टीम के पास कई विकल्प हैं लेकिन अगले महीने से शुरू होने वाले टीम टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए वह किसी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहेगी। टी20 में वनडे टीम से बिल्कुल अलग बल्लेबाजी क्रम होगा। लेकिन कुछ नाम दोनों टीमों में समान हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण नाम ऑलराउंडर तिलक वर्मा का है जो ग्रोइन की चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ कम से कम पहले तीन टी20 मैचों में नहीं खेल पाएंगे।

भारतीय टीम की इन चिंताओं के बीच सभी की निगाह कोहली और रोहित शर्मा पर टिकी रहेगी जो अब अपने करियर के अंतिम पड़ाव में हैं। पहले मैच में कोहली वनडे में अपने 54वें शतक से चूक गए, लेकिन उनकी 91 गेंदों पर खेली गई 93 रन की पारी ने भारत की जीत की नींव रखी। भारत और न्यूजीलैंड की टीमों में काफी अंतर नजर आता है। कीवी टीम का गेंदबाजी आक्रमण मजबूत नहीं है और भारतीय बल्लेबाज इसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। पहले मैच में कप्तान शुभमन गिल ने सधी हुई अर्धशतकीय पारी खेली जबकि उप कप्तान श्रेयस अय्यर एक रन से अर्धशतक बनाने से चूक गए। रोहित शर्मा फिर से भारत को अच्छी शुरुआत दिलाने की कोशिश करेंगे। कोहली इस समय अलग ही तरह की क्रिकेट खेल रहे हैं और वह आत्मविश्वास से भरे हुए नजर आते हैं। ऐसा लगता है कि वह अपेक्षाओं और आलोचनाओं के बोझ से पूरी तरह मुक्त हैं। कोहली ने शुरुआत से ही न तो आक्रामक बल्लेबाजी करने से परहेज की है और न ही रन बनाने का कोई मौका छोड़ा है। यही कारण है कि उन्होंने वडोदरा में सभी प्रारूपों में सबसे कम पारियों में 28,000 रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया।

आइस हॉकी लीग सीजन 3 के साथ लद्दाख में शानदार वापसी, उभरती प्रतिभाओं को मिलेगा सशक्त मंच

लेह। रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग अपने तीसरे सीजन के साथ एक बार फिर लद्दाख में लौट रही है। यह लीग 29 जनवरी से 14 फरवरी 2026 तक आयोजित की जाएगी। रॉयल एनफील्ड सोशल मिशन के तहत, लद्दाख केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन और आइस हॉकी एसोसिएशन ऑफ लद्दाख के सहयोग से आयोजित यह लीग न केवल प्रतिस्पर्धा का मंच है, बल्कि हिमालयी क्षेत्रों में आइस हॉकी के दीर्घकालिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल भी है। इस सीजन में लीग का दायरा और अधिक व्यापक हो गया है। विस्तारित राउंड-रॉबिन फॉर्मेट के तहत पुरुष वर्ग की 11 और महिला वर्ग की 6 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनके बीच कुल 75 मुकाबले खेले जाएंगे। यह संरचना खिलाड़ियों को अधिक मैच अनुभव देने और प्रतिस्पर्धात्मक गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक ले जाने पर केंद्रित है। रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग सीजन 3 एक व्यापक तकनीकी विकास कार्यक्रम का प्रतिस्पर्धात्मक चरण है, जिसकी नींव दिसंबर 2025 में रखी गई थी। अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षक डैरिल ईसन के नेतृत्व में आइस हॉकी कोचों के विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसके बाद प्रशिक्षित कोच अपने-अपने समुदायों में लौटकर स्थानीय प्रतिभाओं की पहचान और टीमों की व्यवस्थित तैयारी में जुटे। इस तरह, लीग जमीनी स्तर के प्रशिक्षण और उच्च गुणवत्ता वाली प्रतिस्पर्धा के बीच एक सशक्त सेतु का कार्य करती है। लेह में आयोजित यह टूर्नामेंट दूरदराज के हिमालयी क्षेत्रों के खिलाड़ियों को संरचित लीग फॉर्मेट और पेशेवर रूप से प्रबंधित प्रतियोगिता का अनुभव देता है। वर्ष 2026 संस्करण में लेह, नुब्रा, कारगिल, ज़ांस्कर, चांगथांग और आसपास के क्षेत्रों की टीमें भाग लेंगी। इस सीजन में खारू क्षेत्र से दो नई टीमें–खारू ईगल्स (महिला) और खारू फाल्कन्स (पुरुष)–लीग में पदार्पण करेंगी, जो लीग के निरंतर विस्तार और समावेशी दृष्टिकोण को दर्शाता है। खेल के इकोसिस्टम को और मजबूत करते हुए, दिसंबर 2025 में पहली बार एक समर्पित रेफरी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका नेतृत्व इंटरनेशनल आइस हॉकी फ़ेडरेशन के ऑफिशिएटिंग इंस्ट्रक्टर पीटर गेबी ने किया। इस पहल का उद्देश्य मैच संचालन के मानकों को बेहतर बनाना, पेशेवर गेम डिलीवरी सुनिश्चित करना और भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए प्रशिक्षित रेफरी तैयार करना है। आइस हॉकी लीग केवल खेल तक सीमित नहीं है। मुकाबलों के दौरान जमी हुई रिंक सामुदायिक उत्सव स्थलों में बदल जाती हैं, जहां स्थानीय परिवार, समर्थक और पर्यटक एक साथ जुटते हैं।

भारत सीरीज़ के बाद क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेंगी ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की कप्तान और दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज़ एलिसा हीली ने घोषणा की है कि वह भारत के खिलाफ आगामी घरेलू बहु-प्रारूप श्रृंखला (फरवरी-मार्च) के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लेंगी। हालांकि, वह इस सीरीज़ के टी20 मुकाबलों में हिस्सा नहीं लेंगी, लेकिन वनडे और पर्थ में होने वाले एकमात्र डे-नाइट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करती नजर आएंगी। टी20 विश्व कप 2026 की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए हीली ने टी20 इंटरनेशनल से दूरी बनाने का फैसला किया है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज विकेटकीपर इयान हीली की भतीजी एलिसा हीली ने 2010 में 19 वर्ष की उम्र में न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। अपने करियर के अंत तक वह ऑस्ट्रेलिया के लिए 162 टी20क्र 126 वनडे और 11 टेस्ट मैच खेल चुकी होंगी। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके नाम रिकॉर्ड 126 डिसमिसल दर्ज हैं। मेग लैनिंग के संन्यास के बाद 2023 में एलिसा हीली ने ऑस्ट्रेलिया की पूर्णकालिक कप्तानी संभाली। कप्तान के रूप में उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि इंग्लैंड के खिलाफ 16-0 से एशेज की ऐतिहासिक क्लीन स्वीप जीत रही। उनके नेतृत्व में ऑस्ट्रेलिया ने 2024 महिला टी20 विश्व कप और 2025 महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। महिला क्रिकेट की सबसे विस्फोटक बल्लेबाज़ों और बेहतरीन विकेटकीपरों में शुमार एलिसा हीली आठ आईसीसी वर्ल्ड कप विजेता अभियानों (छह टी20 और दो वनडे) का हिस्सा रहीं। उनके नाम वर्ल्ड कप फाइनल में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर और महिला टी20क्रमें विकेटकीपर द्वारा सबसे अधिक डिसमिसल जैसे कई रिकॉर्ड दर्ज हैं। वह 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में ऑस्ट्रेलिया की स्वर्ण पदक विजेता टीम की भी सदस्य रहीं।

दिल्ली कैपिटल्स और यूपी वॉरियर्स की नजर पावरप्ले में दबदबा बनाने पर

एजेंसी

नवी मुंबई। यूपी वॉरियर्स और दिल्ली कैपिटल्स की टीम बुधवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मैच में जब आमने-सामने होगी तो उनकी निगाह पावरप्ले में अपने प्रदर्शन में सुधार करने पर टिकी रहेगी। वॉरियर्स के बल्लेबाज पावरप्ले में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं जबकि कैपिटल्स के गेंदबाज खेल के इस महत्वपूर्ण हिस्से में जूझते रहे हैं। कैपिटल्स ने जेमिमा रोड्रिग्स की कप्तानी में आदर्श शुरुआत नहीं की है और उसकी टीम अपने अभियान को पटरी पर लाने के लिए बेताब होगी। गुजरात जायंट्स से हार के बाद रोड्रिग्स ने कहा था, ''मुझे लगता है कि पावरप्ले में हमारी गेंदबाजी अच्छी नहीं रही है। मुझे लगता है कि हमें अपनी रणनीति को और बेहतर बनाने की जरूरत है।' दिल्ली कैपिटल्स के लिए अब तक की सकारात्मक बात गेंदबाज श्री चरणी और नंदनी शर्मा का अच्छा प्रदर्शन रहा है। नंदिनी ने पिछले मैच में हैट्रिक बनाई थी जिससे उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ा हुआ होगा। दूसरी ओर यूपी वॉरियर्स को पावरप्ले में अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी। पहले दो मैचों में हरलीन देओल और किरण नवगिरे ने मेग लैनिंग के साथ पारी की शुरुआत की लेकिन यह दोनों संयोजन कारगर साबित नहीं हुए। टीम प्रबंधन को लैनिंग के साथ पारी की शुरुआत करने के लिए एक अदद खिलाड़ी ढूंढनी होगी। भारतीय तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ और शिखा पांडे को भी अपने प्रदर्शन में सुधार करने की जरूरत है। डिएंड्रा डॉटिन को भी पिछले मैच की निराशा से उबरना होगा। ग्रेस हैरिस ने इस मैच में उनके एक ओवर में 32 रन ठोक दिए थे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हार के बाद कप्तान लैनिंग ने कहा, ''निश्चित रूप से कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें हमें सुधार करने की जरूरत है। विशेषकर शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। हमने शुरुआत में बहुत सारी डॉट बॉल खेलीं।''

टीम इस प्रकार हैं: दिल्ली कैपिटल्सः जेमिमा रोड्रिग्स (कप्तान), शैफाली वर्मा, मारिजान कप्प, निकी प्रसाद, लौरा वोल्वार्ट, चिनेले हेनरी, श्री चरणी, स्नेह राणा, लिजेल ली, दीया यादव, तानिया भाटिया, ममता मादीवाला, नंदनी शर्मा, लुसी हैमिल्टन, मिन्नू मणि, अलाना किंग।

यूपी वारियर्सः मेग लैनिंग (कप्तान), श्वेता सहरावत, दीप्ति शर्मा, सोफी एक्लेस्टोन, फोएबे लिचफील्ड, किरण नवगिरे, हरलीन देयोल, क्रांति गौड़, आशा शोभना, डिएंड्रा डॉटिन, शिखा पांडे, शिप्रा गिरी, सिमरन शेख, क्लो ट्रायॉन, सुमन मीना, जी त्रिशा, प्रतिका रावल, चार्ली नॉट।

संक्षिप्त समाचार

प्रमुख टूर्नामेंटों के बीच अधिक वनडे न होने से इस श्रृंखला का महत्व बढ़ गया है: निकोल्स

राजकोट। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज हेनरी निकोल्स ने मंगलवार को यहां कहा कि विश्व स्तर पर कई टूर्नामेंट के आयोजन के बीच सीमित संख्या में एक दिवसीय क्रिकेट होने के कारण भारत के खिलाफ मौजूदा वनडे श्रृंखला का महत्व और बढ़ गया है। वनडे विश्व कप अभी 22 महीने दूर है और इसलिए मौजूदा वनडे श्रृंखला की प्रासंगिकता और संदर्भ को लेकर फिर से सवाल उठने लगे हैं क्योंकि सभी का ध्यान अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप पर केंद्रित है। निकोल्स ने बुधवार को होने वाले दूसरे वनडे से पूर्व न्यूजीलैंड के अभ्यास सत्र से पहले मीडिया से कहा, ''जैसा कि आपने कहा कि कई प्रमुख प्रतियोगिताओं के आयोजन के बीच वनडे क्रिकेट में उतने मैच नहीं हो रहे हैं और इसलिए मुझे लगता है कि इस तरह की श्रृंखलाएं और भी महत्वपूर्ण हो जाती हैं। उन्होंने कहा, ''हममें से कुछ लोग अपने देश में लिस्ट ए क्रिकेट खेल रहे हैं, इसलिए हमें इस प्रारूप का थोड़ा अनुभव है। लेकिन यह एक ऐसा प्रारूप है जिसे खेलना हमें पसंद है। इस प्रारूप में सीमित संख्या में मैच होने के कारण यह श्रृंखला पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। निकोल्स ने कहा कि न्यूजीलैंड की टीम को अगर भारत को हराना है तो उसे अपने प्रदर्शन में निरंतरता रखनी होगी क्योंकि पहले वनडे में कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद उसे चार विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा, ''बल्लेबाजी के नजरिए से देखें तो हमने कई चीजें काफी अच्छी तरह से कीं और बात सिर्फ इतनी है कि क्या हम उन चीजों को थोड़ी देर और जारी रख सकते हैं। डेवोन (कॉनवे) और मैंने अच्छी साझेदारी की। अगर हम में से कोई एक लंबे समय तक बल्लेबाजी कर पाता है तो यह टीम के लिए अच्छा होगा। निकोल्स ने कहा, ''वनडे क्रिकेट में हमेशा ऐसा होता है। अगर आपके पास विकेट बचे हों और कोई एक बल्लेबाज क्रीज पर लंबे समय से टिका हो तो डेथ ओवरों में उसका फायदा मिलता है। निकोल्स से जब पूछा गया कि क्या न्यूजीलैंड की टीम में मौजूद कम अनुभवी खिलाड़ियों को विराट कोहली और रोहित शर्मा के खिलाफ खेलने से कुछ सीखने को मिला, तो उन्होंने कहा कि वे निश्चित रूप से कुछ दबाव बनाने में सक्षम थे। उन्होंने कहा, ''जब आप यहां आते हैं तो यही चुनौती होती है। चाहे फिर युवा खिलाड़ी हों या अनुभवी खिलाड़ी उन्हें उन खिलाड़ियों के खिलाफ खेलना होता है जिनके पास अपार अनुभव है। निकोल्स ने कहा कि 34वें ओवर के बाद एक गेंद का नियम होने से बल्लेबाजी निश्चित रूप से मुश्किल हो जाती है। उन्होंने कहा, ''हमने अपनी पारी के आखिर में भी देखा कि गेंद काफी ज्यादा नरम थी, जिससे उसे खेलना मुश्किल हो सकता है। इसीलिए अंतिम चरण में खेल को थोड़ा और कठिन बनाने के लिए एक गेंद चुनने का नियम लागू किया गया। इसलिए उससे पहले ही थोड़ा आक्रामक रुख अपनाना बेहतर होगा।''

विंबलडन के पूर्व फाइनलिस्ट मिलोस राओनिच ने संन्यास लिया

ओटावा। विंबलडन के पूर्व फाइनलिस्ट मिलोस राओनिच ने टेनिस से संन्यास ले लिया है। राओनिच 2016 में विंबलडन में ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले कनाडा के पहले पुरुष खिलाड़ी बने थे। उन्होंने सेमीफाइनल में रोजर फ़ेडरर को 6-3, 6-7, 4-6, 7-5, 6-3 से हराया था लेकिन फाइनल में एंडी मरे से हार गए थे। उस वर्ष उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में भी जगह बनाई थी। वह उस वर्ष अपनी करियर की सर्वोच्च रैंकिंग तीन पर भी पहुंचे थे। राओनिच ने एक्स पर लिखा, ''अपने सपनों को साकार करने और उन्हें पूरा करने का मौका पाकर मैं खुद को सबसे भाग्यशाली व्यक्ति मानता हूं। लेकिन अब अलविदा कहने का समय आ गया है। मैं टेनिस से संन्यास ले रहा हूं। अपनी तीखी सर्विस के कारण 'मिसाइल' नाम पाने वाले राओनिच ने 2011 में पेशेवर बनने के बाद आठ एटीपी एकल खिताब जीते। इस 35 वर्षीय खिलाड़ी के नाम पर तीन सेट के मैच में सबसे अधिक ऐस (47) लगाने का रिकॉर्ड है, जो उन्होंने 2024 में क्वींस क्लब टूर्नामेंट में बनाया था। उन्होंने अपने करियर का अंतिम मैच पेरिस ओलंपिक में खेला था, जिसमें उन्हें पहले दौर में डोमिनिक कोएफ़र से 7-6, 6-7, 6-7 से हार का सामना करना पड़ा था।

नॉर्वे शतरंज प्रतियोगिता में भाग लेंगे कार्लसन

नयी दिल्ली। शतरंज के दिग्गज मैग्नस कार्लसन ने आगामी नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में अपनी भागीदारी को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए कहा है कि वह इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भाग लेंगे, जो इस बार स्टावेंजर की जगह ओस्लो में खेली जाएगी। कार्लसन पिछले 13 वर्षों में अपनी घरेलू धरती पर होने वाले टूर्नामेंट में हमेशा खेलते रहे हैं लेकिन हाल में उन्होंने क्लासिकल शतरंज से दूरी बढ़ाने का फैसला किया था जिससे उनका इस प्रतियोगिता में भाग लेने को लेकर संदेह पैदा हो गया था। नॉर्वे शतरंज क्लासिकल प्रारूप का टूर्नामेंट है और कार्लसन इसे सात बार जीत चुके हैं। आयोजकों विज्ञप्ति में कहा, ''मैग्नस कार्लसन नॉर्वे शतरंज 2026 में अपनी भागीदारी की सार्वजनिक रूप से पुष्टि करने वाले पहले खिलाड़ी हैं। शेष प्रतिभागियों की घोषणा आने वाले सप्ताहों में की जाएगी। इसके साथ ही नॉर्वे शतरंज में भाग लेने वाली महिला खिलाड़ियों की सूची भी जारी की जाएगी। नॉर्वे शतरंज प्रतियोगिता 25 मई से पांच जून तक ओस्लो में खेली जाएगी।

भारत का दिसंबर में वनस्पति तेल का आयात आठ प्रतिशत बढ़ा : एसईए

नयी दिल्ली। भारत के वनस्पति तेल का आयात 2025-26 तेल वर्ष के दूसरे महीने दिसंबर 2025 में सालाना आधार पर आठ प्रतिशत बढ़कर 13.83 लाख टन हो गया। सोयाबीन तेल और सूरजमुखी तेल के आयात में वृद्धि इसकी प्रमुख वजह रही। उद्योग जगत की संस्था सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) मंगलवार को बताया कि दुनिया के सबसे बड़े वनस्पति तेल आयातक ने दिसंबर 2024 में खाद्य एवं गैर-खाद्य तेलों सहित 12.75 लाख टन तेल खरीदा था। एसईए के अनुसार कुल मिलाकर पाम तेल का आयात दिसंबर 2025 में 20 प्रतिशत घटकर 5.07 लाख टन रह गया जबकि 2024 की इसी अवधि में यह 6.32 लाख टन था।

ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर ट्रंप के 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा से निर्यातक चिंतित

नयी दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा के बाद निर्यातक सतर्क हैं। निर्यातकों का कहना है कि अतिरिक्त शुल्क के प्रभाव का आकलन ट्रंप प्रशासन द्वारा अधिसूचना जारी होने के बाद ही किया जा सकेगा। भारतीय निर्यातक पहले से 50 प्रतिशत अमेरिकी शुल्क का सामना कर रहे हैं। ट्रंप ने घोषणा की है कि ईरान के साथ व्यापार करने वाले किसी भी देश को अमेरिका के साथ अपने व्यापार पर 25 प्रतिशत शुल्क का भुगतान करना होगा। यह एक ऐसा कदम जो भारत, चीन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे ईरान के प्रमुख व्यापारिक भागीदारों को प्रभावित कर सकता है। निर्यातकों के संगठन 'फ़ेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशंस' (फियो) ने मंगलवार को कहा कि घरेलू कंपनियां ईरान के साथ व्यापार से संबंधित सभी प्रतिबंधों का अनुपालन कर रही हैं। हालांकि ट्रंप की ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों को 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा पर स्पष्ट जानकारी मिलने पर ही इस चेतावनी के प्रभाव का आकलन संभव हो पाएगा। ट्रंप की घोषणा से भारत-ईरान व्यापार संबंधों पर असर पड़ सकता है। फियो के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा, '' भारतीय कंपनियां और बैंक, ईरान पर लगाए गए ओएफएसी (विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय) प्रतिबंधों का पूरी तरह से और स्पष्ट रूप से पालन कर रहे हैं। हम केवल खाद्य पदार्थों और दवा क्षेत्र में ही काम कर रहे हैं जिनपर रोक नहीं है, इसलिए भारत पर किसी भी प्रतिकूल प्रभाव की आशंका का कोई आधार नहीं है। एक निर्यातक ने कहा, '' हम अमेरिकी राष्ट्रपति की घोषणा से चिंतित हैं। हम इस संबंध में अमेरिका से अधिसूचना की प्रतीक्षा कर रहे हैं। भारत से ईरान को होने वाले प्रमुख निर्यातों में चावल, चाय, चीनी, दवा, कृत्रिम रेशे, विद्युत मशीनरी और कृत्रिम आभूषण शामिल हैं। प्रमुख आयातों में सूखे मेवे, अकार्बनिक/कार्बनिक रसायन और कांच के बर्तन शामिल हैं। भारत-ईरान संबंधों का एक महत्वपूर्ण पहलू चाबहार बंदरगाह का संयुक्त विकास है। ऊर्जा से भरपूर ईरान के दक्षिणी तट पर स्थित सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित इस बंदरगाह का विकास भारत और ईरान द्वारा संपर्क एवं व्यापारिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है। भारत का ईरान को माल निर्यात 2024-25 में 1.55 प्रतिशत बढ़कर 1.24 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया जबकि आयात 29.32 प्रतिशत घटकर 44.183 करोड़ अमेरिकी डॉलर रह गया।

डेलॉयट इंडिया ने बजट में सीमा-शुल्क को युक्तिसंगत बनाने का सुझाव दिया

नयी दिल्ली। सलाहकार फर्म डेलॉयट इंडिया ने मंगलवार को सुझाव दिया कि आगामी बजट में आयात शुल्क संरचना को युक्तिसंगत बनाने और आवंटन बढ़ाने से घरेलू विनिर्माण और देश के निर्यात को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। डेलॉयट इंडिया ने कहा कि विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) व्यवस्था में सुधार, जैसे कि 'छोड़े गए शुल्क' के आधार पर घरेलू आपूर्ति की अनुमति देना, उप-अनुबंध मानदंडों को आसान बनाना और मूल्यवर्धन को सीमा-शुल्क से छूट देने के साथ ही एक सीमित सीमा-शुल्क माफी योजना से प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार होगा और मुकदमों में कमी आएगी। वित्त वर्ष 2026-27 का बजट एक फरवरी को पेश किए जाने की संभावना है। डेलॉयट इंडिया ने कहा कि भारत के निर्यात को लगातार गति देने के लिए आम बजट को घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने और निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के सरकार के मौजूदा प्रयासों को और आगे बढ़ाना चाहिए।

वेनेजुएला के घटनाक्रमों से तेल की कीमतें प्रभावित होने के आसार नहीं: क्रिसिल रेटिंग्स

नयी दिल्ली। क्रिसिल रेटिंग्स ने मंगलवार को कहा कि वेनेजुएला के हालिया घटनाक्रमों से कच्चे तेल की कीमतों पर निकट भविष्य में कोई ठोस प्रभाव पड़ने के आसार नहीं है क्योंकि वैश्विक आपूर्ति में इस लातिन अमेरिकी देश की हिस्सेदारी अपेक्षाकृत बेहद कम है। जनवरी की शुरुआत में अमेरिकी सैन्य अभियान के परिणामस्वरूप वेनेजुएला के तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को मादक पदार्थों से जुड़े आरोपों में पकड़ लिया गया था। इस घटना ने देश में अनिश्चितता उत्पन्न कर दी। वेनेजुएला के पास दुनिया के कुछ सबसे बड़े प्रमाणित कच्चे तेल के भंडार मौजूद हैं। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल रेटिंग्स ने बयान में कहा कि यदि स्थिति बिगड़ती भी है और वेनेजुएला में कच्चे तेल का उत्पादन बाधित होता है, तब भी वैश्विक तेल कीमतों पर इसका प्रभाव सीमित रहने का अनुमान है क्योंकि वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति में इस देश की हिस्सेदारी केवल 1.5 प्रतिशत है। ब्रेंट क्रूड की कीमतें हाल के दिनों में काफी हद तक स्थिर रही हैं जो 60 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के ठीक ऊपर बनी हुई हैं। भारत के संदर्भ में, वेनेजुएला के घटनाक्रमों का उसके वैश्विक व्यापार या भारतीय कंपनियों की साख पर कोई खास प्रभाव पड़ने का अनुमान नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया कि वेनेजुएला के साथ भारत का प्रत्यक्ष व्यापारिक संपर्क न्यूनतम है। इस दक्षिण अमेरिकी देश से होने वाला आयात भारत के कुल आयात का 0.25 प्रतिशत से भी कम है। वित्त वर्ष 2024-25 में हुए लगभग 14,000 करोड़ रुपये के आयात में कच्चे तेल की हिस्सेदारी 90 प्रतिशत से अधिक थी। हालांकि वेनेजुएला, भारत की कच्चे तेल की आवश्यकता का करीब एक प्रतिशत ही आपूर्ति करता है।

प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुरूप व्यापारियों को सशक्त बनाने वाला हो केंद्रीय बजट: कैट

एजेंसी

नई दिल्ली। कारोबारी संगठन कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने कहा कि आने वाला केंद्रीय बजट 2026-27 प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुरूप व्यापारियों को सशक्त बनाने वाला होना चाहिए। कैट ने मंगलवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को देशभर के व्यापारिक समुदाय की ओर से व्यापक एवं दूरदर्शी सुझाव प्रेषित किए हैं।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं चांदनी चौक के सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त, पारदर्शी और आत्मनिर्भर भारत के विज़न के अनुरूप कैट ने वित्?त मंत्री सीतारमण को ऐसे सुझाव दिए हैं, जो व्यापार को सम्मान, सरलता, सुरक्षा और समान अवसर प्रदान करते हैं। खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार द्वारा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, वोकल फॉर लोकल, लोकल फॉर ग्लोबल, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों ने देश के व्यापारिक वातावरण को नई दिशा दी है। अब जरूरत है कि आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 में इन पहलों को और मजबूत किया जाए। उन्होंने बताया कि कैट द्वारा दिए गए प्रमुख सुझावों में ट्रस्ट आधारित व्यापार व्यवस्था के तहत छोटे व्यापारियों के लिए सिंगल विंडो कंप्लायंस सिस्टम, अनावश्यक नोटिस एवं निरीक्षण पर रोक तथा व्यापारिक कानूनों के डिक्रिमिनलाइज़ेशन को तेजी से लागू करने की मांग की गई है। इसके साथ ही पार्टिसिपेटरी गवर्नेंस को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक जिले में अधिकारियों एवं व्यापारियों की संयुक्त समिति गठित करने का सुझाव दिया गया है, जिससे व्यापारिक समस्याओं का समाधान जिला स्तर पर ही हो सके। खंडेलवाल ने कहा कि कैट ने वन नेशन वन लाइसेंसवन रजिस्ट्रेशन की अवधारणा को लागू करने, सभी व्यापारिक लाइसेंसों को एक डिजिटल प्लेटफॉर्म से जारी करने तथा ऑटो-रिन्यूअल की व्यवस्था करने का भी आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के डिजिटल इंडिया विज़न को आगे बढ़ाते हुए कैट ने पारंपरिक व्यापार को आधुनिक बनाने के लिए टेक्नोलॉजी एडॉप्शन इंसेंटिव स्कीम, व्यापार को डिजिटल करने वाले उपकरणों पर सब्सिडी एवं टैक्स छूट तथा डिजिटल दुकान मिशन शुरू करने की सिफारिश की गई है। खंडेलवाल ने कहा कि ई-कॉमर्स और क्विक-कॉमर्स में भारी डिस्काउंटिंग, प्रीडेटरी प्राइसिंग और विदेशी फंडिंग से होने वाली अनुचित प्रतिस्पर्धा पर तत्काल नियंत्रण आवश्यक है। इसके लिए वाणिज्य मंत्रालय से हर ई-कॉमर्स एवं क्विक कॉमर्स कंपनी को अनिवार्य पंजीकरण, समान नियम, कड़ी निगरानी तथा फ़ेयर ट्रेड कोड लागू करने का सुझाव दिया गया है, ताकि छोटे रिटेलर्स के हित सुरक्षित रह सकें। कैट ने ईमानदार टैक्सपेयर्स को प्रोत्साहन देने के लिए टैक्सपेयर रेटिंग सिस्टम, कम स्क्रूटनी, फास्ट ट्रैक रिफंड और सस्ते ऋण की सुविधा देने की भी मांग की है। उन्होंने कहा कि ंव्यापार भी एक कौशल है- इस सिद्धांत को अपनाते हुए व्यापारियों और उनके कर्मचारियों के लिए नेशनल ट्रेडर्स स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू किया जाना चाहिए, जिसमें डिजिटल स्किल्स, अकाउंटिंग, साइबर सिक्योरिटी और कस्टमर मैनेजमेंट शामिल हों। उन्होंने बताया कि कैट ने छोटे व्यापारियों के लिए पेंशन व बीमा सुरक्षा को मजबूत करने, व्यापारी पेंशन योजना को व्यावहारिक बनाने तथा पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई और पीएम-एसवाईएम जैसी योजनाओं को और सुदृढ़ करने का आग्रह किया है। खंडेलवाल ने तेज़ी से बढ़ते साइबर अपराधों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि व्यापारियों की सुरक्षा के लिए साइबर फ्रॉड प्रोटेक्शन फंड, त्वरित मुआवज़ा व्यवस्था, सख्त डेटा प्रोटेक्शन कानून और बैंकिंग तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर डेटा दुरुपयोग पर रोक अत्यंत आवश्यक है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242

Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

कानपुर के बिल्हौर में प्रतिबंधित पशु अवशेष मामले में 10 पर मुकदमा और 2 गिरफ्तार, विधायक ने दिया 48 घंटे का अल्टीमेटम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- थाना इंचार्ज अशोक कुमार सरोज समेत चार हो चुके हैं निलंबित
- बिल्हौर विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने घटना पर जताई नाराजगी

कानपुर। उत्तर प्रदेश के बिल्हौर थाना क्षेत्र में थाने से मात्र डेढ़ किमी दूर और मंदिर के पास 100 से भी अधिक प्रतिबंधित पशुओं के अवशेषों के मामले में आज पुलिस ने वादी बनकर दस नामजद लोगों के खिलाफ पशु क्रूरता के तहत मुकदमा दर्ज किया है जबकि दो को गिरफ्तार और चार को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। वहीं क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने भी पुलिस को 48 घण्टों का अल्टीमेटम देते हुए आरोपितों के खिलाफ 302 के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है। देर शाम गौरी-कुटरा मार्ग पर धार्मिक स्थल से 300 मीटर दूर और थाने से मात्र डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर मिले प्रतिबंधित पशुओं के अवशेष मिले थे। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दबिश दी जा रही है। इसके अलावा हिरासत में लिए गए चार लोगों पूछताछ की जारी है। संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) आशुतोष कुमार ने मंगलवार को बताया कि घटनास्थल थाना क्षेत्र से मात्र लगभग डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और उन्हें इस बात की कोई खबर ही नहीं थी। जिसके चलते थाना प्रभारी थाना इंचार्ज अशोक कुमार सरोज, कस्बा प्रभारी प्रेमवीर सिंह, हल्का प्रभारी आफताब आलम और हेड कॉन्स्टेबल दिलीप गंगवार को निलंबित कर दिया है।

इसके अलावा घटना के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों द्वारा मौके पर खड़ी तीन से चार वाहनों में तोड़फोड़ कर शीशे आदि क्षतिग्रस्त कर दिए गए, जिनमें से कुछ वाहन स्थानीय लोगों के बताए गए हैं। सुरक्षा की दृष्टि से मौके पर भारी पुलिस बल के साथ-साथ पीएसी की तैनाती की गई है। बिल्हौर विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने भी आज पुलिस के आला अधिकारियों से नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि 48 घंटे के अंदर आरोपितों को गिरफ्तार किया जाए। फिर चाहे वह वर्दी में हो, कुर्ते में हो या सामान्य व्यक्ति हो।

रालोद के प्रदेश सचिव को सगे भतीजे ने संपत्ति विवाद में मारी गोली, हालत नाजुक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- बाराबंकी के कुर्सी थाना क्षेत्र का मामल
- आरोपी भतीजा गिरफ्तार
- घायल अफसर अली राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश सचिव

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के जनपद बाराबंकी जिले में बीती रात राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के प्रदेश सचिव अफसर अली को गोली मार दी गई। यह घटना संपत्ति बंटवारे के पुराने विवाद में उनके सगे भतीजे द्वारा की गई बताई जा रही है। गंभीर रूप से घायल अफसर अली को तत्काल लखनऊ के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला कुर्सी थाना क्षेत्र के लोहराहार गांव का है। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के प्रदेश सचिव अफसर अली वर्तमान में लखनऊ में अपने परिवार के साथ रहते हैं। सोमवार को पड़ोस के एक गांव में एक परिचित के निधन पर अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए अपने पैतृक गांव आए थे। अंतिम संस्कार के बाद देर रात अफसर अली गांव की एक दुकान के पास ग्रामीणों के साथ बैठकर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान उनका सगा भतीजा उबैद वहां पहुंचा और तमंचे से उन पर फायर कर दिया। गोली के छर्रे अफसर अली के सीने में लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीण तत्काल उन्हें इलाज के लिए लखनऊ स्थित राम मनोहर लोहिया अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही कुर्सी थाना पुलिस हरकत में आ गई और गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया। मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी फतेहपुर जगतराम कनौजिया ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और परिजनों से पूछताछ की। सीओ ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला संपत्ति बंटवारे के पुराने विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सीओ जगतराम कनौजिया ने बताया कि चाचा पर गोली चलाने के आरोपित उबैद को गिरफ्तार कर लिया गया है और उससे गहन पूछताछ की जा रही है। वहीं कोतवाल कृष्णकांत सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित ने पूछताछ में स्वीकार किया है कि उसका अपने चाचा अफसर अली से जमीनी विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते उसने इस वारदात को अंजाम दिया। इस मामले में चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

शिक्षा विभाग की बैठक में न आना लापरवाह बीईओ को पड़ा भारी, सीडीओ ने दिए वेतन रोकने के निर्देश

बलिया। उत्तर प्रदेश जनपद बलिया के मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में शिक्षा विभाग की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

उन्होंने बैठक में गैरहाजिर होने पर नाराजगी जताते हुए कार्यों में लापरवाही और अनुशासनहीनता बरतने वाले खंड शिक्षा अधिकारी नगर क्षेत्र का वेतन रोकने के निर्देश दिये। समीक्षा बैठक के दौरान खंड शिक्षा अधिकारी सदर के बिना किसी सूचना के अनुपस्थित रहने पर मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की।

मकर संक्रांति की आहट : बाजारों में सजी तिल–गुड़ और गजक की अस्थायी दुकानें

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- गुड़-मूंगफली की पट्टी की खुशबू से महके बाजार, बहन-बेटियों के यहां भेजी जा रही खिचड़ी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में मकर संक्रांति पर्व की आहट अब बाजारों से लेकर घर-आंगन तक सुनाई देने लगी है। शहर के चेतगंज, लहुराबीर, जगतगंज, लक्सा, औरंगाबाद मार्ग, लंका सहित कई इलाकों में तिल, पट्टी, गजक, गुड़ की पट्टी और ढुंढ़ा लाई की अस्थायी दुकानें सज गई हैं। इन दुकानों पर पर्व की तैयारी के लिए लोगों की चहल-पहल बढ़ गई है। दोपहर बाद से ही बाजारों में खरीदारों की भीड़ उमड़ने लगती है। गुड़ और तिल से बनी मिठाइयों की खुशबू पूरे बाजार को पर्वमय बना रही है। परंपरा के अनुसार शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में लोग अपनी बहन-बेटियों के यहां खिचड़ी–जिसमें तिल की पट्टी, गजक, वस्त्र और साड़ियां शामिल हैं–भेजने लगे हैं। हालांकि, बढ़ती महंगाई और व्यस्त जीवनशैली के चलते अब यह परंपरा सीमित लोगों तक सिमटती नजर आ रही है। जगतगंज धूपचंडी क्षेत्र के तिल पट्टी विक्रेता राजेश कुमार बताते हैं कि मकर संक्रांति को लेकर लोगों में खासा उत्साह है। लोग अपनी पसंद के अनुसार गुड़ की पट्टी, गजक, तिल और ढुंढ़ा खरीद रहे हैं। वर्तमान में गुड़ की पट्टी 160 रुपये प्रति किलो, जबकि गजक 200 से 250 रुपये प्रति किलो की दर से बिक रही है। उधर,पर्व का उत्साह बच्चों में भी देखने को मिल रहा है। बच्चे अपने अभिभावकों से पतंग और परेती की खरीदारी करवा रहे हैं, जिससे पतंग बाजारों में भी रौनक बढ़ गई है। पंचांग के अनुसार मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करते हैं, जिसके साथ ही सूर्य के उत्तरायण होने की शुरुआत होती है। सनातन धर्म में सूर्य का उत्तरायण होना शुभ माना गया है। सनातन धर्म में मान्यता है कि सूर्य देव साल में लगभग 6 महीने उत्तरायण और 6 महीने दक्षिणायन रहते हैं। सूर्य का उत्तरायण होना शुभ संकेत माना गया है। इसके बाद दिन बड़े और रातें छोटी होने लगती हैं। इस वर्ष सूर्य देव 14 जनवरी को अपरान्ह 3 बजकर 7 मिनट पर मकर राशि में प्रवेश करेंगे। सूर्य का संक्रमण अपरान्ह में होने के कारण पवित्र नदियों में स्नान, दान और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए 15 जनवरी को अधिक शुभ माना जा रहा है। ज्योतिषविद रविन्द्र तिवारी के अनुसार 15 जनवरी को मकर संक्रांति के अवसर पर सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग का निर्माण हो रहा है।

उरई में धर्मांतरण और 'घर वापसी' का विवादित मामला आया सामने

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उरई। जिले में एक बुजुर्ग व्यक्ति के धर्मांतरण और बाद में हिंदू संगठनों द्वारा कराई गई 'घर वापसी' का मामला सामने आया है। यह पूरा मामला जिले के उरई कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला बघौरा बाईपास का है। बुजुर्ग ने मंगलवार को मंदिर में मुस्लिम धर्म को त्यागकर हिंदू धर्म अपना लिया। बता दें कि, पूरा मामला उरई कोतवाली क्षेत्र का है। यहां के निवासी गोपी अहिरवार नाम के एक बुजुर्ग ने फरीदाबाद में रहने वाली मुस्लिम महिला रेशमा पर आरोप लगाया है कि लगभग 15 वर्ष पहले उसने धमकी और दबंगई के दम पर उनका जबरन धर्मांतरण करवाया और उनका नाम दीन मोहम्मद रख दिया। बुजुर्ग ने यह भी आरोप लगाया कि महिला ने उनकी जमीन हड़प ली और उन्हें घर में बंद कर मारपीट भी की। बुजुर्ग की शिकायत विश्व हिंदू परिषद (VHP) के सामने आई। VHP के पदाधिकारी बलवीर सिंह जादौन के नेतृत्व में संगठन ने इस मामले में हस्तक्षेप किया। अन्य हिंदू संगठनों ने पीडब्ल्यूडी कार्यालय परिसर में स्थित हनुमान मंदिर में एक 'शुद्धिकरण' कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में बुजुर्ग गोपी अहिरवार (दीन मोहम्मद) ने गंगाजल से शुद्धिकरण करवाया, अपनी दाढ़ी बनवाई, भगवा वस्त्र पहने और तिलक लगाकर हिंदू धर्म में वापसी की। बुजुर्ग ने अपने आधार कार्ड सहित सम्बंधित दस्तावेजों के साथ जालौन के पुलिस अधीक्षक (एसपी) डॉ. दुर्गेश कुमार के समक्ष आरोपित महिला के खिलाफ आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है। वहीं, VHP पदाधिकारी बलबीर सिंह जादौन ने बताया कि VHP हिंदुओं पर किसी भी प्रकार के अत्याचार और जबरन धर्मांतरण के खिलाफ खड़ी है। इस मामले में पीड़ित की सहायता करना और उसकी धार्मिक पहचान वापस दिलाना उनका कर्तव्य था। फिलहाल, कोतवाली प्रभारी हरी शंकर का कहना है कि प्राप्त तहरीर के आधार पर पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

बीएचयू के प्रो.टी. पी.चतुर्वेदी इंडियन डेंटल एसोसियेशन के चुने गए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के दंत संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान के सीनियर प्रोफ़ेसर टी.पी. चतुर्वेदी भुवनेश्वर, ओडिसा में इंडियन डेंटल एसोसिएशन के सत्र 2026-27 में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चुने गए। मंगलवार को यह जानकारी विश्वविद्यालय के जनसम्पर्क कार्यालय ने दी।

बताया गया कि प्रो.चतुर्वेदी तीन बार उत्तर प्रदेश के डेंटल एसोसिएशन अध्यक्ष और दो बार उपाध्यक्ष रह चुके हैं। इस संगठन का मुख्य उद्देश्य आम लोगों के मुख एवं दाँत के रोगों के बारे में जागरूकता और नित दंत चिकित्सा में नए उपचार शोध के लिए दंत चिकित्सक को प्रोत्साहित करना है । दन्त चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध, शिक्षा और चिकित्सा को इंडियन डेंटल एसोसिएशन राष्ट्रीय स्तर पर उत्साहित करती है। डॉक्टर चतुर्वेदी इंडियन डेंटल एसोसिएशन के कार्यकारिणी के सदस्य पिछले 20 वर्षों से है। वे पिछले कई सालों से लोगों को दंत चिकित्सा के प्रति जागरूक करने के लिए कई कैम्प लगा चुके हैं । इनके नेतृत्व में कई बार राष्ट्रीय और प्रदेश के स्तर पर डेंटल कांफ्रेंस का आयोजन भी हुआ है। प्रो. टी. पी. चतुर्वेदी संकाय प्रमुख एवं विभागाध्यक्ष, दंत संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के 2011 से 2014 तक रह चुके हैं। प्रो. चतुर्वेदी ने चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में दंत संकाय का भवन के साथ- साथ स्नातक, डिप्लोमा एवं कई परास्नातक पाठ्यक्रम इस संकाय में शुरू करवाने में अपना योगदान दिया है। प्रो.चतुर्वेदी ने डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य के रूप में दंत चिकित्सा क्षेत्र में कई क्षेत्रों में राष्ट्रीय स्तर पर कार्य किया है।

खतौनियों के निर्धारण में हुई त्रुटियों के संशोधन के लिए कार्यक्रम निर्धारित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर। यूपी के जौनपुर के जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने बताया है कि राजस्व परिषद ने प्रदेश के सभी राजस्व ग्रामों की खतौनियों में खातेदारों-सह खातेदारों के गाटों के अंश निर्धारण में हुई त्रुटियों और लोप के संशोधन-दर्ज करने के लिए कार्यक्रम निर्धारित किया है। जो 15 मार्च तक छह चरणों में रोस्टरवार पूरा किया जाएगा।

इस कार्यक्रम के तहत, प्रत्येक ग्राम में पूर्व निर्धारित तिथि, समय और स्थान पर खतौनियों में दर्ज अंश का वाचन किया जाएगा। समस्त उपजिलाधिकारी, उनके अधीनस्थ राजस्व निरीक्षक और लेखपाल तथा जिला पंचायत राज अधिकारी के अधीनस्थ समस्त ग्राम पंचायत अधिकारी आपस में समन्वय स्थापित कर इस कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करेंगे। पूर्व निर्धारित तिथि, समय और स्थान पर भूमि प्रबंधक समिति और समस्त ग्रामवासी/सह-खातेदार के बीच ग्राम पंचायत में एक बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में प्रपत्र ख0पु0-3 में दर्ज अंश को पढ़कर सुनाया जाएगा। इसके बाद, जिन खातेदारों/सह-खातेदारों के अंश निर्धारण में त्रुटियां या लोप संज्ञान में आएंगे, उनसे प्रपत्र ख0पु0-3 में सही अंश दर्ज कराकर सहमति के रूप में हस्ताक्षर-अंगूठा लगवाया जाएगा। खातेदारों-सह-खातेदारों को अपने अंश के समर्थन में विधिक प्रपत्र (जैसे भूमि क्रय संबंधी बैनामा या सक्षम न्यायालय के आदेश की प्रति) उपलब्ध कराने होंगे। सम्बंधित लेखपाल द्वारा खातेदार-सहखातेदार से प्राप्त विधिक प्रपत्र और प्रपत्र ख0पु0-3 को ''भूलेख खतौनी अंशत्रुटि सुधार'' पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। लेखपाल आवेदन की स्थलीय और अभिलेखीय जांच करने के बाद, विवादित-अविवादित मामलों के संबंध में अपनी संस्तुति सहित जांच आख्या और साक्ष्य पोर्टल पर अपलोड कर राजस्व निरीक्षक को अग्रसारित करेंगे। राजस्व निरीक्षक लेखपाल द्वारा अग्रसारित प्रकरणों का परीक्षण करने के बाद तहसीलदार की ऑनलाइन अनुमति के लिए प्रेषित करेंगे। सम्बंधित तहसीलदार क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक की सभी जांच आख्याओं का परीक्षण कर अविवादित आवेदनों के संबंध में ऑनलाइन अनुमति प्रदान करेंगे। जिन आवेदनों में अंश निर्धारण विवादित है या वे राजस्व निरीक्षक की आख्या से असहमत हैं, तो तहसीलदार अपनी संस्तुति सहित आख्या उपजिलाधिकारी को अग्रसारित करेंगे।

प्रयागराज में संगम पर माघ मेला के मुख्य स्नान पर्व मकर संक्रांति एवं मौनी अमावस्या को क्षेत्र में प्रतिबंधित रहेंगे वाहन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- सम्पूर्ण माघ मेला क्षेत्र नो व्हीकल जोन रहेगा व मुख्य स्नान पर्व पर नहीं होगा अक्षयवट दर्शन

प्रयागराज। प्रयागराज के संगम (गंगा-यमुना-सरस्वती) पर विश्व प्रसिद्ध माघ मेला के मुख्य स्नान पर्व मकर संक्रांति 15 एवं मौनी अमावस्या 18 जनवरी को लेकर श्रद्धालुओं एवं वाहनों के आवागमन में परिवर्तन लागू कर दिया गया है। आज 13 जनवरी की शाम आठ बजे इसे लागू कर दिया जाएगा। माघ मेला प्रभारी पुलिस अधीक्षक नीरज पांडेय ने दी।

उन्होंने बताया कि माघ मेला-2026 द्वितीय एवं तृतीय मुख्य स्नान पर्व को सम्पन्न करने के लिए 13 जनवरी की शाम आठ से 19 जनवरी को समय 24 बजे तक अथवा मेला क्षेत्र की भीड़ समाप्ति तक सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में प्रशासनिक चिकित्सकीय वाहनों के अतिरिक्त सभी प्रकार के वाहनों के आवागमन प्रतिबन्धित रहेगा। सम्पूर्ण मेला के परेड, झूंसी, अरैल क्षेत्रों में आने वाले श्रद्धालु स्नानार्थी सम्बन्धित परेड, झूंसी, अरैल क्षेत्रों में बनाये गये संगम स्नान घाटों पर ही स्नान करेंगे। शहर, कानपुर मार्ग, लखनऊ मार्ग से आने वाले श्रद्धालु एवं स्नानार्थी अपने वाहनों को प्लाट नम्बर 17 पार्किंग में अपने वाहनों को पार्क कर पैदल काली मार्ग द्वारा अपर संगम मार्ग से संगम घाट, संगम हनुमान घाट व संगम रामघाट पर स्नान के जा सकेगें। स्नान के उपरान्त श्रद्धालुगण स्नानार्थी अक्षयवट मार्ग, खडंजा वापसी मार्ग होकर त्रिवेणी मार्ग द्वारा सम्बन्धित पार्किंग में पहुंच कर अपने वाहनों से गन्तव्य को वापस जा सकेगें। इसी तरह गल्ला मंडी पार्किंग में श्रद्धालुगण स्नानार्थी अपने वाहनों को पार्क कर पैदल काली-2 मार्ग से बेणीबांय, मोरी रैम्प द्वारा किला घाट मार्ग पहुंच कर संगम मोरी घाट तथा संगम शिवाला घाट पर पहुँच कर स्नान कर सकेंगे, स्नान के उपरान्त श्रद्धालुगण एवं स्नानार्थी गंगामूर्ति चौराहा से ओल्ड जीटी मार्ग (थाना दारागंज कमिश्नरेट के सामने से) अथवा रिवर फ्रंट मार्ग द्वारा सम्बन्धित पार्किंग में पहुंच कर अपने वाहनों द्वारा गन्तव्य को वापस जा सकेगें। तीसरी नागवासुकि पार्किंग में श्रद्धालुगण स्नानार्थी अपने वाहनों को पार्क कर पैदल नागवासुकि संगम स्नान घाट पर स्नान कर सकेगें, स्नान के उपरान्त श्रद्धालुगण स्नानार्थी सम्बन्धित पार्किंग से अपने वाहनों से अपने गन्तव्य को वापस जा सकेगें। ओल्ड जीटी कछार पार्किंग में श्रद्धालुगण स्नानार्थी अपने वाहनों को पार्क कर पैदल नागवासुकि मार्ग द्वारा पान्दून पुल नं. 4 व 5 पश्चिमी के मध्य वने संगम स्नान घाट पर स्नान कर सकेगें, स्नान के उपरान्त श्रद्धालुगण एवं स्नानार्थी ओल्ड जीटी मार्ग द्वारा ओल्ड जीटी कछार पार्किंग में पहुँच कर अपने वाहनों से गन्तव्य को जा सकेगें। महुआबाग पार्किंग में श्रद्धालु एवं स्नानार्थी अपने वाहनों को पार्क कर पैदल जीटी रोड टीकरमाफी से त्रिवेणी मार्ग द्वारा संगम लोवर मार्ग-त्रिवेणी मार्ग चौराहा से बायें मुड़कर संगम लोवर मार्ग द्वारा अक्षयवट मार्ग-लोवर संगम मार्ग से दाहिने अक्षयवट मार्ग द्वारा संगम ऐरावत घाट पहुंच कर स्नान कर सकेंगें। स्नान करने के उपरान्त श्रद्धालुगण महावीर मार्ग द्वारा रिवर फन्ट-समुद्र कूप मार्ग व काली मार्ग द्वारा टीकरमाफी जीटी रोड से महुआबाग पार्किंग व अन्य सम्बन्धित पार्किंग से अपने वाहनों द्वारा अपने गन्तव्य को जा सकेगें। सोहम आश्रम पार्किंग में श्रद्धालु एवं स्नानार्थी अपने वाहनों को पार्क कर पैदल रिवर फ्रंट झूसी मार्ग द्वारा अक्षयवट मार्ग से पुल नं0 1 के दक्षिण बने संगम ऐरावत स्नान घाट पर स्नान कर सकेंगे, स्नान के उपरान्त श्रद्धालुगण महावीर मार्ग से समुद्रकूप मार्ग अथवा रिवर फ्रंट झूसी मार्ग से सोहम आश्रम पार्किंग या अन्य सम्बन्धित पार्किंग से अपने वाहनों द्वारा अपने गन्तव्य को जा सकेगें। मिर्ज़ापुर-रीवा मार्ग से आने वाले श्रद्धालु स्नानार्थी जाने कहां खड़ा करेंगे वाहन- श्रद्धालु अपने वाहन देवरख कछार पार्किंग में पार्क कर पैदल सोमेश्वर महादेव रैम्प मार्ग से सोमेश्वर महादेव संगम स्नान घाट पर स्नान कर सकेगें, स्नान के उपरान्त स्नानार्थी उसी मार्ग से देवरख कछार पार्किंग अथवा सम्बन्धित पार्किंग में पहुँच कर अपने वाहनों से गन्तव्य को जा सकेगें। गंजिया पार्किंग में श्रद्धालुगण स्नानार्थी अपने वाहनों को पार्क कर पैदल अरैल घाट मार्ग से फलाहारी बाबा आश्रम के सामने से अरैल बांध रोड पहुंच कर अरैल रैम्प द्वारा संगम अरैल घाट, संगम चक्रमाधव घाट एवं अन्य संगम स्नान घाटों पर स्नान कर सकेगें, स्नान के उपरान्त श्रद्धालगण अरैल रैम्प द्वारा अरैल बांध रोड पहुंच कर सच्चा बाबा आश्रम सुरियावीर तिराहा से गंजिया पार्किंग में पहुंच कर अपने वाहनों से गन्तव्य को वापस जा सकेगें।

इटावा में फ्रेट कॉरिडोर में बिछाई जा रही है नई रेल लाइन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

इटावा। दिल्ली हावड़ा रेलमार्ग पर माल वाहक रेलगाड़ियों की रफ्तार में बाधा को दूर करने के लिये उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में फ्रेट कारीडोर पर करीब एक किलोमीटर की दूरी की एक नई रेल लाइन बिछाई जा रही है।

इस रेल लाइन को बिछाने के लिए करीब एक सैकड़ा से अधिक रेल विभाग से जुड़े हुए अधिकारी और कर्मी जी जान से जुटे हुए हैं। युद्ध स्तर पर बिछाई जा रही इस रेल लाइन को इस साल फरवरी में शुरू किए जाने की उम्मीद रेलवे अधिकारियों की ओर से जताई जा रही है।

फ्रेट कॉरिडोर रेलवे विभाग की ओर से जुड़े हुए अधिकारियों की ओर से ऐसा बताया गया है कि इटावा में फ्रेट कारीडोर रेल लाडन पर करीब एक किलोमीटर रेल लाडन में बदलाव किया जा रहा है। करीब 1 किलोमीटर से अधिक लंबी रेल लाइन को बिछाने के लिए एक सैकड़ा से अधिक रेल विभाग के कर्मी और अधिकारी सक्रिय बने हुए हैं।

मालवाहक रेल गाडियों के संचालन के मद्देनजर बनाए गए फ्रेट कॉरिडोर में इटावा जिले के जसवंतनगर के भतोरा गांव के पास एक घुमावदार मोड के चलते रेलगाडियो की स्पीड मात्र 75 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार रहती थी। रेल अधिकारियों के निर्देश के क्रम में अब इस स्थान पर एक नई रेल लाइन बिछाई जा रही है। करीब एक किलोमीटर से अधिक लंबी रेल लाइन के बिछाए जाने के बाद अब रेल संचालन बेहतर ढंग से संभव हो सकेगा।

रेल अधिकारियों ने बताया कि जब नई रेल लाइन बिछा दी जाएगी तब करीब सवा सौ किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से माल वाहक रेल गाड़ियों का संचालन शुरू हो जाएगा।

फ्रेंड कॉरिडोर पर रेलवे लाइन बिछाने में जुटे रेल कर्मी गौरव कुमार का कहना है कि इटावा जिले के जसवंतनगर तहसील की भतोरा गांव के पास से गुजर रही फ्रेट कारीडोर की रेल लाइन जब बिछाई गई थी तब इस बात का ध्यान नहीं रखा गया कि इस स्थान पर एक बड़ा घुमाव है जिसके कारण यहां पर माल वाहक रेलगाड़िया की स्पीड 70 और 75 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार पर ही रहती है जिसके कारण माल वाहक रेलगाड़िया के संचालन में काफी कठिनाइयों का सामना मालवाहक रेलगाड़िया के चालकों को करना पड़ रहा था। मालवाहक रेल गाड़ियों के चालकों की कठिनाइयों को दृष्टिगत रखते हुए रेल विभाग की ओर से सर्वेक्षण के बाद तय किया गया है कि भतोरा गांव के पास रेल लाइन में बदलाव किए बिना माल वाहक रेलगाड़िया का संचालन ठीक ढंग से संभव नहीं है। करीब 1 साल से अधिक के समय से इस गांव के पास नई रेल लाइन बिछाने का काम बड़ी तेजी से किया जा रहा है। नई रेल लाइन बिछाने के काम में जुटे रेल कर्मी रोहित कुमार का कहना है कि नई रेल लाइन बिछाने का काम रेल विभाग के निर्देश के क्रम में किया जा रहा है। सिर्फ रेल लाइन ही नहीं बल्कि सिग्नल आदि को भी नए सिरे से स्थापित किया जा रहा है। फ्रेट कॉरिडोर भारत के डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो मुख्य रूप से पूर्वी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से जुड़ा है और माल ढुलाई को तेज, कुशल और सस्ता बनाने के लिए बनाया गया है। यह उच्च गति और क्षमता वाले रेल मार्ग हैं जो विशेष रूप से माल परिवहन के लिए बनाए गए हैं, ताकि भारत के प्रमुख बंदरगाहों और औद्योगिक क्षेत्रों को जोड़ा जा सके।

इटावा में पूर्वी फ्रेट कॉरिडोर पर स्थित है और इसके माध्यम से पंजाब से पश्चिम बंगाल तक माल की आवाजाही होती है, और यह दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे से भी जुड़ा है। इटावा में मई 2022 में जसवंतनगर में फ्रेट कॉरिडोर के एक रेलवे ओवर ब्रिज की 4 वीयरिंग टूटने जैसी घटनाएं हुई हैं, जिससे परिचालन बाधित हुआ और मरम्मत कार्य करना पड़ा।